निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, शनिवार 17 जनवरी 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 241 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

जामताड़ा में मां चंचला महोत्सव के दौरान आदिवासी नृत्य और पश्चिम बंगाल से आई महिला ढाकी आकर्षण के केंद्र रहे

संक्षिप्त समाचार

पिकअप-बाइक की टक्कर, एक की मौत

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। चतरा-इटखोरी मुख्य मार्ग पर गुरुवार रात सड़क दुर्घटना में इटखोरी प्रखंड के प्रेमनगर निवासी दिलीप भुइयां की मौके पर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दिलीप अपने दोस्त विनोद के साथ बाइक से चतरा के इको पार्क से लौट रहे थे। भेड़िफार्म के 'बेल गाछ' के समीप विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दिलीप की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

होटल कारोबारी पर हमला, तोड़फोड़

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। गिरिडीह-बेंगाबाद मुख्य मार्ग पर कर्णपुरा स्थित पंजाबी गार्डन होटल पर गुरुवार देर रात हथियारबंद उपद्रवियों ने हमला कर दिया। 30 से 40 की संख्या में आए हमलावरों ने होटल में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की और कर्मचारियों को बंधक बना लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उपद्रवियों ने होटल संचालक मुकेश यादव, अनिल यादव और संदीप बरनवाल के साथ बेरहमी से मारपीट की।

व्यवसायी का फंदे से लटका मिला शव

बोकारो(नबिटा ब्यूरो)। बोकारो थर्मल (बेरमो) थाना क्षेत्र में एक व्यवसायी की अपने घर में फांसी के फंदे लटकी लाश मिली। मृतक की पहचान रेलवे स्टेशन कॉलोनी निवासी 40 वर्षीय रेडीमेड कपड़ा व्यवसायी अंचू पाल के रूप में की गई। लोग आत्महत्या की आशंका जता रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। अंचू पाल की बोकारो थर्मल रेलवे स्टेशन मार्केट में रेडीमेड कपड़ों की दुकान थी।

शराब पार्टी के बाद युवक पर फायरिंग

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। शहर के सदर थाना क्षेत्र का झाड़ूडीह में फायरिंग की घटना हुई है। कोल किंग सुरेश सिंह हत्याकांड के चश्मदीद गवाह देवेंद्र सिंह पर फायरिंग करने का आरोप लगा है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है। पुलिस ने देवेंद्र सिंह के फ्लैट से दो दर्जन से भी अधिक जिंदा गोलियां बरामद की है। इस संबंध में भुक्तभोगी राजेश झा ने बताया कि झाड़ूडीह स्थित अपार्टमेंट के फर्स्ट फ्लोर पर देवेंद्र सिंह का फ्लैट है। उन्होंने बताया कि गुरुवार की रात अपार्टमेंट के नीचे अपने दोस्तों के साथ देवेंद्र सिंह ने शराब पार्टी की थी।

मुर्शिदाबाद के फ़ेरीवाले ने पलामू में की आत्महत्या

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के एक व्यक्ति ने पलामू जिले के विश्रामपुर थाना इलाके में आत्महत्या कर ली। उसकी पहचान अलाउद्दीन शेख के रूप में हुई है। वह फ़ेरीवाला और कबाड़ी का काम करता था। लोगों से वह कबाड़ की सामग्री और बाल लेता था। वह विश्रामपुर में पंचमुखी मंदिर के पास एक किराए के मकान में रहता था। विश्रामपुर थाने को सूचना मिली कि एक कमरे में एक आदमी का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही विश्रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद शव उसके रिश्तेदारों को सौंप दिया।

बस में आग लगाने वाले चार युवक गिरफ्तार

रांची(नबिटा ब्यूरो)। एक नाबालिक लड़की को धक्का लगने के बाद यात्री बस में आग लगने वाले आरोपियों में से चार को रांची पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी गिरफ्तार आरोपी रांची के ओरमांझी के रहने वाले हैं। 14 जनवरी को ओरमांझी थाना क्षेत्र में एक यात्री बस में आग लगाने की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस हिंसक वारदात में शामिल चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि अन्य संदिग्धों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं।

झारखंड निकाय चुनाव : सियासी दलों की बढ़ी टेंशन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में नगरीय निकाय चुनाव की घोषणा जल्द होने वाली है। यह चुनाव गैर दलीय होगा लेकिन इस बार का चुनाव राजनीतिक दृष्टि से बड़ा संकेत देने वाला है। शहरी क्षेत्र में अपनी मजबूत पकड़ मान रही भाजपा के लिए यह चुनाव किसी चुनौती से कम नहीं है। ठीक इसी तरह सत्तारूढ़ दल जेएमएम, कांग्रेस और राजद पिछले विधानसभा चुनाव में शहरी वोटबैंक में इजाफा होने से काफी उत्साहित है और इसी पकड़ को बनाए रखने के लिए सत्तापक्ष पूरी तैयारी कर चुका है। अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे सियासी दलों की चिंता कोई और नहीं बल्कि अपने ही बढ़ा रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि वार्ड पार्षद से लेकर महापौर और अध्यक्ष जैसे एकल पदों पर, पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। रांची नगर निकाय क्षेत्र की बात करें तो यहां पार्षद से लेकर महापौर पद पर सियासी दलों में अंदरूनी कलह है। बात यदि भाजपा की करें तो रांची नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आ रहे 53 वार्डों में जबरदस्त खींचतान है। इस खींचतान को वार्डों के आरक्षण ने भी बढ़ाया है। उदाहरण के तौर पर वर्तमान वार्ड संख्या 34 में पार्षद बनने के लिए अरुण कुमार झा और ओमप्रकाश सिंह जैसे नेताओं ने चुनाव लड़ने की तैयारी कर ली है। भाजपा में सबसे ज्यादा महापौर सीट पर चुनाव लड़ने के दावेदार हैं जिसमें अशोक बड़ाईक, रोशनी खलखो, सुजाता कच्छप, नकुल तिर्की, राम कुमार पाहन जैसे नाम शामिल हैं। इसी तरह कांग्रेस और

जेएमएम की स्थिति है। रांची महापौर पद के लिए एक तरफ जेएमएम नेता अजय तिर्की, किस्मत आजमाना चाहते हैं तो दूसरी ओर कांग्रेस नेता रमा खलखो भी चुनाव मैदान में उतर सकती हैं। आजसू, राजद और वामदल में भी कमोबेश ऐसी ही स्थिति है। नगर निकाय चुनाव में पार्टी के अंदर समन्वय बनाना बड़ी चुनौती साबित होगी। पार्षद जैसे पद के लिए पार्टी हस्तक्षेप करने से परहेज के मूड में है लेकिन महापौर, नगर परिषद और नगर पंचायत अध्यक्ष के पद पर चुनावी लड़ाई में राजनीतिक दलों का अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप होगा। इसके लिए पार्टी के अंदर कार्यकर्ताओं को समझा बुझाकर चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी की जा रही है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा का मानना है कि दावेदार अधिक होना स्वाभाविक है लेकिन समन्वय बनाकर चुनाव लड़ा जाएगा। जेएमएम के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडे भी मानते हैं कि दावेदारों की संख्या अधिक होने से परेशानी तो होती है लेकिन केंद्रीय नेतृत्व चुनाव की घोषणा के बाद कार्यकर्ताओं को समझाने में जरूर सफल होगा जिससे अधिक से अधिक सीट मिल सके। शहरी निकाय क्षेत्र में भाजपा की मजबूत पकड़ मानी जाती है। पिछले चुनाव में भाजपा समर्थक राज्य के प्रमुख शहर रांची, बोकारो, जमशेदपुर, धनबाद, हजारीबाग, चाईबासा जैसे नगर निकाय क्षेत्र के प्रमुख पदों पर जगह बनाने में सफल रहे। जाहिर तौर पर इन नगर निकायों में एक बार फिर मेयर, नगर परिषद अध्यक्ष जैसे पदों को फिर से पाना, बीजेपी के लिए प्रतिष्ठा का विषय बना हुआ है। लेकिन इस बार ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से चुनाव कराने के निर्णय ने बीजेपी की चिंता बढ़ा दी है। इधर सत्तारूढ़ जेएमएम, कांग्रेस, राजद पिछले विधानसभा चुनाव की तरह इस बार भी अधिक से अधिक कार्यकर्ता, नेता और अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव जीतने की उम्मीद रखे हुए है।

निकाय चुनाव के दौरान नियम संगत कार्य करें अधिकारी : अलका तिवारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नगर निकाय चुनाव की तैयारी को अंतिम रूप देने में राज्य निर्वाचन आयोग जुटा हुआ है। शुक्रवार को राज्यभर के सभी 48 नगर निकायों के निर्वाची पदाधिकारी और सह निर्वाची पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई। आयोग कार्यालय में आयोजित बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में चुनाव के हर विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी ने कहा कि चुनाव की घोषणा होते ही निर्वाची पदाधिकारी और सह निर्वाचन प्रभारी की भूमिका अहम हो जाती है। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि नामांकन के वक्त प्रत्याशियों के द्वारा भरे जाने वाले फॉर्म और चुनाव चिन्ह आवंटन के समय निर्वाचन पदाधिकारी की अहम भूमिका होती है। इसे बड़े ही सतर्कता के

साथ निभानी चाहिए। उन्होंने निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारियों को सलाह दी। साथ ही कहा कि आयोग के द्वारा जारी निर्वाचन पुस्तिका का अध्ययन जरूर कर लें क्योंकि उसी के अनुरूप निकाय चुनाव संपन्न कराने में अपनी भूमिका का निर्वहन किया जाएगा। छोटी-छोटी बातों से कई बार विवाद बढ़ जाता है, इसलिए नियम संगत चुनाव के दौरान कार्य करें। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो, इसकी जिम्मेदारी सभी पदाधिकारियों पर होगी। इसके लिए पूरी सतर्कता के साथ निर्वाचन के दौरान काम करने की आवश्यकता है। अलका तिवारी ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण काउंटिंग होती है, जो अच्छे ढंग से और निष्पक्ष रूप से संपन्न हो, इस पर जरूर ध्यान रखने की जरूरत है। चुनाव के दौरान प्रत्याशियों एवं उनके समर्थकों पर पदाधिकारियों को पूरी तरह से नजर रखने का निर्देश दिए हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि हर हाल में चुनाव शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न हो इसके लिए सभी प्रशासनिक तैयारी रखी जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही आदर्श आचार संहिता लागू होगी। इसका पालन कराने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। इसके अनुपालन की जिम्मेदारी सभी पदाधिकारियों पर होगी। इस मौके पर निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने चुनाव कार्य की तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पदाधिकारियों को चुनाव पूर्व उन्हें दी गई जिम्मेदारी से अवगत कराया गया है। आवश्यकता पड़ने पर आने वाले समय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से भी निर्देशित किया जायेगा।

इडी के दफ्तर पर पुलिस की छापेमारी प्रथम दृष्टया पूर्व नियोजित : हाईकोर्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। ईडी और रांची पुलिस के बीच चल रहे विवाद का मामला अब झारखंड हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। शुक्रवार को हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (इडी) को राहत देते हुए रांची पुलिस की जांच पर फिलहाल रोक लगा दी। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने की। कोर्ट ने राज्य सरकार और संबंधित पक्षों के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जांच के नाम पर किसी केंद्रीय एजेंसी के कामकाज में बाधा नहीं डाली जा सकती। हाईकोर्ट ने माना कि मौजूदा परिस्थितियों में ईडी के खिलाफ की जा रही पुलिस कार्रवाई से केंद्रीय जांच एजेंसी की कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है, जो स्वीकार्य नहीं है। इसी आधार पर रांची पुलिस की जांच पर अंतरिम रोक लगाई गई है। इस आदेश से ईडी के उन अधिकारियों को बड़ी राहत मिली है जिनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी संतोष कुमार ने नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि अब ईडी अधिकारियों की सुरक्षा बीएसएफ के जिम्मे होगी। दरअसल ईडी ने झारखंड पुलिस द्वारा गुरुवार को रांची स्थित अपने कार्यालय में की गई जांच और छापेमारी के खिलाफ हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की थी। ईडी ने याचिका में पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की थी। इसी दलील पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। इस पूरे विवाद की शुरुआत पीएचईडी के कर्मचारी संतोष कुमार द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर से हुई थी। संतोष ने आरोप लगाया था कि रांची स्थित ईडी कार्यालय में पूछताछ के दौरान उसके साथ मारपीट, दुर्व्यवहार और प्रताड़ना की गई। इस शिकायत के आधार पर रांची के एयरपोर्ट थाना में मामला दर्ज किया गया जिसके बाद पुलिस टीम ईडी कार्यालय पहुंची थी। हाईकोर्ट के ताजा आदेश के बाद अब इस मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया और अगली सुनवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

अलग-अलग स्थानों पर दो लोगों की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। दो अलग-अलग घटनाओं में दो व्यक्तियों की हत्या कर दी गई है। एक घटना में हत्या के बाद शव को जला दिया गया है जबकि दूसरे व्यक्ति की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई है। पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है। दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पलामू के मेदिनीनगर टाउन थाना के कांदू मोहल्ला में शुक्रवार को रेलवे ट्रैक के किनारे एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। उसकी पत्थर से कुचलकर हत्या करने के बाद शव को कचरा से छुपाया गया था। मॉर्निंग वॉक के दौरान लोग रेलवे ट्रैक के किनारे घूम रहे थे, इसी दौरान उन्हें शव नजर आया। इसके बाद लोगों ने पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद मेदिनीनगर टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंची। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पांकी के रहने वाले एक परिवार ने इस मामले में मेदिनीनगर टाउन थाना से संपर्क किया है। टाउन थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार ने बताया कि शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है। दूसरी घटना पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के गुरहा के इलाके की है जहां पुलिस को एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। व्यक्ति की पत्थर से कुचलकर हत्या करने के बाद उसके शव को जलाया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मृतक की भी पहचान नहीं हो पाई है। चैनपुर थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है।

मेला देखकर घर लौट रही किशोरी समेत तीन पर चाकू से हमला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दुमका। जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के पथरिया के समीप गुरुवार की देर रात मेला देखकर बाइक से लौट रही एक किशोरी और उसके दो साथियों पर बाइक सवार तीन लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। इसमें 16 साल के किशोर लखींद्र सोरेन की मौत हो गई जबकि चाकू लगने से डेविड हांसदा और किशोरी गंभीर रूप से घायल है। दोनों का इलाज फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। जानकारी मिलने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस को दिए गए बयान में घायल डेविड ने बताया कि वे तीनों खेरबनी गांव के निवासी हैं। गुरुवार को तातलोई मेला देखने जामा गए थे। मेला घूमने के बाद देर रात तीनों बाइक से लौट रहे थे। इसी दौरान रामगढ़ थाना के पथरिया के पास बाइक सवार तीन लोगों ने ओवरटेक कर हमारी बाइक रोकी और किशोरी को बाइक से उतारने का प्रयास करने लगे। जब इसका विरोध किया गया तो उन तीनों पर चाकू से वार कर दिया गया। घटना में किशोरी और दोनों किशोर घायल हो गए। आनन-फानन में तीनों को दुमका के फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच कर लखींद्र को मृत घोषित कर दिया जबकि किशोरी और डेविड का इलाज अस्पताल में चल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ विजय कुमार महतो फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों से पूरी घटना की जानकारी ली। वहीं घटना को लेकर दुमका एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार ने बताया कि एक किशोर की हत्या हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राज्य में अपराधियों का बढ़ रहा मनोबल : संजय सेठ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ जमशेदपुर पहुंचे और कैरव गांधी के आवास पर उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिवार के सदस्यों से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। परिजनों से बातचीत के बाद संजय सेठ ने मीडिया से बात करते हुए झारखंड की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि झारखंड में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने सुझाव दिया कि झारखंड को बिहार और योगी मॉडल से सीखना चाहिए और राज्य में योगी मॉडल लागू करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में अपराधियों का मनोबल बढ़ रहा है और आम जनता असुरक्षित महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि हत्या, लूट, छिनतई, मारपीट और संगठित अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही है लेकिन सरकार और प्रशासन इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। संजय सेठ ने दावा किया कि अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है जिससे कानून का डर खत्म हो रहा है। रक्षा राज्य मंत्री ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वे इस मामले को गंभीरता से उठाएंगे और संबंधित अधिकारियों से बात कर निष्पक्ष व त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने दोषियों को बख्शे न जाने और पीड़ित परिवार को पूरा न्याय मिलने पर जोर दिया। संजय सेठ ने राज्य सरकार से झारखंड में कानून-व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। इस दौरान स्थानीय भाजपा नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे, जिन्होंने राज्य में बढ़ते अपराध पर चिंता व्यक्त की।

चार वर्षों से फरार नक्सली मुंबई में गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बिहार-झारखंड में सक्रिय रहे और फरार चल रहे कुख्यात नक्सली चंदन को गिरफ्तार कर लिया है। एनआईए के द्वारा चंदन कुमार की गिरफ्तारी की आधिकारिक रूप से पुष्टि भी की गई है। उसे मुंबई से गिरफ्तार किया गया है। एजेंसी ने लंबे समय से फरार चल रहे प्रमुख आरोपी नक्सली चंदन को गिरफ्तार कर लिया। चन्दन जहानाबाद (बिहार) का निवासी है और संगठन में सक्रिय भाकपा (माओवादी) सदस्य के रूप में जाना जाता है। खास बात यह है कि आरोपी संगठन के वित्तीय मामलों में गहराई से लिप्त रहा, जो माओवादियों की आर्थिक रीढ़ को मजबूत करने का काम करता था। एनआईए की विशेष अदालत ने पहले ही चंदन को (भारतीय दंड संहिता) के तहत भगोड़ा घोषित कर दिया था। मामला दिसंबर 2021 में दर्ज किया गया था, जिसका आरसी नंबर है आरसी-05/2021/एनआईए/रांची। इसमें प्रद्युम्न शर्मा, सुनील भगत, अभय मांझी उर्फ गुड्डू, बिट्टू उर्फ योजनंद्र पासवान समेत कई आरोपी नामजद है। एनआईए की जांच के अनुसार यह षड्यंत्र मगध क्षेत्र में भाकपा (माओवादी) को दोबारा मजबूत और विस्तार देने के लिए रचा गया था। एनआईए की गहन जांच में सामने आया कि गिरफ्तार चंदन ने मगध जोनल कमेटी के जरिए संगठन को फिर से संगठित करने की कोशिश की। इसमें हथियारों का संग्रह, निर्माण और वितरण प्रमुख गतिविधियां थीं। आरोपी विभिन्न जांच एजेंसियों की नजरों से बचने के लिए मजदूर के भेष में भी काफी दिन तक छुपा रहा। लेकिन इसी दौरान वह ग्रामीण इलाकों में सक्रिय अपने एजेंट्स (ग्राउंड वर्कर्स या जीडब्ल्यूएस) के माध्यम से संगठन को निर्देशित करता रहा। ये एजेंट स्थानीय स्तर पर लेवी वसूली, भर्ती और हथियार सप्लाई का काम संभालते थे।

ब्राउन शुगर के साथ तीन गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मादक पदार्थों के खिलाफ रांची पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बार फिर से पुलिस को सफलता हाथ लगी है। रांची के गोंदा इलाके से पुलिस ने तीन ड्रग्स पैडलर्स को गिरफ्तार किया है। गोंदा थाना पुलिस ने छापेमारी कर 24.30 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ युवक मादक पदार्थों की खेप लेकर इलाके में घूम रहे हैं। इस सूचना पर थाना प्रभारी गोंदा के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम ने गोंदा क्षेत्र में वाहन जांच अभियान तेज कर दी है। इसी क्रम में एक संदिग्ध स्कूटी को रोका गया जिसमें सवार तीनों युवकों को पहले हिरासत में लिया गया और जब तीनों की तलाशी ली गई तो उनके पास से 24.30 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई जो प्लास्टिक पाउच में पैक थी। युवकों की पहचान अमित कुमार (24), राजू पासवान (22) और संतोष यादव (25) के रूप में हुई है। तीनों रांची के विभिन्न इलाकों में डेरा डाले हुए थे और छोटे-मोटे सप्लायरों से संपर्क कर रहे थे। पुलिस अब इनके बड़े नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है जिसमें सासाराम के संभावित सोर्स और रांची के वितरकों की भूमिका शामिल हो सकती है।

हजारीबाग पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 48 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। झारखंड पुलिस के सेवा ही लक्ष्य के तहत नशीले पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में हजारीबाग पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। दारू थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-522, सिवाने पुल के पास एक डस्टर कार से भारी मात्रा में गांजा बरामद करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग को दिनांक 16.01.2026 को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि सफेद रंग की डस्टर कार (संख्या- WB-74AA-6328) में अवैध रूप से गांजा की तस्करी की जा रही है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बिष्णुगढ़ के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एनएच-522 सिवाने पुल के समीप उक्त वाहन को सड़क किनारे खड़ा पाया गया। पुलिस बल को देखकर एक व्यक्ति वाहन छोड़कर

भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। गिरफ्तार व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम चन्दन कुमार, पिता-तेजनारायण सिंह, ग्राम-नामकुम, देवी मंडप रोड, थाना-नामकुम, जिला-रांची बताया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें छिपाकर रखे गए 13 पैकेट पारदर्शी प्लास्टिक में लपेटा हुआ कुल 48.01 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर गिरफ्तार अभियुक्त ने बताया कि वह अपने सहयोगियों—डस्टर वाहन के मालिक विश्वनाथ सरकार (सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल) एवं मिठ्ठु सिंह (रांची) के साथ मिलकर गांजा तस्करी का कार्य करता है। इस संबंध में अभियुक्त के विरुद्ध कांड दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि हजारीबाग जिले में अवैध अफीम, डोडा एवं गांजा की तस्करी के विरुद्ध लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा है, जिससे तस्करों में हड़कंप एवं भय का माहौल बना हुआ है। यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण

चन्दन कुमार, पिता-तेजनारायण सिंह, ग्राम-नामकुम, देवी मंडप रोड, थाना-नामकुम, जिला-रांची।

बरामद सामग्री

डस्टर वाहन संख्या- WB-74AA-6328, गांजा-48.01 किलोग्राम, ओप्पो कंपनी का एक मोबाइल फोन

छापामारी दल में शामिल

श्री बैजनाथ प्रसाद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बिष्णुगढ़। पु०अ०नि० मो० इकबाल हुसैन, थाना प्रभारी, दारू। दारू थाना के सशस्त्र बल।

साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ उपायुक्त ने एक-एक कर उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनीं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए

■ जनता की समस्याओं को सुनना व समस्याओं का समय पर समाधान करना प्रशासन की जिम्मेदारी : उपायुक्त

गिरिडीह। जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने आज अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए आम नागरिक उपस्थित हुए और अपनी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने एक-एक कर उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनीं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार शासन-प्रशासन व आम नागरिकों के बीच संवाद का माध्यम है। इससे ना केवल लोगों की समस्याओं का प्रत्यक्ष समाधान होता है, बल्कि जनता का विश्वास भी प्रशासनिक व्यवस्था में मजबूत होता है। जनता की समस्याओं को सुनना व समस्याओं का समय पर समाधान करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। जनता दरबार कार्यक्रम के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया गया तथा यह संदेश दिया गया कि जनता की शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है जनता दरबार में लगभग 62 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें बिजली विपत्र, भूमि विवाद, पेंशन, पारिवारिक कलह, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, आवास, राशन कार्ड और जनसुविधा से संबंधित विषय प्रमुख रहें। उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता व त्वरित कार्रवाई के साथ काम करें, ताकि जनता को अनावश्यक परेशान नहीं होना पड़े। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन मामलों में तत्काल समाधान संभव है, उनका निपटारा नियमानुसार ढंग से तुरंत किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है। इस दौरान उपायुक्त ने कई मामलों का ऑन द स्पॉट निराकरण किया।

हबीबी नगर विस्फोट में बड़ा खुलासा, बम नहीं मोर्टार से हुआ धमाका : सूत्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग के हबीबी नगर में हुए भीषण विस्फोट को लेकर जांच में बड़ा खुलासा सामने आया है। सूत्रों के अनुसार यह धमाका बम से नहीं, बल्कि मोर्टार से हुआ था। ब्लास्ट में सद्दाम की मौत हो गई थी, जबकि जांच के दौरान उसके जांघ में फंसी मोर्टार की टेल यूनिट बरामद की गई है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए टेल यूनिट को फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) तथा जगुआर बीडी (बम डिस्पोजल) टीम ने अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि टेल यूनिट की तकनीकी जांच से मोर्टार की सप्लाई लाइन और इसके स्रोत का खुलासा हो सकता है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि मोर्टार कहां से

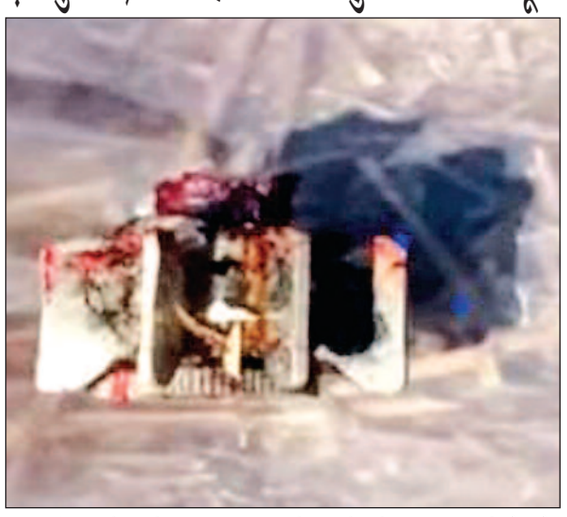

आया, किस उद्देश्य से रखा गया था और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है और जल्द ही और भी अहम खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

वन विभाग के खिलाफ तिसरी में पूर्व सीएम मरांडी ने की ग्राम सभा, डीएफओ को दिया अल्टीमेटम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। तिसरी के गुमगी मे वन विभाग के खिलाफ ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों का ग्राम सभा हुआ. इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी भी शामिल हुए. मरांडी ने वन विभाग द्वारा जमीन घेराबंदी किए जाने वाले स्थलों का मुआयना किया. वही सभा में वन विभाग द्वारा ग्रामीणों की जमीन पर की जा रही घेराबंदी करके वृक्ष पर कड़ी नाराजगी जाहिर कि. ग्रामीणों से कहा आपलोग अपना खेती में फसल लगाएं, वही भरोसा दिलाया कि लड़ाई हम सब साथ मिलकर लड़ेंगे, और जरुरत पड़ा, तो मुद्दे को विधानसभा में उठाया जाएगा।

चौपारण में अफीम की खेती पर बड़ा प्रहार, 40 एकड़ में लगी फसल नष्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दिनांक 16.01.2026 को चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिलोदर में वन विभाग एवं चौपारण पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए इस अभियान में लगभग 40 एकड़ क्षेत्र में अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को चिन्हित करते हुए मौके पर ही पूर्ण रूप से विनष्ट कर दिया गया।

अभियान के दौरान स्थल से 3 डिलीवरी पाइप बरामद किए गए, जिन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। अवैध अफीम की खेती में संलिप्त व्यक्तियों के नाम एवं पते का सत्यापन किया जा रहा है। दोषियों की पहचान होते ही उनके विरुद्ध विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले में अग्रतर कार्रवाई जारी है।

संयुक्त अभियान में शामिल अधिकारी/कर्मी

श्री अजीत कुमार बिमल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (SDPO), बरही। श्री चंद्रशेखर, पुलिस

निरीक्षक, बरही अंचल। सरोज सिंह चौधरी, थाना प्रभारी, चौपारण। रक सुबिन्दर राम। रक सरवन कुमार पासवान। अरक बदल महतो सहित सशस्त्र बल। बनपाल सरवन कुमार पुलिस ने बताया कि अफीम की खेती से पूर्व चौपारण थाना क्षेत्र में लगातार जागरूकता अभियान चलाया गया था। इसी क्रम में दिनांक 16.01.2026 को ग्राम अहरी में किए गए निरीक्षण में यह पाया गया कि जिन क्षेत्रों में पूर्व में अफीम की खेती होती थी, वहां अब सरसों एवं मूंगफली की खेती की जा रही है। हजारीबाग पुलिस के निरंतर जागरूकता एवं विनिष्ठीकरण अभियानों के सकारात्मक परिणामस्वरूप क्षेत्र में अफीम की अवैध खेती पर प्रभावी अंकुश लगा है। भविष्य में भी मादक पदार्थों की खेती एवं तस्करी के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त अभियान जारी रहेगा।

पंजाबी गार्डेन होटल में उत्पात : मारपीट, लूट व तोड़फोड़ मामले में 11 नामजद अभियुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बेंगाबाद एनएच पथ पर बारासोली के पास स्थित पंजाबी गार्डेन होटल में गुरुवार की रात हुई मारपीट, लूटपाट एवं तोड़फोड़ की सनसनीखेज घटना के मामले में बेंगाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

इस मामले में 11 नामजद एवं आठ से दस अज्ञात लोगों को अभियुक्त बनाया गया है प्राथमिकी में सोनबाद के संजीव वर्णवाल, खुटाबांध के अजय स्वर्णकार, खुटाबांध के महेंद्र ठाकुर, बारासोली के विजय सिंह, नारायण सिंह, महेश्वर सिंह, बाघे सिंह, बासुदेव सिंह, राधे सिंह, महदैया के छोटू मंडल तथा मोतीलेदा के प्रदीप वर्मा का नाम शामिल है होटल संचालक

तिसरी थाना क्षेत्र के माधवपुर गांव निवासी मुकेश कुमार यादव द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर बेंगाबाद थाना कांड संख्या 11/26 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आवेदन में बताया गया है कि सभी आरोपी हरवे हथियार एवं पिस्तौल से लैस होकर रात्रि करीब सवा सात बजे होटल में घुस आए और बिना किसी कारण मारपीट शुरू कर दी। होटल संचालक का आरोप है कि संजीव वर्णवाल ने पिस्तौल तानकर माथे पर सटाया और जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान महेंद्र ठाकुर द्वारा होटल के गल्ले से 12 हजार रुपये निकाल लेने का आरोप है। होटल में मौजूद बनहती निवासी ग्राहक उपेंद्र कुमार पर रॉड से हमला कर उनके गले से लगभग सवा लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन छीन ली गई, जबकि संदीप लाल का गला दबाकर उसकी जेब से पांच हजार रुपये निकाल लिए गए। होटल संचालक ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने होटल में जमकर उत्पात मचाते हुए तोड़फोड़ की और डाका डालने का प्रयास किया। इधर, थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि होटल संचालक के आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। संदेह के आधार पर एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था, लेकिन जांच के क्रम में उसकी संलिप्तता नहीं पाई गई। उन्होंने बताया कि दूसरे पक्ष की ओर से अभी तक कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। मामले की गहन जांच की जा रही है।

अभाविप ने मांगे जवाब : अभय कुमार

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आज गिरिडीह महाविद्यालय में झारखंड छात्र मोर्चा झामुमो छात्र संगठन ने कई मुद्दे पर प्राचार्य का घेरा जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित छात्र नेता अभय कुमार ,बडी यादव, सुमेर वर्मा,अंकित राज, आदित्य, विशाल, सूरज, रंजन, शिवम, राहुल आदि।अभय कुमार ने बताया कि इन सब मुद्दों का जवाब मांगा गया और प्राचार्य का जवाब आया भी और करवाई करने के लिए कहा भी गया उसको लेके 24 तारीख बैठक प्राचार्य के द्वारा रखा गया है,अब देखनी यह है कि प्राचार्य काभी इसमें मिले हुए है या सख्त करवाई किया जाएगा और नहीं तो झारखंड छात्र मोर्चा कुलपति से मिल के गलत का करवाई करवाएगी।

उपायुक्त ने खेल व पर्यटन संवर्धन विभाग की समीक्षा बैठक की, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज उपायुक्त रामनिवास यादव ने खेल एवं पर्यटन संवर्धन विभाग के तहत क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने खेल एवं पर्यटन विभाग की योजनाओं की अद्यतन स्थिति एवं प्रगति की जानकारी प्राप्त की। साथ ही खेल एवं पर्यटन विभाग के तहत प्राप्त आवंटन एवं व्यय आदि की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सभी कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही साथ पर्यटन स्थलों पर विकास कार्यों सफाई, सौंदर्यीकरण को समय पर पूरा करने, खेल सामग्री वितरण, फुटबॉल स्टेडियमों के निर्माण और स्थानीय खेल सुविधाओं पे-एंड-प्ले मोड को बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए, ताकि पर्यटकों और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएँ मिल सकें और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिले। उपायुक्त ने जिले में पर्यटन स्थलों के विकास की दिशा में

चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि चिन्हित स्थलों पर आधारभूत संरचनाओं का विकास तेजी से किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पर्यटक आकर्षित हो सकें। इसके अलावा खेल विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ाने हेतु पंचायत एवं प्रखंड स्तर पर खेल प्रतियोगिताएं नियमित रूप से आयोजित की जाएं।

सांसद द्वारा 101 जोड़ी सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारी को लेकर बड़कागांव भाजपा पूर्वी मंडल ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बड़कागांव हजारीबाग। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के नेतृत्व में प्रस्तावित 101 जोड़ी सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी की बड़कागांव विधानसभा स्तरीय बैठक स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर खरांटी के प्रांगण में की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने की, जबकि संचालन भगीरथ ठाकुर ने किया। कार्यक्रम का समापन सुमन गिरी ने धन्यवाद ज्ञापन से किया।

बैठक में सामूहिक विवाह कार्यक्रम की रूपरेखा, तैयारियां और आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान बड़कागांव पूर्वी मंडल अध्यक्ष विजय यादव ने कार्यक्रम से जुड़ी विशेष जानकारी साझा करते हुए इसे सफल बनाने के लिए सभी कार्यकताओं से सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। तथा हाल मे ही नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष आदित्य साहू तथा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह को बधाई तथा शुभकामना दी गई। बैठक में मंडल क्षेत्र के प्रत्येक पंचायत स्तर पर जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया। विशेष रूप से पंचायतों से वाहनों की उपलब्धता, कार्यकर्ताओं की उपस्थिति और विवाह स्थल तक आवागमन की व्यवस्था को लेकर गहन मंथन हुआ। सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, त्वरित जांच व कार्रवाई के निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। शशि प्रकाश सिंह ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उपायुक्त ने प्राप्त सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन अग्रसारित कर विधि-सम्मत जांच एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जनता दरबार में पतरा आजीविका महिला संगठन की महिलाओं ने शिकायत की कि अबुआ आवास योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पक्के मकान में रह रहे व्यक्तियों को दिया जा रहा है। इस पर उपायुक्त ने उपविकास आयुक्त को मामले की जांच कर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश

दिया। वहीं कटकमदाग थाना क्षेत्र अंतर्गत कूद निवासी महेश साव ने रेलवे स्टेशन के समीप वार्ड संख्या-24 में सड़क चौड़ीकरण की मांग रखी। उपायुक्त ने इस संबंध में सदर अनुमंडल पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। दारू थाना क्षेत्र के जोधन महतो ने अपनी भूमि के दाखिलझखारिज के लिए आवेदन दिया। इसके अलावा सदर थाना क्षेत्र के महबूब आलम ने एलपीसी निर्गत करने का अनुरोध किया, जिस पर उपायुक्त ने सदर अंचलाधिकारी को जांच कर प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया। जनता दरबार में उग्रवादी हिंसा में मारे गए स्वर्गीय मनोहर तिग्गा के परिजनों द्वारा अनुदान राशि प्रदान करने का अनुरोध भी किया गया। इस पर उपायुक्त ने उपविकास आयुक्त की देखरेख में संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत बडासी के बालेश्वर महतो ने अपने क्षेत्र में चापानल स्थापना की मांग की। उपायुक्त ने इस पर पीएचईडी विभाग के कार्यपालक अभियंता को स्थल निरीक्षण कर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में भूमि मापी, दाखिलझखारिज, बंटवारा सहित कई अन्य मामलों पर भी सुनवाई की गई। उपायुक्त ने सभी प्रकरणों को संबंधित विभागों को अग्रसारित करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन का निर्देश दिया तथा फरियादियों को निष्पक्ष एवं समयबद्ध न्याय का भरोसा दिलाया।

सदर अस्पताल में आउटसोर्सिंग कर्मियों का अनिश्चितकालीन धरना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जेएलकेएम के बैनर तले सदर अस्पताल परिसर में आउटसोर्सिंग कर्मियों ने सात सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं धरना पर बैठे आउटसोर्सिंग कर्मियों ने कहा कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

आंदोलनरत कर्मियों का आरोप है कि लंबे समय से बकाया वेतन, ईपीएफ, ईएसआई सहित पूर्व में की गई सभी कटौतियों का भुगतान नहीं किया गया है। इसके अलावा सरकार द्वारा निर्धारित समय पर वेतन और बोनस का भी भुगतान नहीं हो रहा है, जिससे कर्मियों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।धरनार्थियों की प्रमुख मांगों में सभी पदों पर कार्यरत कर्मियों को नियुक्ति पत्र देने, तकनीकी डिग्रीधारी कर्मियों को कुशल कामगार श्रेणी में रखकर उचित वेतन भुगतान करने, तथा प्रत्येक माह की 7 तारीख तक मानदेय का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग शामिल है इसके साथ ही अनुत्रिन कंप्यूटर ऑपरेटर के स्किल टेस्ट का परिणाम जारी कर पद बहाल करने और सिविल सर्जन द्वारा सभी प्रखंडों के प्रभारियों को प्रत्येक माह की 5 तारीख तक उपस्थिति एबसेंटी पर हस्ताक्षर के लिए बाध्य करने की भी मांग की गई है, ताकि समय पर वेतन भुगतान हो सके कर्मियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

विकसित भारत : जी राम जी योजना से बदलेगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर : मनीष जायसवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। मनीष जायसवाल ने कहा कि वीबी-जी राम जी (विकसित भारत रोजगार गारंटी आजीविका मिशन) ग्रामीण भारत के लिए एक नई और निर्णायक शुरूआत है, जो रोजगार, बुनियादी ढांचे और आत्मनिर्भरता को एक साथ मजबूती प्रदान करेगी।

हजारीबाग स्थित प्रोवेश रिसॉर्ट में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सांसद ने बताया कि यह योजना मनरेगा की जगह लेने वाला नया सरकारी कानून है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को प्रति वित्तीय वर्ष 125 दिनों के मजदूरी रोजगार की वैधानिक गारंटी देना है। यह वर्तमान मनरेगा के 100 दिनों की तुलना में 25 दिन अधिक है। प्रेस वार्ता की विषय प्रवेश जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह द्वारा कराई गई। सांसद ने कहा कि इस योजना के तहत गांवों में सड़क निर्माण, जल संरक्षण, ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास और आजीविका से जुड़े संसाधनों को सशक्त किया

जाएगा। इससे न केवल रोजगार सृजन होगा बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता और सतत विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि योजना में मजदूरी भुगतान को साप्ताहिक या अधिकतम 15 दिनों के भीतर अनिवार्य किया गया है। भुगतान में देरी होने पर श्रमिकों को मुआवजा देने का भी प्रावधान है। कृषि मौसम को ध्यान में रखते हुए राज्यों को 60 दिनों की विराम अवधि का विकल्प दिया गया है, ताकि बुवाई और कटाई के समय श्रमिक कृषि कार्यों में संलग्न रह सकें। सांसद ने कहा कि इस योजना में केंद्र और राज्यों के बीच 60:40 का वित्तीय साझेदारी अनुपात रहेगा, जबकि पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए यह 90:10 निर्धारित किया गया है। साथ ही प्रशासनिक व्यय की सीमा को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत किया गया है। उन्होंने मनरेगा की कमियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उसमें खराब गुणवत्ता, भ्रष्टाचार, फर्जी जॉब कार्ड, डुप्लीकेट मास्टर रोल और मजदूरी भुगतान में अनियमितता जैसी समस्याएं सामने आई थीं। वहीं वीबीझजी राम जी अधिनियम 2025 का उद्देश्य तकनीक आधारित पारदर्शिता के माध्यम से भ्रष्टाचार पर रोक लगाना और टिकाऊ व उच्च गुणवत्ता वाली ग्रामीण परिसंपत्तियों का निर्माण करना है। प्रेस वार्ता में बरही विधायक मनोज कुमार यादव, बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक यादव, प्रदेश कार्य समिति सदस्य अनिल मिश्रा, हरीश श्रीवास्तव, रेणुका साहू, जयनारायण प्रसाद, लोकसभा मीडिया प्रभारी रंजन चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्लस टू उच्च विद्यालय बरही में अभिभावक-शिक्षक बैठक सम्पन्न, शिक्षा की गुणवत्ता व अनुशासन पर हुआ मंथन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए विधायक मनोज

बरही, हजारीबाग। प्लस टू उच्च विद्यालय बरही परिसर में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यार्थियों के अनुशासन एवं शैक्षणिक माहौल को और बेहतर बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मनोज कुमार यादव उपस्थित रहे। वहीं जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, जिला परिषद सदस्य प्रीति कुमारी, मुखिया समशेर आलम एवं राजदेव यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक का संचालन दिलीप कुमार ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं शॉल ओढ़ाकर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के उत्कृष्ट शिक्षकों एवं मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे विद्यार्थियों में उत्साह और प्रेरणा का संचार हुआ। विधायक मनोज कुमार यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा समाज के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही छात्र अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार विद्यालयों में आधारभूत संरचना को मजबूत करने, शिक्षकों की कमी दूर करने तथा छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ उनके नैतिक एवं सामाजिक विकास पर भी विशेष ध्यान दें। बैठक में विद्यालय अध्यक्ष कपिलदेव राणा, प्रधानाध्यापक शिव कुमार राम सहित राजकुमार केशरी, इंद्रदेव ठाकुर, कैलाशपति सिंह, शिक्षक सुनील द्विवेदी, अनिल कुमार नीरज, खेल शिक्षक अश्विनी श्रीवास्तव, शिक्षिका हुस्ना आरा, विकास मिश्रा, रामचन्द्र मंडल, राजेश कुमार, अतहर हसन, तबरेज आलम, संत राम सिंह, संदीप पासवान, ओम प्रकाश सिंह, खेमलाल महतो, पवन सिंह, भूपेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

लातेहार कोर्ट ने दोषी को सुनाई उम्र कैद की सजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। जिला के चर्चित दो बच्चों की नरबलि कांड के आरोपित को दोषी करार देते हुए शुक्रवार को उम्र कैद की सजा सुनाई गयी। इसके अलावा आरोपित पर दो अलग-अलग धाराओं में नौ लाख रुपए जुर्माना भी लगाया गया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय संजय कुमार दुबे की अदालत ने यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया।

दरअसल वर्ष 2019 में मनिका थाना क्षेत्र के सेमरहट गांव में सुनील उरांव ने अपने पड़ोस के दो मासूम बच्चों की बलि दे दी थी। दोनों बच्चों का सिर कटा हुआ शव आरोपित सुनील उरांव के घर के आंगन में बालू में छुपाया हुआ बरामद किया गया था। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी और आरोपित को पकड़कर पुलिस के हवाले किया था।

इसके बाद इस संबंध में मनिका थाना में मामला दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई आरंभ

हुई थी। लगभग 10 गवाहों की गवाही के बाद न्यायालय ने शुक्रवार को इस मामले में अपना फैसला सुनाया। जिसके तहत आरोपित सुनील उरांव को दो अलग-अलग धाराओं में दोषी ठहराते हुए उम्र कैद की सजा और 9 लाख रुपए जुर्माना की सजा सुनाई गई।

अदालत में आरोपित को भादवि की धारा 302 के तहत उम्र कैद एवं छह लाख रुपए का जुर्माना और जुर्माना नहीं देने की स्थिति में अतिरिक्त 3 वर्षों का साधारण कारावास सुनाया। इसके साथ ही शव छुपाने के लिए भादवि की धारा 201 के तहत 7 वर्षों का साधारण कारावास एवं तीन लाख रुपए का जुर्माना और जुर्माना नहीं दिए जाने की स्थिति में 1 वर्ष का अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा सुनाई है।

अदालत में कुल 10 गवाहों को पेश किया गया था। अधिकांश गवाहों ने इस निर्मम हत्या में शामिल सुनील उरांव की संलिप्तता की बात कही थी। इसी मामले में दोषी को उम्र कैद की सजा तथा जुर्माना लगाया गया।

मोबाइल चार्ज करने गए थे बच्चे दरिंदे ने दे दी थी बलि!

वर्ष 2019 के जुलाई महीने में मनिका थाना क्षेत्र के सेमरहट गांव में बच्चे आरोपी सुनील उरांव के घर मोबाइल चार्ज करने गए थे। इसी दौरान सुनील उरांव ने दोनों बच्चों की नरबलि दे दी थी और दोनों बच्चों का शव अपने घर के आंगन में बालू में छुपा दिया था।

11 जुलाई 2019 की सुबह गांव का ही एक व्यक्ति वीरेंद्र उरांव किसी काम से सुनील उरांव के घर गया था। सुनील उरांव के घर में खून के छींटे देखकर वीरेंद्र उरांव ने उससे पूछा तो उसने कहा कि मुर्गा की बलि देवता में दिया हूं उसी का खून है।

इसी बीच बीरेंद्र की निगाह उसके आंगन में रखी हुई बालू की ढेर तरफ गई जहां हाथ की उंगलियां दिख दे रही थी। इसके बाद वीरेंद्र उरांव ने अन्य ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। सूचना के बाद जब आसपास के ग्रामीण वहां पहुंचे और बालू को हटाकर देखा तो पाया कि वहां दो बच्चों का सिरकटा शव पड़ा हुआ था। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई और आरोपी की गिरफ्तारी हुई थी।

लेबर कोड के खिलाफ 12 फरवरी को भारत बंद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। बगोदर में भाकपा माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा है कि मजदूरों के उपर केंद्र सरकार के द्वारा चार श्रम कोड थौपे गए हैं। ये श्रम कोड मजदूरों के हक और अधिकार के खिलाफ हैं। इसके खिलाफ 12 फरवरी को भारत बंद रखने का आह्वान किया है। सरकार के द्वारा किसानों पर थोपे गए चार श्रम कोड के खिलाफ विभिन्न मजदूर संगठन, गांव के मजदूरों का संगठन, किसानों का संगठन सड़कों पर उतरेंगे। उन्होंने कहा है कि सरकार को चार श्रम कोड को वापस लेना होगा अन्यथा किसान संगठन अपने आंदोलनों की बदौलत सरकार को इसके लिए बाध्य करेगी।

सोमा मुंडा हत्याकांड के विरोध में मशाल जुलूस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी/रांची। खूंटी जिले में आदिवासी नेता सह पड़हा राजा सोमा मुंडा की हत्या के बाद आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। न्याय की मांग को लेकर विभिन्न आदिवासी संगठनों ने 17 जनवरी को झारखंड बंद का आह्वान किया है। इसी कड़ी में गुरूवार को खूंटी में मशाल जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोगों ने भाग लिया। इस दौरान हाथों में जलती मशाल और नारों के साथ प्रदर्शनकारियों ने सोमा मुंडा को न्याय दिलाने और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। मशाल जुलूस में आदिवासी महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भागीदारी ली।

7 जनवरी को सोमा मुंडा की गोली मारकर की थी हत्या

दरअसल, 7 जनवरी को खूंटी जिले में जमुआहा के पास आदिवासी नेता सोमा मुंडा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद से पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। सोमा मुंडा को एक प्रभावशाली आदिवासी नेता और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जाना जाता था। उनकी हत्या को आदिवासी समाज पर सीधा हमला बताते हुए संगठनों ने इसे सुनियोजित साजिश करार दिया है।

सोमा मुंडा हत्याकांड के विरोध में उबाल

हत्या के बाद ग्रामीणों और आदिवासी संगठनों ने कई बार प्रदर्शन किया। जियारप्पा में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में हजारों आदिवासी शामिल हुए थे, यहां से आंदोलन को और तेज करने का ऐलान किया गया था। आदिवासी संगठनों ने प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि यदि तय समय सीमा तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

पुलिस जांच से संतुष्ट नहीं हैं आदिवासी संगठन

शुक्रवार को निकाले गए मशाल जुलूस के दौरान वक्ताओं ने कहा कि अब तक पुलिस जांच से वे संतुष्ट नहीं हैं। उनका आरोप है कि मामले में ढ़िलाई बरती जा रही है और प्रभावशाली लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। इसी के विरोध में 17 जनवरी को झारखंड बंद का निर्णय लिया गया, ताकि सरकार और प्रशासन पर दबाव बनाया जा सके।

उग्र आंदोलन करने की चेतावनी

आदिवासी संगठनों ने बंद को शांतिपूर्ण रखने की अपील की है लेकिन साथ में चेतावनी भी दी है कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला तो आंदोलन और उग्र होगा।

झारखंड डीजीपी नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का उल्लंघन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार की हालिया डीजीपी नियुक्ति को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का खुला उल्लंघन बताते हुए कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के प्रकाश सिंह बनाम भारत संघ फैसले की अनदेखी करते हुए वरीयता क्रम तोड़कर सेवानिवृत्ति से ठीक एक दिन पहले कनिष्ठ अधिकारी को डीजीपी बना दिया। बाबूलाल मरांडी ने गृह विभाग के उस तर्क को भ्रामक करार दिया, जिसमें कहा गया कि कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर होने से उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि झारखंड कैडर के तीन सबसे वरिष्ठ डीजी रैंक अधिकारी हैं, अनिल पालटा, प्रशांत सिंह और एमएस भाटिया, जो किसी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नहीं हैं। इनकी सेवा अवधि क्रमशः एक, दो और तीन वर्ष शेष है, फिर भी इनसे जूनियर को प्राथमिकता दी गई।

यह नियुक्ति न केवल यूपीएससी पैनल से चयन की प्रक्रिया का उल्लंघन है, बल्कि राज्य सरकार द्वारा स्वयं बनाई गई डीजीपी नियुक्ति नियमावली के वरीयता क्रम का भी पालन नहीं किया गया। मरांडी ने चेतावनी दी कि ऐसी पक्षपातपूर्ण नियुक्ति पुलिस महकमे में भ्रष्टाचार, ट्रांसफर-पोस्टिंग में लेनदेन, वसूली-रंगदारी और फर्जी मुकदमों को बढ़ावा देगी।

उन्होंने पूर्व डीजी अनुराग गुप्ता के उदाहरण का हवाला देते हुए कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने उनकी नियुक्ति के लिए कायदे-कानून ताक पर रख दिए थे। एसीबी और सीआईडी का प्रभार देकर अपने खिलाफ भ्रष्टाचार जांच को प्रभावित करने की कोशिश की गई लेकिन अंततः रातोंरात उन्हें हटाना पड़ा। मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपील की कि संवैधानिक प्रावधानों और कोर्ट निर्देशों का सम्मान करें और इस पक्षपात की समीक्षा कर गलती सुधारें।

फर्जी बेलर पर होगी कार्रवाई : एसएसपी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। फर्जी बेलर पर जेल से बाहर आने वाले अपराधियों के ऊपर पुलिस की पैनी निगाह रहेगी। यही नहीं पिछले एक साल के जेल से बाहर आने वाले अपराधियों के बेलर की जांच भी की जा रही है। ऐसे बेलर पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी प्रभात कुमार ने ऐसे मामलों की जांच के लिए विशेष टीम गठित की है। क्राइम मीटिंग के बाद एसएसपी ने यह जानकारी दी है।

2025 में जेल से बाहर आए अपराधियों की होगी जांचः एसएसपी

एसएसपी ने बताया कि कई अपराधी फर्जी या भाड़े के बेलर बनाकर बेल बॉन्ड भरवाते हैं और जेल से बाहर आ जाते हैं। ऐसे बेलर पैसा लेकर

अपराधियों के लिए जमानतदार बनते हैं, जो कानूनन अपराध है। इस पूरे नेटवर्क के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसएसपी ने यह भी बताया कि वर्ष 2025 तक जेल से बेल पर बाहर आए अपराधियों के मामलों की जांच की जा रही है। इसमें यह देखा जाएगा कि किन-किन लोगों ने बेलर की भूमिका निभाई, बेल किस आधार पर कराई गई और बेल बॉन्ड में कोई फर्जीवाड़ा तो नहीं हुआ।

पांच वर्षों के अपराधियों की तैयार होगी सूचीः एसएसपी

एसएसपी ने यह भी बताया कि बैठक में पिछले पांच वर्षों के दौरान विभिन्न मामलों में शामिल अपराधियों की सूची भी तैयार की गई है। जिनकी संख्या करीब 3400 है। इन सभी अपराधियों के वेरिफिकेशन के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान शुक्रवार 16 जनवरी से 31 जनवरी तक चलेगा और अगले 15 दिनों के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

एसएसपी ने कहा कि वेरिफिकेशन के दौरान तय किया जाएगा कि किन अपराधियों पर निगरानी प्रस्ताव खोला जाए, किन्हें नियमित रूप से थाना में हाजिरी लगानी होगी और किनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई जरूरी है। इस पूरे अभियान की मॉनिटरिंग संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसपी) करेंगे। एसएसपी ने कहा कि 1 फरवरी तक यह प्रोजेक्ट पूरा कर लिया जाएगा, इसके बाद इसकी समीक्षा की जाएगी।

फर्जी बेल पर बाहर आए अपराधियों पर होगी कार्रवाईः एसएसपी

एसएसपी ने यह भी स्पष्ट किया कि बड़ी संख्या में ऐसे अपराधी सामने आए हैं, जो फर्जी बेल या भाड़े के बेलर के जरिए जेल से बाहर आए हैं। ऐसे सभी बेलरों का भी वेरिफिकेशन किया जा रहा है। एसएसपी ने कहा कि अगर कोई बेलर फर्जी या अवैध तरीके से जमानतदार बनता पाया गया, तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिले में संगठित अपराध और अपराधियों के नेटवर्क पर लगातार कार्रवाई जारी है। फर्जी बेलर और बेल के नाम पर हो रहे फर्जीवाड़े को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

तीरंदाजी में झारखंड की प्रिया माहाली ओवरऑल चैंपियन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मणिपुर के खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 14 से 18 जनवरी 2026 तक आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली तीरंदाजी प्रतियोगिता (एसजीएफआई) में झारखंड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन किया है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के नेतृत्व में भाग लेने गई तीरंदाजी और वुशु टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इस प्रतियोगिता के तीसरे दिन तीरंदाजी के इंडियन इंडिविजुअल (ओलंपिक) राउंड 40 मीटर अंडर-19 बालिका वर्ग में झारखंड की प्रिया माहाली ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ प्रिया ने ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव भी हासिल किया। खास बात यह रही कि प्रिया ने इस प्रतियोगिता में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतकर झारखंड के पदक खाते में बड़ी उपलब्धि जोड़ी। उनके सटीक निशाने, धैर्य और तकनीकी कौशल की सराहना

की जा रही है वहीं, खुमान लम्पक स्पोर्ट्स इनडोर स्टेडियम में आयोजित वुशु अंडर-19 बालक वर्ग प्रतियोगिता में भी झारखंड के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। अंडर-52 किलोग्राम भार वर्ग में ध्रुव द्विवेदी, अंडर-60 किलोग्राम में देव कुमार बेड़िया, अंडर-75 किलोग्राम में राज कुमार और अंडर-80 किलोग्राम भार वर्ग में सुप्रित ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर कांस्य पदक सुनिश्चित किए। इस सफलता में कोच और मैनेजर रोहित कुमार, गंगाधर, ललिता लुगुन, प्रवीण बजराई और एचओडी सुशील कच्छप की अहम भूमिका रही। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह, परियोजना निदेशक शशि रंजन सहित शिक्षा विभाग और खेल कोषांग के अधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उद्यमी पुत्र कैरव गांधी के अपहरण मामले में प्रशासन करे कड़ी कार्रवाईः हिदायतुल्लाह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान शुक्रवार को जमशेदपुर दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शहर के उद्यमी देवांग चंद्र गांधी के 25 वर्षीय पुत्र कैरव गांधी के अपहरण मामले में चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन इस मामले में कड़ी कर्रवाई कर दोषियों को सजा दे।उन्होंने कहा कि सरकार के संज्ञान में यह मामला है। अपहरण में शामिल अपराधी जल्द पकड़े जाएंगे।

अल्पसंख्यक स्कूलों की जर्जर स्थिति को लेकर आयोग गंभीर

जमशेदपुर दौरे पर आये राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने बिष्टुपुर स्थित सर्किट हॉउस में समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्यभर के अल्पसंख्यक स्कूलों की जर्जर स्थिति और शिक्षकों की भारी कमी को लेकर उन्होंने गंभीर चिंता जताई। बैठक के

दौरान आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने कहा कि अल्पसंख्यक स्कूलों के भवनों की जर्जर हालत और शिक्षकों की कमी एक गंभीर विषय है, जिसे आयोग ने प्राथमिकता के तौर पर लिया है। शिक्षा विभाग को इस मामले पर जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है।

अल्पसंख्यक स्कूलों में शिक्षकों की कमी होगी दूर

उन्होंने कहा कि अगले तीन महीनों के भीतर जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत और शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। आयोग ने संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश भी दिए हैं, ताकि अल्पसंख्यक स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर और सुरक्षित शैक्षणिक माहौल मिल सके।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या ईएलडी–125–डब्ल्यूसी–ओटी–24–25, दिनांक 14.01.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), पूर्व रेलवे, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नवर्णित कार्य के लिए निविदा सं. ईएलडी–125–डब्ल्यूसी–ओटी–24–25 के प्रतिपक्ष ई–निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं स्थान :** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल की बैण्डेल–कटवा शाखा में दाँईहाट और कटवा जंक्शन स्टेशनों के बीच सुखदेव हाल्ट के निर्माण के संबंध में 25 केवी ओएचई कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु.51,00,747/–, **बयाना राशि/ बोली सुरक्षा जमा की जानी है:** रु. 1,02,000/–, **निविदा प्रपत्र की लागत:** शून्य। **कार्य समाप्ति की अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। **निविदा समापन तिथि और समय:** दिनांक 06.02.2026 को 15.00 बजे। **निविदा का खुलना:** निविदा के बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

HWH-545/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway

@easternrailwayheadquarter

डीएम ने दिया दो हजार रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन का लक्ष्य

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। विद्युत विभाग द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सौर ऊर्जा अग्रदूत सम्मान कार्यक्रम का आयोजन स्थनीय टाउन हॉल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।

विद्युत अधीक्षण अभियंता मनीष कांत द्वारा बताया गया कि उपभोक्ताओं की जागरुकता और संवेदकों के परिश्रम से नालंदा जिले ने रूफटॉप सोलर अधिष्ठापन में पूरे बिहार में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। जिलाधिकारी द्वारा उन 30 उपभोक्ताओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने अपने घरों में सोलर संयंत्र स्थापित कर बिजली बिल को शून्य कर लिया है। सम्मानित उपभोक्ताओं में संदीप कुमार, अनीता देवी, अनिल कुमार, मो. अमियाज जाफरी, सोनी कुमारी, शंभू लाल विश्वकर्मा आदि प्रमुख रहे। साथ ही योजना से जुड़े पांच उत्कृष्ट संवेदकों को भी प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने अपने संबोधन में सौर ऊर्जा को प्रदूषण नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।

उन्होंने छठ पर्व का उल्लेख करते हुए कहा कि सूर्य ऊर्जा का अनंत स्रोत है और आने वाली पीढ़ियों के लिए अक्षय ऊर्जा का विस्तार अनिवार्य है। उन्होंने वर्ष 2030 तक भारत की 50% गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य की जानकारी देते हुए विद्यालयों के छात्रों से अपील की कि वे अपने अभिभावकों को सौर ऊर्जा अपनाने हेतु प्रेरित करें। इस दौरान डीएम ने जिले में वर्ष 2026 में छतों पर सोलर पैनल स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया तथा नालंदा को इस योजना में बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने बैंकर्स से ऋण वितरण प्रक्रियाओं में तेजी लाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

भारत की कुल विद्युत उत्पादन क्षमताः

510 गीगावॉट, सौर ऊर्जा का योगदानः 26%,

बिहार की सौर ऊर्जा क्षमताः 435 मेगावॉट, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत भारत में 21.7 लाख उपभोक्ताओं तक सोलर स्थापना, नालंदा में अब तक 949 उपभोक्ताओं के यहां 3180 किलोवॉट रूफटॉप सोलर स्थापना

नालंदा का चयन एमएनआरई के सिटी एक्सलेरेटेड प्रोग्राम में क्विज प्रतियोगिता और मंच संचालन कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं के बीच क्विज प्रतियोगिता कराई गई और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मंच संचालन विद्युत कार्यपालक अभियंता विकास कुमार ने किया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता (परियोजना), विद्युत अधीक्षण अभियंता तथा जिले के कई पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नालंदा जिले में मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा, एक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा जिले में अवैध हथियार निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एकंगरसराय थाना एवं एसटीएफ की संयुक्त टीम ने थाना क्षेत्र के ग्राम पार्थ में संचालित अवैध मिनी गन फैक्ट्री का सफल उद्भेदन किया है। कार्रवाई के दौरान हथियार बनाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे भारी मात्रा में उपकरण और अर्द्धनिर्मित आग्नेयास्त्रों के पार्ट्स बरामद किए गए हैं। हिलसा डीएसपी 2 ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार को की गई छापेमारी में सुनिल कुमार (48 वर्ष), पिता स्व. शिवनंदन प्रसाद, निवासी ग्राम पार्थ, थाना एकंगरसराय, जिला नालंदा को उसके घर से अवैध रूप से आग्नेयास्त्र निर्माण करते हुए गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने इस संबंध में एकंगरसराय थाना में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने अर्द्धनिर्मित बट, बैरल, ट्रिगर गार्ड, ट्रिगर, 16 गेज चदरा, लोहे के विभिन्न आकारों में तैयार पार्ट्स, हैंड ग्राइंडर मशीन, हैक्सा ब्लेड, नट-बोल्ट, रेती, फ्लैप डिस्क, डाई रिंच, बेंच वाइस सहित कुल 23 तरह के औजार एवं हथियार निर्माण सामग्री बरामद की है। बरामद सामग्री से बड़े पैमाने पर हथियार तैयार किए जाने की आशंका जताई जा रही है। इस कार्रवाई का नेतृत्व थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार झा ने किया। टीम में पुअनि निर्मल सिंह, सअनि सुरेन्द्र महतो शामिल थे।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना क्रमांक ईएलडी–125–डब्ल्यूसी–ओटी–04ए–25, दिनांक 14.01.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), पूर्व रेलवे, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नवर्णित कार्य के लिए निविदा सं. ईएलडी–125–डब्ल्यूसी–ओटी–04ए–25 के प्रतिपक्ष ई–निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं स्थान:** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में दो वर्ष के लिए 8–व्हीलर टावर वैगनों (10 अदद) का व्यापक रखरखाव। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 3,03,81,636/– **बयाना राशि/ बोली सुरक्षा जमा की जानी है:** रु. 3,01,900/–, **निविदा प्रपत्र की लागत:** शून्य। **कार्य समाप्ति की अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 24 (चौबीस) माह। **निविदा समापन तिथि और समय:** दिनांक 05.02.2026 को 15.00 बजे। **निविदा का खुलना:** निविदा के बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

HWH-544/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway

@easternrailwayheadquarter

एआई टूल 'रक्षा' बनेगा झारखंड के बच्चों का सुरक्षा कवच, ट्रैफिकिंग और बाल विवाह पर लगेगी लगाम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में बच्चों की ट्रैफिकिंग, बाल विवाह और ऑनलाइन यौन शोषण जैसे अपराधों से निपटने के लिए अब एक नई और मजबूत तकनीकी से मदद मिलने जा रही है। कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित टूल 'रक्षा' के देशव्यापी लॉन्च से राज्य के बाल सुरक्षा तंत्र को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। खास तौर पर झारखंड जैसे राज्य में, जहां आर्थिक रूप से कमजोर और हाशिये पर रहने वाले परिवारों के बच्चे अक्सर ट्रैफिकिंग गिरोहों के निशाने पर रहते हैं, यह टूल बेहद कारगर साबित हो सकता है।

संवेदनशील परिवारों की हो सकेगी निगरानी

'रक्षा' को बाल अधिकारों के लिए काम करने वाले देश के बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन ने विकसित किया है। यह टूल देशभर के आंकड़ों का अध्ययन कर यह पहचान करने में सक्षम है कि कौन-से इलाके, परिवार और बच्चे ट्रैफिकिंग या बाल विवाह के लिहाज से ज्यादा संवेदनशील हैं। इसके जरिए ट्रैफिकिंग में शामिल गिरोहों, उनके स्रोत और गंतव्य स्थानों की पहचान और निगरानी भी की जा सकती है। झारखंड में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन नेटवर्क के 22 सहयोगी संगठन राज्य के 24 जिलों में काम कर रहे हैं। ऐसे में 'रक्षा' के जरिए जमीनी स्तर पर समय रहते हस्तक्षेप करना और बच्चों को अपराध का शिकार बनने से पहले बचाना आसान होगा। झारखंड उन गिने-चुने राज्यों में शामिल है, जहां पिछले कुछ वर्षों में बच्चों के खिलाफ अपराधों में कमी दर्ज की गई है, लेकिन चुनौती अब भी बनी हुई है।

पुराने मंदिर के जीर्णोद्धार से जुड़े मुद्दे को लेकर विवाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। झारखंड के देवघर जिले में गुरुवार को एक पुराने मंदिर के जीर्णोद्धार से जुड़े मुद्दे को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान दो समुदायों के बीच हुई झड़प में सात लोग घायल हो गए। मामले की जांच की जा रही है। झारखंड के देवघर जिले में गुरुवार को एक पुराने मंदिर के जीर्णोद्धार से जुड़े मुद्दे को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान दो समुदायों के बीच हुई झड़प में कम से कम सात लोग घायल हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना मधुपुर पुलिस थाना क्षेत्र के लालगढ़ मोहल्ले में उस समय हुई, जब एक युवक की कथित तौर पर दूसरे समुदाय मधुपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सत्येंद्र प्रसाद ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। पुलिस की टीमें इलाके में तैनात हैं।उन्होंनेन्हों नेबताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रसाद ने बताया कि मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर बुधवार रात को तनाव उत्पन्न हो गया था।

शराब कारोबारियों ने किया पुलिस टीम को घेर कर हमला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा। जिले में अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ छापेमारी करने गई सारण पुलिस की टीम पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पानापुर थाना में पदस्थापित सब-इंस्पेक्टर (एसआई) गुंजन कुमार समेत चार पुलिसकर्मी इस हमले में घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सारण जिले के पानापुर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गंडक नदी के दियारा क्षेत्र अंतर्गत मुड़वा गांव में अवैध शराब की बिक्री हो रही है और बड़ी संख्या में लोग वहां शराब पीने के लिए एकत्रित हैं। सूचना के आधार पर एसआई गुंजन कुमार के

☐एएसआई समेत चार पुलिसकर्मी जख्मी ☐ शराब बिक्री की सूचना पर पहुंची थी टीम ☐25 नामजद और दर्जनों अज्ञात पर प्राथमिकी ☐सभी घायलों को किया गया सदर अस्पताल रेफर

नेतृत्व में पुलिस टीम देर रात छापेमारी के लिए गांव पहुंची।

पुलिस के पहुंचते ही शराब कारोबारियों और शराबियों में अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान आरोपियों ने चोर-चोर का शोर मचाकर ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस टीम को घेर लिया और ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग भी लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंच गए, जिससे स्थिति और अधिक बिगड़ गई। हालात बेकाबू होते देख पुलिस टीम को किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से निकलना पड़ा। इस हमले में एसआई गुंजन कुमार के अलावा पुलिसकर्मी उपेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार तथा चौकीदार राजेश मांझी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार पानापुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया, जहां से एसआई गुंजन कुमार की हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पुलिस टीम पर हमले की इस घटना के बाद पानापुर थाना पुलिस ने 25 नामजद और दर्जनों अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

गौरतलब है कि सारण जिला लंबे समय से शराब माफियाओं और संगठित अपराधियों के निशाने पर रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, बीते दो वर्षों में शराब और बालू माफियाओं द्वारा पुलिस टीम पर छोटे-बड़े लगभग सौ से अधिक हमले किए जा चुके हैं। वर्ष 2023, 2024 और 2025 के दौरान 11 बड़े हमले दर्ज किए गए हैं, जिनमें दो मामलों में पुलिस पर फायरिंग भी हुई थी। उल्लेखनीय है कि पानापुर थाना क्षेत्र गंडक नदी का दियारा इलाका होने के कारण यहां अपराधियों और शराब माफियाओं का संगठित नेटवर्क सक्रिय है। दुर्गम भौगोलिक स्थिति और अपराधियों का मजबूत नेटवर्क पुलिस के लिए लगातार बड़ी चुनौती बना हुआ है।

पुलिस कैंप के बीच लाश मिलने से हड़कंप की स्थिति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। खानपुर थाना क्षेत्र में जहां एक ओर पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार कैंप कर विधि-व्यवस्था बनाए रखने का दावा किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर शादीपुर पुल के नीचे एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे।

मृतक की पहचान रवि कुमार भारती के रूप में की गई है, जो बेगूसराय जिला के बीरपुर थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। शव मिलने की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई और तरह-तरह की चचाएं होने लगी। स्थानीय लोगों का

पुलिस प्रशासन पर उठे सवाल

कहना है कि जिस इलाके में शव मिला है, वहां पुलिस का कैंप लगा हुआ है और नियमित गश्ती की बात कही जा रही है। इसके बावजूद इस तरह की घटना होना पुलिस की सतर्कता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। लोगों ने आशंका जताई है कि युवक की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। सूचना मिलने पर खानपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है इस घटना के बाद शादीपुर पुल और हथौड़ी-रोसड़ा मुख्य सड़क पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अब देखना यह होगा कि पुलिस प्रशासन इस मामले में कितनी तेजी और पारदर्शिता से कार्रवाई करता है, ताकि मृतक के परिजनों को न्याय मिल सके और क्षेत्र में फैले भय का माहौल खत्म हो।

खेल रहा मासूम लापता, कुएं से मिली लाश

तरह-तरह के लग रहे कयास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बाढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटकी जमुनीचक गांव में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। यहां रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुए एक 5 वर्षीय बच्चे का शव घर के पीछे स्थित कुएं से बरामद हुआ।

मृतक की पहचान अनिल साव के सबसे छोटे पुत्र टापू कुमार (5 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, बच्चा घर के आसपास खेल रहा था, तभी अचानक वह गायब हो गया। काफी देर तक जब वह नजर नहीं आया, तो परिजनों और ग्रामीणों ने उसकी खोजबीन शुरू की। तलाश के दौरान घर से करीब 500 मीटर पीछे खेत में स्थित एक कुएं के पास बच्चे की चप्पल दिखाई दी।

अनहोनी की आशंका पर ग्रामीणों ने सीढ़ी लगाकर कुएं के अंदर तलाश की, तो बच्चा पानी में डूबा मिला। ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला और आनन-फानन में इलाज के लिए बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के वक्त मृतक के पिता अनिल साव, जो पेशे से मजदूर हैं, बाजार गए हुए थे। उन्होंने बताया कि उन्हें फोन पर बच्चे के लापता होने की सूचना मिली।

वे भागते हुए घर पहुंचे, लेकिन सूचना मिलने के करीब एक घंटे बाद बच्चे का शव कुएं से बरामद हुआ। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। होनहार बेटे की असमय मौत से माता-पिता सदमे में हैं।

स्थापना दिवस की तैयारी को ले बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जनेश्वर विकास केंद्र, महोत्सव परिवार, एवं कला कौशल मंच के तत्वाधान में शहर के अधिवक्ता संघ सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक के अध्यक्षता रामजी सिंह ने की। महोत्सव पुरुष सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बैठक को संचालन करते हुए बताया कि यह बैठक 23 जनवरी को औरंगाबाद जिले के स्थापना दिवस के तैयारी को लेकर बुलाई गई है।

उन्होंने बताया कि जिला स्थापना दिवस के अवसर पर इस बार तीन दिवसीय जिला महोत्सव आयोजित किए जाएंगे। जिसकी शुरूआत 22 जनवरी को जिले के स्थानीय स्कूली बच्चों के साथ महाराणा प्रताप चौक से जिले के विकास पर विकास यात्रा निकाली जाएगी। विकास यात्रा में स्थानीय स्कूली बच्चे, सभी बुद्धिजीवी वर्ग, जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। यात्रा का समापन रमेश चौक राज नारायण सिंह पार्क में होगा। दोपहर 1 बजे से स्थानीय स्कूली बच्चों का बौद्धिक एवं शारीरिक प्रतियोगिता, 2:30 बजे से जिला महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागी बच्चों का ऑडिशन लिया जाएगा।उन्होंने बताया कि 23 जनवरी को 11:00 बजे दिन से साहित्यकारों एवं प्रबुद्ध जनों की संगोष्ठी, 54 साल जिले का हाल नेताजी सुभाष चंद्र बोस और औरंगाबाद के विकास पर। विभिन्न क्षेत्रों में अपने प्रतिभा से जिला के नाम

रोशन करने वाले लोगों को औरंगाबाद रत्न से सम्मानित किया जाएगा। 2:30 बजे से शहर के इनडोर स्टेडियम खेल परिसर में कुश्ती दंगल प्रतियोगिता आयोजित होगा।

इसी तरह 24 जनवरी को 11 बजे से जूनियर बच्चों के बीच सांस्कृतिक प्रतियोगिता, 1:00 बजे से 5:00 तक सीनियर बच्चों का सांस्कृतिक प्रतियोगिता, 5:00 से सफल प्रतिभागियों को एवं महोत्सव के सक्रिय सदस्यों का सम्मान समारोह के संध्या 6:00 बजे से जिले के नामचिन कलाकारों का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा। मंच के अध्यक्ष आदित्य श्रीवास्तव ने बताया कि जिला महोत्सव के तैयारी में लोग लगे हैं। ऐसे आयोजनों से जिले के प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, ऐसे कई उदाहरण है कि औरंगाबाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिभाशाली बच्चे अपने प्रतिभा के माध्यम से प्रदेश से देश स्तर तक जिले का गौरव बढ़ाया है।

विदित हो कि 1973 को 23 जनवरी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के दिन औरंगाबाद को जिला का मान्यता मिला था, तब से यह संस्था जिले का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाते आ रही है। मौके पर कुश्ती संघ के जिला सचिव उदय तिवारी, संतोष सिंह, शिवम कुमार, रामाश्रय पांडे, बृजेश सिंह, शामिल थे।

एक जमीन एक दाम को ले रैयतों का प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रक्सौल। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र में प्रस्तावित एयरपोर्ट परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि के मुआवजे की राशि में असमानता को लेकर शुक्रवार को किसानों और ग्रामीणों ने एयरपोर्ट रोड पर प्रदर्शन किया। किसानों ने एक जमीन-एक दाम की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन का नेतृत्व समाजसेवी सह अधिवक्ता उमेश प्रसाद चौरसिया ने किया।

प्रदर्शन में भूस्वामी अरविंद यादव, साधु साह, शशिकांत कुमार, धनीलाल दास, पन्नालाल पंडित, अंचल कुमार, मुकेश दास, महेंद्र शाह, हरिंदर साह, दिलीप सिंह, लक्षण देव, महत्त्व किशन देव महतो, विष्णु देव महतो, पवन साह, बलदेव साह, शत्रुघ्न साह, मुन्नी साह, कन्हैया साह, रामस्वरूप साह सहित अन्य किसानों ने भाग लिया। किसानों का कहना था कि जब सभी अधिग्रहित भूमि खेतिहर है, तो फिर मूल्यांकन में प्रशासन द्वारा भेदभाव क्यों किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर मुआवजा दरों में समानता की मांग की। किसानों ने बताया कि एयरपोर्ट परियोजना के तहत लगभग छह मौजा की भूमि अधिग्रहित की गई है, लेकिन सरकार द्वारा निर्धारित मुआवजे की दरों में भारी अंतर है। जानकारी के अनुसार, एकडेरवा मौजा की भूमि का मुआवजा लगभग 17 लाख रुपये प्रति एकड़ तय किया गया है, जबकि भरतमही मौजा में यह मात्र 5 लाख रुपये प्रति एकड़ है। वहीं सिसवा और चंदुली मौजा में 11 लाख रुपये प्रति एकड़ तथा चिकनी और सिंहपुर मौजा में 17 लाख रुपये प्रति एकड़ मुआवजा निर्धारित किया गया है।

उमेश प्रसाद चौरसिया ने आरोप लगाया कि यह किसानों के साथ सीधा अन्याय और भेदभाव है। उन्होंने कहा कि सभी मौजों की भूमि की प्रकृति, उपयोग और स्थिति लगभग समान है, इसके बावजूद अलग-अलग दरें तय की गई हैं।

बैठक में शिक्षा, संस्कार व स्वावलंबन पर दिया गया जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। मकर संक्रांति के उपरांत विश्व यादव परिषद की जिला इकाई के शिष्ट मंडल की एक बैठक नागा बिगहा में डॉक्टर संतोष कुमार यादव के आवास पर आयोजित की गई, जिसमें कई अहम बिंदुओं पर चर्चा के साथ समाज को एक नई सोच और सही दिशा देने हेतु भगीरथ प्रयास करने पर जोर दिया गया। संगठन के जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह विश्व यादव परिषद के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज की शक्ति और वैभव का आधार एक संगठित व्यक्ति होता है। हमें उस सामाजिक चेतना और आधार की परिकल्पना करनी है जहां से युवा पीढ़ी के लिए शिक्षा , संस्कार, समर्पण , खेल,अनुशासन,सेवा भाव और देश भक्ति को विकसित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि ऐसे साधारण अभ्यासों से नियमित समाज में दिखने वाले अभाव ,पीड़ा ,उपेक्षा , उपहास ,विरोध जैसे वातावरण से बाहर हो सकेंगे । स्वास्थ्य , शिक्षा, संस्कार और स्वावलंबन के विषयों पर ग्रामीण या शहरी क्षेत्रों के लिए एक सच्चा सेवक बनने के लिए आह्वान किया । डॉक्टर संतोष कुमार यादव ने कहा कि प्रकृति और सृष्टि सम्पूर्ण जीव जगत की रक्षक होती है ।जीवन के बढ़ते प्रभाव के कारण प्रकृति का शोषण हो रहा है ।उस बिगड़ते संतुलन को ठीक करने के प्रयास में परिषद की ओर से जनसहभाग बढ़ाकर पर्यावरण के बारे

में जागृति और सक्रियता लाने का प्रयास किया जा सकता है। लवलेश यादव और सिद्धेश्वर यादव ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि न्यूनतम तीन आयामों जैसे पानी संग्रह हेतु तालाब, स्वच्छ भारत हेतु स्वच्छता और हरियाली हेतु वृक्ष लगाने की प्रक्रिया विकसित हो ,जिससे मानवीयता की वृद्धि होगी और पर्यावरण में सुधार होगा । सामाजिक परिवर्तन पर चर्चा करते हुए रामजन्म यादव एवं रघुनंदन यादव ने कहा कि घर से शुरू होने वाला प्रयास ही समाज को परिवर्तित करता है। परिषद के शिष्टमंडल ने अपनी नीतिगत बातों से कहा कि हम किसी भी परिस्थिति में ,चाहे भड़काऊ बातें हो भी गई हो तो गैरकानूनी आचरण नहीं करते हुए सभी परिस्थितियों में उदारता के साथ संविधान ,नियम ,अनुशासन का पालन से सशक्त समाज का निर्माण कर सकेंगे।

सदस्यता अभियान की बढ़ी तिथि

पटना। जदयू अपने सदस्यता अभियान को 15 दिनों का अवधि विस्तार देने की तैयारी में है। मालूम हो कि एक करोड़ लोगों को पार्टी का सदस्य बनाने के अभियान के तहत जदयू का महाअभियान 14 जनवरी को खत्म हो चुका है। जिलों से सदस्यता अभियान से जुड़ी रसीदों का आधा हिस्सा जदयू प्रदेश कार्यालय पहुंचना आरंभ हो गया है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को बताया कि सभी स्तर जदयू के सदस्यता अभियान को बड़ी सफलता मिली है। बीच में लगभग 10 दिनों तक शीतलहर की वजह से बहुत से लोगों की सक्रियता थोड़ी कम रही। इस वजह यह मांग हो रही कि 31 जनवरी तक सदस्यता अभियान को विस्तार दिया जाए। इस बारे में पार्टी के शीर्ष स्तर से सहमति ली जा रही। एक-दो दिनों में इस पर निर्णय हो जाएगा। जदयू की योजना यह थी कि सदस्यता अभियान के खत्म होने के तुरंत बाद संगठन के चुनाव का काम आरंभ कर दिया जाए। पर अगर 31 जनवरी तक सदस्यता अभियान चलता है तो फिर फरवरी में संगठनात्मक चुनाव संभव नहीं हो पाएगा।

13वीं को गंगा स्नान करने जा रहे एक परिवार की गाड़ी पलटी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। धार्मिक आस्था की यात्रा एक परिवार के लिए असहनीय पीड़ा में बदल गई, जब शुक्रवार को चंडी-दस्तूरपर फोरलेन के समीप एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। गंगा स्नान के लिए निकले नवादा जिले के रवीओ गांव के एक ही परिवार की गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 55 वर्षीय शीला देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब दो दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

परिजन विजय कुमार ने बताया कि पूरा परिवार उनके ससुर देवेंद्र प्रसाद की तेरहवीं के बाद गंगा स्नान के लिए फतुहा जा रहा था। विडंबना यह है कि देवेंद्र प्रसाद की मौत भी हाल ही में कोलकाता में सड़क दुर्घटना में हुई थी। गुरुवार को तेरहवीं संपन्न हुई और अगले ही

☐एक की मौत, लगभग दो दर्जन जख्मी ☐सभी फतुहा जा रहे थे गंगा स्नान करने

दिन परिवार को एक और दुखद हादसे का सामना करना पड़ा।

दस्तूरपर मोड़ के पास हुई इस दुर्घटना के बारे में प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक अज्ञात वाहन ने अचानक गाड़ी का रास्ता रोक दिया, जिससे चालक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन पलट गया। मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग तुरंत बचाव कार्य में जुट गए।

घायलों में योगेंद्र कुमार, रवि कुमार, रोहित कुमार, कुसुम देवी और सुमन देवी की हालत गंभीर बताई जा रही है। इसके अलावा बिंदु देवी, बबलू कुमार, दामोदर कुमार, नीलम देवी, प्रियांशु कुमार, प्रीतम कुमार, कुसुम कुमारी, सोनाली कुमारी, मिंटा देवी, रिकू देवी, सोना देवी, राखी कुमारी, गोलू कुमार और कुंदन कुमार भी गंभीर रूप से जख्मी हैं। सभी घायलों को तत्काल चंडी रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। शीला देवी के शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेजा गया।

चंडी थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। अज्ञात वाहन की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है और आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

यात्री सुविधाओं का अभाव

बेगूसराय। बछवाड़ा जंक्शन का विस्तार और सुंदरीकरण तो कर दिया गया है, लेकिन यात्री सुविधाओं की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है। प्रतिदिन हजारों यात्री जंक्शन से विभिन्न जिलों एवं राज्यों के लिए आवागमन करते हैं, इसके बावजूद यहां मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव है। यात्रियों को स्वच्छ पेयजल, शौचालय, विश्राम कक्ष और पर्याप्त टिकट काउंटर की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

स्टेशन के पश्चिमी ओबी पर स्थित टिकट काउंटर लंबे समय से बंद है, जिससे यात्रियों को प्लेटफार्म संख्या एक पर पुल पार कर टिकट लेना पड़ता है। खासकर वृद्ध और दिव्यांग यात्रियों के लिए यह प्रक्रिया काफी कष्टदायक साबित हो रही है।

दिन दहाड़े मां से बच्चा छीनने की कोशिश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखंड में हाल के दिनों में बच्चा चोरी की घटनाओं से उपजे डर के बीच गुरुवार को धनबाद जिले के बाघमारा थाना क्षेत्र के इंदिरा चौक बस स्टैंड पर दिनदहाड़े एक गंभीर घटना सामने आई। यहां एक 9 वर्षीय बच्चे को उसकी मां से जबरन छीनने की कोशिश की गई, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक संदिग्ध महिला अचानक बच्चे को अपना बेटा बताकर उसकी असली मां से छीनने लगी। महिला भीड़ को गुमराह करते हुए खुद को बच्चे की मां बताती रही। इस दौरान दोनों महिलाओं के बीच कहासुनी और धक्का-मुक्की हुई, जिसे देखकर आसपास मौजूद लोग हैरान रह गए।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों महिलाओं के साथ बच्चे को बाघमारा थाना ले आई। इसके बाद मामले की जांच शुरू की गई। बच्चे की मां रेवती देवी के परिजन भी थाना पहुंचे। रेवती देवी ने अपने बेटे रियौन राज के आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र समेत अन्य कागजात पुलिस को सौंपे। दस्तावेजों की जांच के बाद पुलिस ने बच्चे को उसकी असली मां को सौंप दिया।रेवती देवी ने बताया कि उनका ससुराल जोड़ापोखर में है और वे अपने मायके बोकारो जिले के करमाटांड़ जा रही थीं। जोड़ापोखर से खानूडीह स्टेशन पहुंचने के बाद वे बाघमारा बस स्टैंड से ऑटो में बेटे के साथ सवार हुई थीं। इसी दौरान एक महिला उनके बेटे को जबरन ले जाने लगी और गाली-गलौज करते हुए धक्का देने लगी।

9 वर्षीय रियौन राज ने बताया कि वह मां के साथ मामा घर जा रहा था, तभी एक महिला अचानक उसे जबरन ले जाने लगी। इस घटना से वह काफी डर गया था और रोने लगा। बाघमारा थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। आवश्यक दस्तावेज मिलने के बाद बच्चे को मां को सौंप दिया गया है। संदिग्ध महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सारण। कृषि विज्ञान केन्द्र, माँझी में 2 से 16 जनवरी तक खाद के लाइसेंस के लिए आयोजित पंद्रह दिवसीय समेकित पोषक तत्व प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन आज शुक्रवार को किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के कुल पंद्रह प्रखण्ड के 40 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

15 दिनों से चल रहे इस कार्यक्रम मे प्रशिक्षणार्थियों को पोषक तत्व से संबंधित विषय पर विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के वैज्ञानिकों के साथ ही सारण जिले के कृषि से संबंधित पदाधिकारियों के द्वारा प्रशिक्षण के अलावे एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। समापन अवसर पर 40 प्रशिक्षणार्थियों को सर्टिफिकेट का वितरण किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र, माँझी के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र चंदोला ने कहा कि पोषक तत्व प्रबंधन स्थाई पद्धति है जो पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की आपूर्ति को मिट्टी और फसल की आवश्यकताओं के साथ संतुलित करती है ताकि उत्पादन बढ़ाया जा सके, और पर्यावरण की रक्षा हो सके। उन्होंने आगे बताया कि इसमें जैविक और रसायनिक उर्वरकों, खाद, हरी खाद और जैव उर्वरकों का एकीकृत उपयोग शामिल है, जो मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने, फसल की गुणवत्ता और पैदावार में सुधार करने के साथ साथ पर्यावरण प्रदूषण को भी कम करने में मदद करता है।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से अनुरोध किया कि यहाँ से सीखे ज्ञान से वह बाकी किसानों को भी जागरूक करें और पर्यावरण में संतुलन बनाए रखे हैं ताकि आने वाली पीढ़ी भी हमारे प्राकृतिक संसाधनों का अच्छी तरीके से उपयोग

कर सके। कृषि अभियांत्रिकी विशेषज्ञ डॉ. सुषमा टम्टा ने समेकित शब्द का अर्थ विस्तार से समझाते हुए बताया कि पोषक तत्व प्रबंधन में जैविक, रसायनिक और स्थानीय संसाधनों का संतुलित उपयोग ही खेती को टिकाऊ बना सकता है। डॉ. विजय कुमार ने बताया कि एक मुट्ठी मिट्टी में लाखों सूक्ष्म जीवाणु पाए जाते हैं जिनको हमें संरक्षित करना बहुत ही जरूरी है तथा वो कम जुदाई तथा फसलों की सीधी बुआई द्वारा किया जा सकता है साथ ही मिट्टी की जाँच पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

प्रखंड कृषि पदाधिकारी चूल्हन राम ने सभी को खाद के दुकान के लिए लाइसेंस के पूरी प्रकिया के बारे में विस्तृत में बताया। कार्यक्रम के अंत में शामिल प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वो भी किसानों को रासायनिक खादों का समेकित उपयोग करने एवं जैविक उर्वरकों का उपयोग बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। कृषि विज्ञान केन्द्र, मांझी से अमितेश कुमार गौरव, रामा रंजन, राकेश कुमार, उमाशंकर कुमार , अवनीश पांडेय, संतोष कुमार ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया।

इनामी मोस्ट वांटेड ने किया सरेंडर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर पुलिस के बढ़ती दबिश के बाद मोस्ट वांटेड दीपक पांडेय ने शुक्रवार को रोहतास जिले के डेहरी कोर्ट में सरेंडर कर दिया। सरेंडर करने वाला वांछित दीपक पांडेय मूल रूप से तरारी थाना के भकुरा गांव का निवासी है। भोजपुर और रोहतास पुलिस को मिथुन, हर्षित व योगेन्द्र हत्याकांड समेत आधा दर्जन से अधिक कांडों में तलाश थी।

उसके आपराधिक इतिहास को देखते हुए वर्ष 2025 में उसके विरुद्ध दो लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। सात नवंबर वर्ष 2019 को रोहतास के दरिहट थाना क्षेत्र में ईट- भट्ठा के समीप घटित निकू सिंह को गोली मारे जाने की घटना से जुड़े केस में आत्मसमर्पण किए जाने की बात सामने आ रही है।

करीब दस सालों से पुलिस को तलाश थी। वांटेड ने सरेंडर करने से पहले वीडियो संदेश भी जारी किया है। इधर, भोजपुर एसपी राज ने इनामी के सरेंडर किए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने सभी कांडों में रिमांड कराए जाने की बात कही है। उसके सरेंडर से पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली है।एसपी के अनुसार, दीपक पांडेय पर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में संगीन आपराधिक मामले दर्ज थे। वह नवादा, सिकरहटा, सहार व चांदी थाना क्षेत्र में घटित जघन्य हत्या व अवैध हथियार समेत कई गंभीर कांडों में वांछित था। उसकी गिरफ्तारी के लिए भोजपुर पुलिस द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही थी, लेकिन वह पुलिस को लंबे समय तक चकमा देता रहा था।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, लगातार दबाव, संभावित गिरफ्तारी और कानूनी शिकंजा कसते जाने के कारण आखिरकार दीपक पांडेय ने न्यायालय में आत्मसमर्पण का रास्ता चुना। सरेंडर के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मालूम हो 27 नवंबर कि 2025 को नवादा थाना पुलिस ने चर्चित मिथुन हत्याकांड के मामले में फरार तरारी थाना क्षेत्र के भकुरा गांव निवासी इनामी दीपक पांडेय के घर कुर्की-जब्ती की थी । पुलिस ने घर से टेबल, कुर्सी , चौकी समेत अन्य सामानों को जब्त किया था।

27 सितंबर वर्ष 2020 को नवादा थाना क्षेत्र के जगदेव नगर स्थित दुर्गा मंदिर के समीप प्रापर्टी डीलर उपेंद्र सिंह उर्फ मिथुन सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जबकि उस दौरान उनके दोस्त जदयू नेता प्रिंस सिंह बजरंगी गोली लगने से जख्मी हो गए थे। इसके बाद मृतक मिथुन सिंह के पिता सीताराम सिंह द्वारा नवादा थाना में दीपक पांडेय समेत अन्य के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इस हत्याकांड में दीपक पांडेय व एक अन्य आरोपित अभी फरार चल रहे थे।

जेल से मांगी रंगदारी

नवगछिया। ढोलबज्जा के व्यवसायियों को छोटुवा यादव का जेल से पैगाम आया कि 15 जनवरी तक पांच लाख दो, नहीं तो अंजाम भुगतो। कपड़ा व्यवसायी अशफाक ने कहा कि आज अंतिम दिन था, पैसा कहां से देंगे। पुलिस के पास गए तो कुछ नहीं किया। किसी भी समय हमलोगों की हत्या हो जाएगी। इस दहशत से लोगों में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि, राहुल यादव छोटूआ का दाहिना हाथ है। छोटू यादव ने बीते सितंबर में नवगछिया के नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सह वार्ड पार्षद टीएन यादव से 20 लाख रंगदारी मांगा था। रंगदारी नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी थी।

'जल सुरक्षित तो राष्ट्र सुरक्षित' वाटरशेड महोत्सव से जल संरक्षण का संदेश

जल संरक्षण जीवन और विकास का मूल आधार : राम कृपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव द्वारा बामेती, पटना से राज्य स्तरीय जलछाजन विकास घटक-प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत बिहार वाटरशेड महोत्सव 2026 का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नर्मदेश्वर लाल, प्रधान सचिव, कृषि विभाग, बिहार ने किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्री द्वारा पौधारोपन किया गया। योजनाओं के लाभुक महिलाओं के द्वारा जल कलश यात्रा निकाला गया। वाटरशेड योजना के अंतर्गत 42 विकासात्मक कार्यों का शिलान्यास एवं 61 कार्यों का लोकार्पण किया गया। साथ ही योजना की उपलब्धियों और प्रेरणादायी अनुभवों को समाहित करती 'सफलता की कहानियां' पुस्तक का विमोचन किया गया तथा वाटरशेड से जुड़े कार्यों, नवाचारों और प्रभावों को दर्शाने वाले सूचनात्मक वीडियो का प्रदर्शन भी किया गया। कृषि विभाग की भूमि संरक्षण से संबंधित विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित प्रगतिशील किसानों ने इस कार्यक्रम के दौरान मंच से अपने अनुभव साझा किए तथा योजनाओं के सकारात्मक प्रभावों और उनसे हुए लाभों की जानकारी उपस्थित जनसमूह के साथ साझा की। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने राज्यस्तरीय वाटरशेड महोत्सव-2026 को संबोधित करते हुए जल संरक्षण को जीवन और विकास का मूल आधार बताया। अपने संबोधन की शुरुआत उन्होंने रहीमदास जी के प्रसिद्ध दोहे 'रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून.....' से करते हुए कहा कि पानी ही जीवन है। इसके बिना मानव, प्रकृति और सभ्यता का अस्तित्व संभव नहीं है। मंत्री ने कहा कि भारत नदियों का देश है और बिहार नदियों का राज्य। हमारी सांस्कृतिक परंपरा में नदी, तालाब, कुआं, पेड़ और धरती को पूजनीय माना गया है। पंचतत्व-पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश पर आधारित यह दर्शन बताता है कि प्रकृति की रक्षा ही हमारी सांस्कृतिक विरासत है। जल संचयन, जल संरक्षण और भूमि संरक्षण सदियों से हमारी जीवनशैली का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में कृषि विभाग के भूमि संरक्षण निदेशालय द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटरशेड डेवलपमेंट कंपोनेंट 2.0 के तहत दक्षिण बिहार के 17 जिलों एवं उत्तर बिहार के बेगूसराय को मिलाकार कुल 18 वर्षा-आश्रित जिलों में 35 परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस पंचवर्षीय योजना के लिए भारत सरकार द्वारा 440 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके अंतर्गत 496 हेक्टेयर में पौधारोपण, 282 पक्के चेक डैम, 62 खेत तालाब, 361 जल संचयन तालाब, 756 आहर-पइन का जीर्णोद्धार तथा 344 कुओं का निर्माण/जीर्णोद्धार किया गया है। नये वित्तीय वर्ष में पीएमकेएसवाई 3.0 की शुरूआत होगी। मंत्री ने कहा कि बिहार में लगभग 9 लाख हेक्टेयर भूमि भू-क्षरण से प्रभावित है। इसे रोकने के लिए जल-जीवन-हरियाली मिशन के माध्यम से तालाबों, आहर-पइन की उड़ाही, सौंदर्यीकरण, पौधारोपण और जलस्रोतों को अतिक्रमण मुक्त किया गया है। गंगा जल को पाइपलाइन से नालंदा, राजगीर, गया और नवादा तक पहुंचाना जल प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने बताया कि भारत में विश्व का लगभग 4 प्रतिशत शुद्ध जल उपलब्ध है जिसमें से 80 प्रतिशत जल का उपयोग कृषि में होता है। इसलिए कृषि के लिए जल का वैज्ञानिक प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। प्रधानमंत्री के 'फोर-आर' रिड्यूस, रीयूज, रिचार्ज और रिसाइकल और 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप' अभियान से जल संरक्षण को नई दिशा मिली है। मंत्री ने युवाओं और जीविका दीदियों से आह्वान किया कि वे जनभागीदारी के माध्यम से जल संचयन और संरक्षण को जनांदोलन बनाएं। उन्होंने कहा 'जल सुरक्षित तो राष्ट्र सुरक्षित।' प्रधान सचिव, कृषि विभाग नर्मदेश्वर लाल ने अपने संबोधन में कहा कि मानव जीवन में भूमि की भूमिका जन्म से लेकर मृत्यु तक अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने मृदा की ऊपरी परत को हमारी अमूल्य पूंजी बताते हुए इसके संरक्षण की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

विधान सभा अध्यक्ष ने किया बिहार विधान सभा सचिवालय की डायरी और कैलेंडर का विमोचन

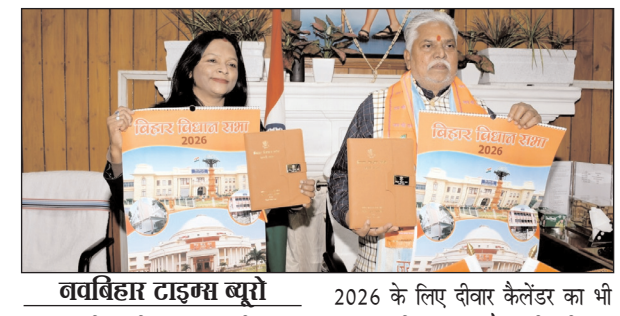

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा सचिवालय की ओर से वर्ष 2026 के लिए प्रकाशित बिहार विधान सभा डायरी, मेज कैलेंडर और दीवार कैलेंडर का विमोचन 16 जनवरी 2026 को किया गया। विमोचन कार्यक्रम विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार के कार्यालय कक्ष में आयोजित हुआ। इस अवसर पर विधान सभा से जुड़े प्रकाशनों को औपचारिक रूप से जारी किया गया। विमोचन के दौरान डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह पहला अवसर है जब बिहार विधान सभा सचिवालय द्वारा विधान सभा सदस्यों के उपयोग के लिए मेज कैलेंडर का प्रकाशन किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही विधान सभा डायरी को भी नए स्वरूप में प्रकाशित किया गया है। साथ ही वर्ष 2026 के लिए दीवार कैलेंडर का भी प्रकाशन किया गया है। ताकि विधान सभा से संबंधित आवश्यक जानकारियां सदस्यों और संबंधित कर्मियों को एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि इस बार प्रकाशित विधान सभा डायरी में कई अहम बदलाव किए गए हैं। इन बदलावों का उद्देश्य यह है कि विधान सभा के सदस्यों को अपने दायित्वों के निर्वहन में सुविधा मिले और आवश्यक सूचनाएं अधिक व्यवस्थित रूप में उपलब्ध हों। नई डायरी में विधान सभा की कार्यप्रणाली, नियमों और उपयोगी जानकारियों को सरल ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर बिहार विधान सभा की प्रभारी सचिव ख्याति सिंह और संयुक्त निदेशक संजय कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

सादगी, समानता और सौहार्द का प्रतीक मकर संक्रांति पर्व : नितिन नवीन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा अपने आवास पर पारंपरिक दही-चूड़ा भोज का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, कई मंत्रीगण एवं सांसद समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम में उल्लास, परंपरा और आपसी सौहार्द का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ने उपस्थित सभी लोगों को मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। दही-चूड़ा भोज बिहार और पूर्वांचल की एक विशिष्ट परंपरा है जो सादगी, समानता और आपसी भाईचारे का संदेश देती है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ऐसे पारंपरिक आयोजनों से समाज में आपसी जुड़ाव मजबूत होता है और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का अवसर मिलता है। भाजपा सदैव भारतीय संस्कृति, परंपरा और त्योहारों के संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध रही है। मकर संक्रांति का यह पर्व हमें परिश्रम, सकारात्मकता और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि सूर्य के उत्तरायण होने का यह पर्व जीवन में नई ऊर्जा और नई दिशा का संकेत देता है। उन्होंने कामना की कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और सफलता लेकर आए। साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करें। दही-चूड़ा भोज के दौरान सभी अतिथियों ने पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में लोक-संस्कृति की झलक भी देखने को मिली जिससे माहौल और अधिक उत्सवमय हो गया।

बिहार के उद्यमियों को मिला राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद से जुड़ने का मंच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत सरकार के गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस (जेम) द्वारा आयोजित जेम एक्सिलेंस इवेंट दशरथ मांझी श्रम कौशल विकास केंद्र, पटना में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस एकदिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य बिहार के सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों, महिला उद्यमियों, एससी/एसटी उद्यमियों, स्टार्टअप्स, कारीगरों और बुनकरों को राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद प्रणाली से जोड़ने के साथ-साथ, उन्हें जेम के माध्यम से नए अवसरों तक पहुंच दिलाकर उनके कारोबार को बढ़ाने और विस्तार देने में सहायता करना रहा। कार्यक्रम में बिहार सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी, सरकारी खरीदार, विक्रेता, उद्यमी एवं जेम के वरिष्ठ अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में जेम के निदेशक अमरदीप गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र के दौरान बिहार में जेम के माध्यम से सार्वजनिक खरीद की प्रगति, राज्य के प्रमुख विभागों की सहभागिता तथा विक्रेताओं के बढ़ते नेटवर्क पर संक्षिप्त जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर अजिताभ कुमार, अतिरिक्त महानिदेशक (प्रावधान), बिहार तथा रचना पाटिल, सचिव, वित्त विभाग (व्यय), बिहार सरकार, सुधीर कुमार पोरिका, डीआईजी, फायर सर्विस, सुनील कुमार, निदेशक, युवा रोजगार एवं कौशल विकास भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मिहिर कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जेम ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में बिहार के विक्रेताओं के लिए 'जेम सेलर संवाद' भी आयोजित किया गया। इसमें अजीत बी. चव्हाण, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जेम ने विक्रेताओं से बात की और उनकी समस्याएं, सुझाव और अनुभव सुने।

महिलाएं बड़ी संख्या में स्टार्टअप क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहीं : विजय प्रकाश

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर एआइसी बिहार विद्यापीठ में उद्यमोत्सव-2026 का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर शुक्रवार को एआईसी बिहार विद्यापीठ द्वारा आयोजित 'उद्यमोत्सव-2026' एआईसी बिहार विद्यापीठ, सदाकत आश्रम स्थित ऑफलाइन सम्मेलन कक्ष में संपन्न हुआ। इस वर्ष कार्यक्रम का मुख्य विषय 'विकसित भारत के लिए नवाचारः स्टार्टअप के प्रभाव के 10 वर्ष' रखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विजय प्रकाश, भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त, अध्यक्ष सह मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी, एआईसी-बीवी फाउंडेशन, उषा झा, अध्यक्ष, बिहार महिला उद्योग संघ तथा अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत प्रमोद कुमार कर्ण, मुख्य परिचालन पदाधिकारी, एआईसी-बीवी फाउंडेशन ने किया। मुख्य संबोधन में विजय प्रकाश ने भारत की स्टार्टअप यात्रा के पिछले दस वर्षों का विस्तृत अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि शुरुआती दौर में जहां महिलाओं की भागीदारी सीमित थी, वहीं अब महिलाएं बड़ी संख्या में स्टार्टअप क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने स्टार्टअप को एक विज्ञान बताते हुए कहा कि जिस विचार को कम समय में विस्तार दिया जा सके, वही स्टार्टअप है। भगवान बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने समस्या समाधान, टीम निर्माण और सामाजिक प्रभाव को स्टार्टअप से जोड़ा और कहा कि कोई भी प्रयास असफल नहीं होता, या तो वह सफल होता है या सीख देता है। एआईसी-बीवी फाउंडेशन के निदेशक राणा अवधेश सिंह, भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त ने अपने संबोधन में योजना, संगठन, स्टाफिंग, निर्देशन और नियंत्रण के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में सब्सिडी का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए और नवाचारी विचार ही सबसे बड़ी पूंजी हैं। डॉ. मृदुला प्रकाश, मंत्री, महिला चरखा समिति और उषा झा ने महिलाओं की उद्यमिता, आत्मनिर्भरता और स्टार्टअप संस्कृति में बढ़ती भागीदारी पर अपने विचार रखे। प्रमोद कुमार कर्ण ने स्टार्टअप्स के लिए उपलब्ध सहयोग तंत्र और संस्थागत मार्गदर्शन की जानकारी दी। कार्यक्रम में एआईसी-बीवी फाउंडेशन से जुड़े विभिन्न स्टार्टअप्स ने अपनी उपलब्धियां और अनुभव साझा किए। इनमें नहुष फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रशांत झा, फिनलिजेन एलएलपी के अमित कुमार, ब्लैकनट एग्रोमशीनरी प्राइवेट लिमिटेड के वरुण गुप्ता, कॉग्नोसमेड लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के अजय कुमार, सावित्री सपोर्ट एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के धनंजय कुमार, नरसिम्हा स्किल स्फीयर प्राइवेट लिमिटेड के अमन रॉय, इंटरनेक्सस टेकहब प्राइवेट लिमिटेड के पीयूष पांडेय और लिवएग्रो फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड के कुंदन कुमार शामिल रहे।

राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर बी.डी. कॉलेज ने रचा प्रेरणादायी शैक्षणिक इतिहास : डॉ. रत्ना अमृत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज, पटना में स्टार्टअप सेल के तत्वावधान में 'नेशनल स्टार्टअप डे' के अवसर पर एक प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में बिहार सरकार के उद्योग विभाग की उप सचिव डॉ. प्रेरणा सिंह मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। उनके साथ सहायक निदेशक ज्योति कुमारी एवं स्टार्टअप सलाहकार सुदर्शन चक्रवर्ती भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) रत्ना अमृत ने स्वागत संबोधन में कॉलेज की शैक्षणिक उपलब्धियों एवं स्टार्टअप संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आईक्यूएसी की सलाहकार प्रो. नूपुर बोस ने बी.डी. कॉलेज के स्टार्टअप सेल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार सृजन करने वाला बनने के लिए प्रेरित करती हैं।

रिड एंड टेलर ने लांच किया स्प्रिंग समर 2026 कलेक्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत के सबसे प्रतिष्ठित प्रीमियम मेनस्वेयर ब्रांडों में से एक रिड एंड टेलर ने ताज सिटी सेंटर में अपना स्प्रिंग समर 2026 कलेक्शन लॉन्च किया। साथ ही ब्रांड ने लजीनों, इटली कलेक्शन को भी लॉन्च किया। लॉन्चिंग के मौके पर रिड एंड टेलर के ग्रुप सीईओ अजय अग्रवाल ने कहा कि रिड एंड टेलर सिर्फ एक फैब्रिक नहीं है यह एक विरासत है जिसे लोग गर्व से पहनते हैं और सर्वश्रेष्ठ अनुभव के साथ जुड़ते हैं। उन्होंने कहा कि सूटिंग और शर्टिंग उत्पादन के लिए समर्पित आधुनिक सुविधाओं के साथ, रिड एंड टेलर सावधानीपूर्वक प्रक्रियाओं और उन्नत तकनीक के माध्यम से विश्व स्तरीय गुणवत्ता सुनिश्चित करता है। ब्रांड की उत्कृष्टता के प्रति समर्पण ने इसके फैब्रिक्स को फैशन के जानकारों की पसंद बना दिया है। पियर्स ब्रॉस्नन और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों ने रिड एंड टेलर का प्रतिनिधित्व किया है। रेडीमेड गार्मेंट्स की शुरुआत से यह ब्रांड नई पीढ़ी से जुड़ रहा है। वहीं रिड एंड टेलर के चीफ बिजनेस ऑफिसर सचिन होमोडे ने कहा कि प्रीमियम सूटिंग और शर्टिंग फैब्रिक्स में बेंचमार्क स्थापित करने वाला यह ब्रांड, गुणवत्ता और नवाचार के प्रति अपनी अटल प्रतिबद्धता के साथ वैश्विक अभिजात वर्ग को सेवा प्रदान करता है। इस मौके पर बिहार एजेंट संजय भरतिया, एवीपी मार्केटिंग इस्ट राजेश शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर श्रद्धा से याद किये गए श्याम नंदन प्रसाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन के पिता, स्व. श्याम नंदन प्रसाद की पुण्यतिथि पर पटना में श्रद्धा, सेवा और सामाजिक सरोकार का भाव एक साथ देखने को मिला। 16 जनवरी 2001 को दुनिया से विदा लेने वाले श्याम नंदन प्रसाद की स्मृति में पटना जंक्शन स्थित भगवान हनुमान मंदिर परिसर के सामने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े जरूरतमंदों और गरीबों के बीच भोजन वितरण किया गया। प्रो. रणबीर नंदन की ओर से यह आयोजन केवल एक औपचारिक श्रद्धांजलि नहीं बल्कि उस जीवन-दर्शन की झलक थी, जिसे स्वर्गीय श्याम नंदन प्रसाद ने अपने कर्मों से जिया।

केन्द्रीय संचार ब्यूरो द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत दिया स्वच्छता, जागरूकता का संदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय संचार ब्यूरो, प्रादेशिक कार्यालय, पटना में 'स्वच्छता पखवाड़ा' के अंतर्गत एक प्रेरणादायक एवं उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से स्वच्छता की शपथ ली और स्वच्छ भारत के संकल्प को सुदृढ़ करने का प्रण दोहराया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सशक्त करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत केंद्रीय संचार ब्यूरो, पटना की वरिष्ठ लेखा अधिकारी सीमा कुमारी के नेतृत्व में स्वच्छता शपथ के साथ हुई। शपथ के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यस्थल, आसपास के परिवेश तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने, गंदगी न फैलाने तथा दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति प्रेरित करने का संकल्प लिया। शपथ के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का अभिन्न अंग है और इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। इसके पश्चात एक परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी भानु कुमार झा, विभागीय कलाकार दीपक कुमार, आरती झा, लेखाकार योगेन्द्र प्रसाद तथा यंग प्रोफेशनल हर्ष सिन्हा ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने स्वच्छता को स्वस्थ समाज की आधारशिला बताते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि मानसिक शांति, कार्यक्षमता एवं सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा मिलता है।

अन्तर्जालीय भगवती महासरस्वती संस्कृत सम्भाषण शिविर में मकर संक्रांति की महत्ता पर चर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना की ओर से निरन्तर 40 वां भगवती महासरस्वती संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर के चतुर्थ दिवस में कर्त्ता- ज्ञान के साथ मकर संक्रांति पर्व की महत्ता पर संस्कृत में विस्तार से चर्चा किया गया। आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा, प्रधान संरक्षक डॉ अनिल कुमार सिंह, राष्ट्रीय संयोजिका प्रो रागिनी वर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्षा डॉ लीना चौहान,जगत नारायण लाल महाविद्यालय खगौल पटना के संस्कृत विभागाध्यक्षा डॉ अवन्तिका कुमारी, मनोहर लाल टेकरीवाल महाविद्यालय सहरसा बिहार के संस्कृत विभागाध्यक्षा डॉ दीप्ति कुमारी, महन्थ शरण संस्कृत महाविद्यालय फतुहा के डा नीरा कुमारी, डॉ रागिनी कुमारी, आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के संरक्षक डॉ अनिल कुमार चौबे, उत्तर प्रदेश की प्रांत संयोजिका अदिति चोला, मध्य प्रदेश की प्रांत संयोजिका तारा विश्वकर्मा, बिहार प्रांत के प्रचार सचिव मुरलीधर शुक्ल दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत शोध छात्र बीजेन्द्र सिंह, डॉ मंजरी दूबे, उमा विश्वकर्मा, विकास कुमार सहित शिविर के सभी सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए तथा बताया कि मकर संक्रांति अज्ञानता से प्रकाश की ओर ले जाता है जब सूर्य का संक्रमण धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश होता है तो वह काल पुण्य काल माना जाता है।

खेलकूद स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण : धर्मेंद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय मेरा युवा भारत पटना के तत्वावधान में प्रेम यूथ फाउंडेशन के सहयोग से प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हाई स्कूल फतुहा के मैदान में किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि खेल स्वस्थ्य जीवन के लिए जरूरी है। खेल से टीम भावना एवं अनुशासन का भाव पैदा होता है। वही मेरा युवा भारत के स्वयंसेवक हिमांशु शर्मा ने बताया कि हर पंचायत में खेल क्लब का गठन किया जा रहा है जिससे ग्रामीण खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। वही थानाध्यक्ष सदानंद शाह ने खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया। उन्होंने बताया कि खेलकूद से भी रोजगार प्राप्त किया जा रहा है।

बजाज जनरल इंश्योरेंस ने लांच किया फीटल फ्लरिश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड ने भ्रूण स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया एक अभिनव इंश्योरेंस राइडर फीटल फ्लरिश लांच किया। यह अनोखा समाधान उन्नत गर्भस्थ प्रक्रियाओं और उच्च-जोखिम गर्भावस्थाओं के लिए फाइनेंशियल सहायता प्रदान करता है जो लंबे समय से पारंपरिक मैटरनिटी इंश्योरेंस के दायरे से बाहर रहा है। यह राइडर अपने प्रमुख प्रॉडक्ट, माय हेल्थ केयर प्लान और हेल्थ गार्ड के साथ उपलब्ध कराया जा रहा है। लांच के अवसर पर डॉ. तपन सिंघल, एमडी और सीईओ, बजाज जनरल इंश्योरेंस ने कहा कि गर्भावस्था हर परिवार के लिए एक बहुत निजी समय होता है जिसमें उम्मीद, उत्सुकता और अपने बच्चे के लिए सबसे अच्छा करने की चाह शामिल होती है जब मेडिकल संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं तो परिवार को बहुत ही शुरुआती चरण में कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं। गर्भस्थ शिशु की देखभाल में हुई प्रगति के कारण अब समय रहते उपचार करना संभव हो गया है, लेकिन आर्थिक दबाव पहले से ही चुनौतीपूर्ण अनुभव को और गंभीर बना सकता है।

सरायगढ़ बाइपास का सीआरएस ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। गुरू प्रकाश, संरक्षा आयुक्त (रेलवे) पूर्वी परिमंडल, कोलकाता द्वारा समस्तीपुर मंडल के बैजनाथपुर अंदौली और न्यू झाझा स्टेशनों के मध्य 4.22 किमी लंबे नवनिर्मित बाईपास रेल लाइन का मोटर ट्रॉली द्वारा निरीक्षण किया गया। इसके उपरांत रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा इस रेलखंड का स्पेशल ट्रेन द्वारा 110 किमी प्रतिघंटा की गति से सफलतापूर्वक स्पीड ट्रायल भी किया गया। निरीक्षण के दौरान समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक ज्योति प्रकाश मिश्रा सहित निर्माण विभाग तथा समस्तीपुर मंडल के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। विदित हो कि निर्मली-सरायगढ़ के रास्ते दरभंगा से सहरसा जाने व आने वाली ट्रेनों का सरायगढ़ में इंजन रिवर्सल करना पड़ता था।

संपादकीय

जैव विविधता संरक्षण की कठिन होती चुनौती

नववर्ष के प्रारंभ में 83 वर्षीय डॉ. माधव गाडगिल का निधन न केवल भारत के एक उच्च शिक्षित पर्यावरणविद् को खोने का बड़ा नुकसान है, बल्कि उनके निधन से हमने देश में जैव विविधता संरक्षण की उम्मीदों को भी काफी हद तक झकझोर दिया है. गाडगिल ऐसे समय में हमें छोड़कर चले गए जब प्रकृति संरक्षण के आंदोलन को नेतृत्व देने की सबसे अधिक आवश्यकता थी, जो इस समय अत्यंत नाजुक दौर से गुजर रहा है. वैज्ञानिक सोच वाले एक पर्यावरणविद् के रूप में, उन्होंने पर्यावरण और जैव विविधता के संरक्षण के अपने प्रयास वैश्विक विचारकों और विशेषज्ञों द्वारा खतरों की भविष्यवाणी करने और 1992 में ब्राजील के रियो में पहले पृथ्वी शिखर सम्मेलन के लिए एकत्रित होने से कई साल पहले ही शुरू कर दिए थे. यह महत्वपूर्ण बात है. माधव गाडगिल को उनके लंबे और उतार-चढ़ाव भरी यात्रा में किए गए अन्य प्रयासों के साथ-साथ नाजुक पश्चिमी घाटों की रक्षा के प्रयासों के लिए कई शानदार श्रद्धांजलियां अर्पित की गई हैं. मैं यह लेख जैव विविधता संरक्षण के लिए उनके योगदान को उजागर करने के लिए लिख रहा हूं. उन्होंने भविष्य में प्रकृति को होने वाले तीव्र नुकसान को भांपते हुए कानूनी उपाय लाने में मदद की. यह उनका मौलिक कार्य था. यदि जैव विविधता- पक्षी, कीट, उभयचर, मधुमक्खियां, तितलियां, पेड़, झाड़ियां, जल निकाय, घास के मैदान आदि - लुप्त हो जाए तो मानव जाति का अस्तित्व निश्चित रूप से समाप्त हो जाएगा. प्राचीन लोग और हमारे पूर्वज इसके महत्व को जानते थे और उन्होंने प्रकृति के साथ उस निर्दयता से छेड़छाड़ नहीं की, जैसा कि हम आज रोजाना देख रहे हैं. वर्ष 1971 में, गाडगिल ने वनों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए पारिस्थितिक क्षेत्र अध्ययन शुरू किया. 'हरित क्रांति' के नायक डॉ. एमएस स्वामीनाथन, जिन्हें इंदिरा गांधी के नेतृत्व में 1980 में स्थापित भारत के पहले पर्यावरण विभाग को आकार देने का श्रेय भी दिया जाता है, ने 1983 में उन्हें पश्चिमी घाट का व्यवस्थित अध्ययन शुरू करने के लिए कहा, जब गाडगिल बेंगलुरु स्थित प्रख्यात भारतीय विज्ञान संस्थान में प्रोफेसर थे. वहीं से उन्होंने ऐसे शोध कार्यों में रुचि रखने वाले उत्साही युवा छात्रों को एकत्रित करना शुरू किया. पक्षी प्रजातियों और उनके आवासों के व्यापक अध्ययन के लिए उत्तर कन्नड़ जिले को चुना गया और फिर 1992 में प्रकाशित एक लेख में, गाडगिल और उनके छात्रों ने लंबे समय से चली आ रही इस धारणा को चुनौती दी कि पक्षियों और पौधों की विविधता एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं.
तब तक इसे 'पारंपरिक मान्यता' माना जाता था. उन्होंने इसे गलत साबित किया. गाडगिल ने न केवल पौधों, पक्षियों और कीटों की प्रजातियों पर काम किया, बल्कि उन्होंने बाघ जैसे विशालकाय स्तनधारियों का भी अध्ययन किया और बाघ सुरक्षा बल में भी योगदान दिया. हालांकि उनके जिस काम ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया, वह था जन जैव विविधता रजिस्टर (पीबीआर) की अवधारणा. रियो शिखर सम्मेलन में जैव विविधता पर एक सम्मेलन (सीबीडी) का सूत्रपात हुआ, जिसके फलस्वरूप भारत में जैव विविधता अधिनियम 2002 के रूप में एक कानून संसद ने बनाया. यह दो महान विद्वानों - डॉ. स्वामीनाथन और डॉ. गाडगिल - का प्रारंभिक और संयुक्त प्रयास था, जिसकी शुरुआत 1998 में हुई थी; अधिनियम कुछ वर्षों बाद पारित हुआ. उक्त अधिनियम के तहत यह अनिवार्य किया गया था कि सभी स्थानीय निकाय, ग्रामीण और शहरी - पंचायतें, नगर पालिकाएं, महानगर पालिकाएं - केवल प्रलेखन के बजाय अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में जैव विविधता प्रबंधन समितियां (बीएमसी) स्थापित करें, जिससे स्थानीय समुदायों को व्यापक आधार पर प्रबंधन गतिविधियां करने का अधिकार मिले. पर्यावासों, स्थानीय प्रजातियों, लोक किस्मों और खेती की जाने वाली प्रजातियों तथा सूक्ष्मजीवों का ऐसा दस्तावेजीकरण भावी पीढ़ियों के लाभ के लिए संरक्षण के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया गया था. यह कानून आज भी लागू है पर कम ही नगर निकाय इस पर काम कर रहे हैं.
पुणे के रहने वाले गाडगिल ने पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए अपनी पूरी कोशिश की, लेकिन हाल ही में वे सब जगह हो रही भीषण तबाही को लेकर चिंतित थे.

पढ़ने की लौ एवं किताबों से नाता अटूट है

दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में एक प्रतीकात्मक उत्सव बन चुका है। इस मेले में विश्वप्रसिद्ध लेखकों का आगमन होता है, साहित्यिक संवाद, विमर्श और चर्चाएं होती हैं। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स जैसे विश्व साहित्य के स्तंभों से लेकर भारतीय भाषाओं के महान साहित्यकारों तक की रचनाएं यहाँ पाठकों को एक साथ उपलब्ध होती हैं। यह मेला भारतीय साहित्य को वैश्विक मंच देता है और साथ ही विश्व साहित्य को भारतीय पाठकों से जोड़ता है। पुस्तकों को 'ज्ञान का बाग' कहा गया है। जो व्यक्ति पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर लेता है, उसे जीवन भर ज्ञान का संबल मिलता है। कठिन समय में पुस्तकें मित्र की तरह साथ देती हैं, मार्गदर्शन करती हैं और समाधान की दिशा दिखाती हैं।

ललित गर्ग

53वें भारत मंडपम् में 10 से 18 जनवरी 2026 तक नौ दिनों के किताबों के जमावडे ने एक बात स्पष्ट कर दी है कि किताबों से नाता कभी नहीं टूट पायेगा। इस मेले में 35 से अधिक देशों के एक हजार से अधिक प्रकाशक भाग ले रहे हैं। यह भव्य विश्व पुस्तक मेला केवल पुस्तकों की खरीद-फरोख्त का आयोजन नहीं है, बल्कि यह उस जीवंत पुस्तक-संस्कृति का उत्सव है, जिसे अनेक लोग डिजिटल युग में कमजोर मानने लगे थे। एक-एक किलोमीटर लंबी कतारें, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की उत्सुक भागीदारी और पुस्तकों के प्रति बढ़ता आकर्षण इस धारणा को स्वस्थ करता है कि पुस्तकें जीवन का अभिन्न हिस्सा रही हैं और भविष्य में भी रहेंगी। इंटरनेट, सोशल मीडिया एवं अन्य इलेक्ट्रोनिक माध्यमों पर अपार पाठ्य सामग्री एवं साहित्य उपलब्ध होने के बावजूद पुस्तक मेलों में इतनी भीड़ क्यों आ रही है? छपी हुई पुस्तकें एवं शब्द केवल ज्ञान, जिज्ञासा और मनोरंजन की विशाल दुनिया के दरवाजे नहीं खोलते, वे हमें गंध, स्पर्श, संवेदना, सोच, अनुभूति की प्रेरक, अनुकरणीय एवं रोमांचक दुनिया में भी ले जाते हैं। इस वर्ष के पुस्तक मेले के दृश्य पुस्तक-संस्कृति के प्रति नई आशा, नया विश्वास और नया उत्साह पैदा करते हैं। यह मेला स्पष्ट संकेत देता है कि पढ़ने की प्रवृत्ति केवल जीवित ही नहीं है, बल्कि नए पंखों के साथ उड़ान भर रही है।

पुस्तक मेला वस्तुतः एक विश्व उत्सव है-ऐसा उत्सव जो ज्ञान, विचार, कल्पना और संवाद को एक साझा मंच देता है। दुनिया भर में पुस्तकों के दायरे को पहचानने, उन्हें प्रोत्साहित करने और संस्कृतियों को जोड़ने के लिए यह आयोजन अतीत और भविष्य के बीच एक मजबूत कड़ी तथा पीढ़ियों और सभ्यताओं के बीच एक सेतु का कार्य करता है। यही कारण है कि यूनेस्को हर वर्ष पुस्तक उद्योग के तीन प्रमुख क्षेत्रों- प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता और पुस्तकालयों के अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करता है, ताकि पुस्तक-संस्कृति की प्रेरणा पूरे वर्ष बनी रहे। यह पहल इस बात का प्रमाण है कि पुस्तकें

केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि वैश्विक संवाद और मानवीय एकता का भी आधार हैं। किताबें अपने सभी रूपों में- मुद्रित, ई-बुक, ऑडियो हमें सीखने, सोचने और स्वयं को सशक्त बनाने का अवसर देती हैं। वे हमारा मनोरंजन करती हैं, हमें दुनिया को समझने में मदद करती हैं और दूसरों की दुनिया में झांकने का अवसर देती हैं। इस साल का मेला 'भारतीय सैन्य इतिहासः वीरता और ज्ञान/75' थीम पर आधारित है, जो भारत की रक्षा बलों के महत्वपूर्ण पलों, योगदानों और कहानियों पर ध्यान केंद्रित करता है। 'थीम मंडप 2026' दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। यह मंडप भारत की सैन्य विरासत के 75 वर्षों की ऐतिहासिक और निर्णायक यात्रा को दिखा रहा है, जिसकी जड़ें शौर्य, प्रज्ञा और नैतिक मूल्यों में निहित हैं. इसमें कथाओं, दृश्यात्मक प्रस्तुतियों और संवाद के माध्यम से 1947 से लेकर ऑपरेशन सिंदूर 2025 तक भारत की सैन्य यात्रा को रेखांकित करता है।

दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में एक प्रतीकात्मक उत्सव बन चुका है। इस मेले में विश्वप्रसिद्ध लेखकों का आगमन होता है, साहित्यिक संवाद, विमर्श और चर्चाएं होती हैं। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स जैसे विश्व साहित्य के स्तंभों से लेकर भारतीय भाषाओं के महान साहित्यकारों तक की रचनाएं यहाँ पाठकों को एक साथ उपलब्ध होती हैं। यह मेला भारतीय साहित्य को वैश्विक मंच देता है और साथ ही विश्व साहित्य को भारतीय पाठकों से जोड़ता है। पुस्तकों को 'ज्ञान का बाग' कहा गया है। जो व्यक्ति पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर लेता है, उसे जीवन भर ज्ञान का संबल मिलता है। कठिन समय में पुस्तकें मित्र की तरह साथ देती हैं, मार्गदर्शन करती हैं और समाधान की दिशा दिखाती हैं। पुस्तक का महत्व सार्वभौमिक, सार्वकालिक और सार्वदेशिक है। किसी भी युग में, किसी भी तकनीकी आंधी में उसका महत्व कम नहीं हो सकता। इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी अनेक क्रांतियां आई हैं और आगे भी आएंगी, लेकिन पुस्तक-संस्कृति अपनी उपयोगिता और प्रासंगिकता बनाए रखेगी। कारण स्पष्ट है-पुस्तकें केवल सूचना नहीं देतीं, वे चिंतन, मनन और विवेक का विकास करती हैं।

तकनीक ने ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति अवश्य की है, लेकिन यह हर समय संभव नहीं कि किताबों के स्थान पर केवल स्क्रीन से पढ़ा जाए। पुस्तक का स्पर्श, उसकी सुगंध, पन्नों को पलटने का अनुभव और पढ़ते हुए होने वाला एकांत संवाद-ये सभी तत्व पुस्तक को विशिष्ट बनाते हैं। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं, सोचने-समझने का दायरा बढ़ाती हैं और व्यक्ति को आत्मअनुशासन सिखाती हैं। पुस्तकें जाग्रत देवता के समान हैं। उनका अध्ययन, मनन और चिंतन तत्काल लाभ देता है। महात्मा गांधी के जीवन पर गीता, टॉल्स्टॉय और थोरो के विचारों का गहरा प्रभाव था। इसी तरह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैचारिक निर्माण और वैश्विक छवि के निर्माण में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वे स्वयं एक सजग पाठक रहे हैं और पुस्तक-संस्कृति को जीवंत करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

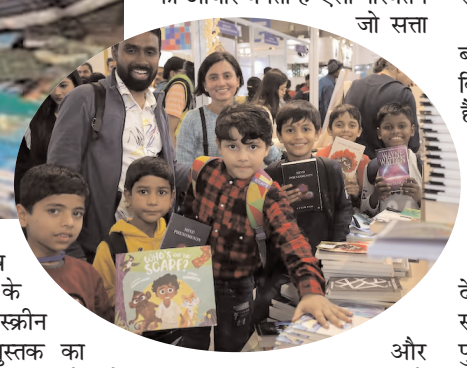

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' जैसे अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से पढ़ने, लिखने और विचार करने की संस्कृति को जन-जन तक पहुँचाया है। उनका संदेश 'बुकें दे, बुके नहीं' केवल एक प्रतीकात्मक नारा नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक दृष्टि है-जहाँ उपहार में फूलों के गुलदस्ते की बजाय ज्ञान का उपहार देने की प्रेरणा दी गई है। वे मानते हैं कि सत्साहित्य की शक्ति तोप, टैंक और परमाणु अस्त्रों से भी अधिक है, क्योंकि हथियार ध्वंस करते हैं, जबकि साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करता है और स्थायी परिवर्तन लाता है। सत्साहित्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है-ऐसा परिवर्तन जो सत्ता और कानून से किए गए परिवर्तनों से कहीं अधिक टिकाऊ होता है। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी भारत के परिवर्तन में पुस्तक-संस्कृति और सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका को स्वीकारते हैं। उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, भारतीय भाषाओं को बढ़ावा, स्थानीय साहित्य का सम्मान और पठन-संस्कृति को प्रोत्साहन देने की दिशा में ठोस पहलें देखने को मिलती हैं। पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार-प्रसार से युवाओं को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा का भंडार हैं, उन्हें पढ़कर व्यक्ति के भीतर कुछ महान करने की आकांक्षा जागती है। वे कल्पवृक्ष भी हैं और कामधेनु भी, क्योंकि उनकी छाया में मनुष्य अपनी आंतरिक क्षमताओं को पहचानता है। आज का इंसान घर बदलता है, पहनावा बदलता है, रिश्ते और मित्र बदलता है, फिर भी असंतुष्ट रहता है क्योंकि उसने पुस्तकरूपी कल्पवृक्ष की छाया छोड़ दी है। पुस्तकें व्यक्ति को बदलने का मार्ग दिखाती हैं-सोच, व्यवहार और दृष्टि को सकारात्मक दिशा देती हैं। जब तक व्यक्ति स्वयं को नहीं बदलता, वह अपनी मंज़िल नहीं पा सकता। आत्मानुशासन, आत्मचिंतन और आत्मविकास-ये सभी पुस्तक-संस्कृति की देन हैं।

इंटरनेट और ई-पुस्तकों की बढ़ती पहुँच के बावजूद छपी हुई किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है। वे आज भी प्रासंगिक हैं और रहेंगी। हजारीप्रसाद द्विवेदी का कथन- 'साहित्य वह जादू की छड़ी है, जो पशुओं में, ईंट-पत्थरों में और पेड़-पौधों में भी विश्व की आत्मा का दर्शन करा देती है ', आज भी उतना ही सार्थक है। निश्चित ही, विश्व पुस्तक मेला की प्रेरणा भारतीय जन-चेतना को झकझोर रही है और उन्हें नए भारत-सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित कर रही है। साररूप में यह कहा जा सकता है कि दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला पुस्तक-संस्कृति और पढ़ने की प्रवृत्ति को नए पंख देने वाला एक अत्यंत उपयोगी और प्रासंगिक आयोजन है। इसका उद्घाटन करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने संबोधन में कहा कि पुस्तकें ज्ञान का वाहक हैं जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं, सभ्यताओं की स्मृतियों को संजोती हैं और समाज को दिशा देती हैं। यह मेला केवल पुस्तकों का नहीं, विचारों का, संस्कारों का और भविष्य का मेला है-जहाँ शब्द समाज का निर्माण करते हैं और पन्ने इतिहास की दिशा तय करते हैं।

नवाचार, समावेशन और भारत की प्रगति को गति देते हैं 'स्टार्टअप'

पीयूष गोयल

स्टार्टअप इंडिया पहल पूरे देश में एक समग्र और नई सोच वाले इकोसिस्टम के रूप में विकसित हुई है। यह युवाओं की उद्यमशील ऊर्जा को रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को तेज करने की दिशा में लगाकर, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के मिशन को साकार करने का मार्ग तैयार कर रही है। भारत में आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक मौजूद है। यह परिवर्तन रातों-रात नहीं हुआ। जब प्रधानमंत्री ने 2015 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से 'स्टार्टअप इंडिया' की घोषणा की, तब उन्होंने एक स्पष्ट और महत्वाकांक्षी दृष्टि रखी कि उद्यमिता देश के हर जिले और हर ब्लॉक तक पहुंचे। 16 जनवरी, 2016 को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डी.पी.आई.आई.टी.) की ओर से शुरू किए जाने के बाद से स्टार्टअप देश की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नई ऊर्जा भर रहे हैं। आई.टी. सेवाएं, स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान, शिक्षा, कृषि और निर्माण जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं। इसके अलावा, जलवायु तकनीक और अवसंरचना सहित 50 से अधिक अन्य उद्योगों में भी नए उद्यम सामने आए हैं।

नवाचार और ए.आई. : वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत का रैंक 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर पिछले वर्ष 38वें स्थान पर पहुंच गया और गहन तकनीक से जुड़े स्टार्टअप्स को सरकार का समर्थन इसे आगे और बेहतर करेगा। गहन तकनीक वाला राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के तहत नैशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना तथा इंडिया ए.आई. मिशन और रिसर्च डिवैल्पमैंट एंड इनोवेशन योजना की शुरुआत की गई है। भारत के स्टार्टअप एयरोनॉटिक्स, एयरोस्पेस और रक्षा, रोबोटिक्स, हरित तकनीक, इंटरनैट ऑफ थिंग्स और सैमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भी नवाचार कर रहे हैं। भारतीय स्टार्टअप्स ने 16,400 से अधिक नए पेटैंट आवेदन दाखिल किए हैं, जो मौलिक नवाचार, दीर्घकालिक मूल्य सृजन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर बढ़ते फोकस को दर्शाता है।

अखिल भारतीय विकास : वर्ष 2016 में केवल 4 राज्यों में स्टार्टअप नीतियां थीं, जबकि आज भारत के 30 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष स्टार्टअप ढांचे मौजूद हैं। अब तक 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी जा चुकी है, जो नीति-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र के एक दशक के सतत् विकास को दर्शाता है। केवल 2025 में ही 49,400 से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता मिली, जो स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के बाद सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि है। समावेशन इस पूरी यात्रा की एक मजबूत आधारशिला रहा है। महिला नेतृत्व वाले उद्यम एक बड़ी ताकत बनकर उभरे हैं, जहां 45 प्रतिशत से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में कम से कम 1 महिला निदेशक है। इसके अलावा, लगभग आधे स्टार्टअप गैर-मैट्रो शहरों में स्थित हैं, जो नवाचार और रोजगार के नए केंद्र के रूप में टियर-2 और टियर-3 शहरों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

लोकल से ग्लोबल : जैसे-जैसे भारतीय स्टार्टअप्स का विस्तार हो रहा है, पूरी दुनिया उनके लिए बाजार बनती जा रही है। अब 21 अंतरराष्ट्रीय ब्रिज और 2 रणनीतिक गठबंधन मौजूद हैं, जो यू.के., जापान, दक्षिण कोरिया, स्वीडन और इसराईल सहित प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बाजार तक पहुंच, सहयोग और विस्तार को आसान बनाते हैं। इन पहलों से अब तक 850 से अधिक स्टार्टअप्स लाभान्वित हो चुके हैं।

सुधार और बाजार तक पहुंच : इस विकास को संभव बनाने में कारोबार करने में आसानी में सुधार एक मुख्य आधार रहा है। पात्र स्टार्टअप अपने पहले 10 वर्षों में से किन्हीं भी 3 लगातार वर्षों के लिए कर अवकाश का लाभ ले सकते हैं।

बचत और खर्च का असंतुलनः नये भारत के लिए बड़ी चुनौती

भारतीय परंपरा में बचत को केवल आर्थिक क्रिया नहीं, बल्कि एक सद्गुण माना गया है। 'आज की बचत, कल का संबल' जैसी कहावतें हमारे सामाजिक व्यवहार का हिस्सा रही हैं। गृहस्थ जीवन में संतुलन, संयम और संचय को जीवन-मूल्य के रूप में स्वीकार किया गया। बच्चों की गुल्लक, अनाज के कोठार, गहनों के रूप में सुरक्षित धन, और त्योहारों पर सीमित व सादगीपूर्ण खर्च-ये सब भारतीय जीवनशैली के अभिन्न अंग थे। संकट के समय भारतीय परिवार किसी के सामने हाथ फैलाने की बजाय अपनी जमा पूंजी और संसाधनों पर भरोसा करता था। यह आत्मनिर्भरता भारतीय समाज की शक्ति रही है। लेकिन बदलती जीवनशैली और बाजार-प्रेरित संस्कृति ने इस परंपरा को कमजोर किया है। आज 'जियो अभी' की मानसिकता, आसान कर्ज, ईएमआई संस्कृति, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन शॉपिंग और सोशल मीडिया पर दिखावे की प्रतिस्पर्धा ने खर्च को एक प्रकार की पहचान बना दिया है। उपभोग अब आवश्यकता से अधिक आकांक्षा से संचालित होने लगा है।

महामारी के बाद की दुनिया केवल स्वास्थ्य के स्तर पर ही नहीं, बल्कि आर्थिक सोच और व्यवहार में भी एक बड़े संक्रमण से गुज़री है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ती महंगाई, तकनीक-आधारित बाजार और उपभोक्तावादी संस्कृति के तीव्र प्रसार ने लोगों की खर्च करने की प्रवृत्ति को असाधारण रूप से बढ़ा दिया है। इस बदलाव का सबसे गहरा असर घरेलू बचत पर पड़ा है। भारत सहित अनेक देशों में घरेलू बचत दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर पहुंच चुकी हैं। उपभोग बढ़ रहा है, लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक बचत निरंतर घटती जा रही है। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चिंता का विषय भी बनती जा रही है। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू बचत सदैव विकास की रीढ़ रही है। बुनियादी ढांचे से लेकर औद्योगिक निवेश तक, भारत की विकास गाथा में घरेलू बचत की भूमिका निर्णायक रही है। परंतु आज स्थिति यह है कि विशेषकर युवा पीढ़ी में बचत की दर 10 से 15 प्रतिशत तक सिमट गई है। यह आंकड़ा किसी भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब बचत और खर्च के बीच असंतुलन एक गंभीर चेतावनी के रूप में सामने आ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में युवाओं की भूमिका को हमेशा निर्णायक माना है और वे बार-बार यह संदेश देते रहे हैं कि बचत केवल व्यक्तिगत सुरक्षा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव है। उनके अनुसार उपभोग से पहले बचत की संस्कृति युवाओं में आत्मनिर्भरता, अनुशासन और दीर्घकालिक सोच का विकास करती है। जन-धन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, डिजिटल बचत और निवेश के माध्यमों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि छोटे-छोटे नियमित निवेश भविष्य की बड़ी आर्थिक शक्ति बनते हैं। मोदी का विचार है कि जब युवा वर्ग आज अनावश्यक खर्च से बचकर बचत और उत्पादक निवेश की ओर अग्रसर होगा, तभी भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेगी; क्योंकि आत्मनिर्भर युवा ही सशक्त भारत की सबसे बड़ी पूंजी है।

भारतीय परंपरा में बचत को केवल आर्थिक क्रिया नहीं, बल्कि एक सद्गुण माना गया है। 'आज की बचत, कल का संबल' जैसी कहावतें हमारे सामाजिक व्यवहार का हिस्सा रही हैं। गृहस्थ जीवन में संतुलन, संयम और संचय को जीवन-मूल्य के रूप में स्वीकार किया गया। बच्चों की गुल्लक, अनाज के कोठार, गहनों के रूप में सुरक्षित धन, और त्योहारों पर सीमित व सादगीपूर्ण खर्च-ये सब भारतीय जीवनशैली के अभिन्न अंग थे। संकट के समय भारतीय परिवार किसी के सामने हाथ फैलाने की बजाय अपनी जमा पूंजी और संसाधनों पर भरोसा करता था। यह आत्मनिर्भरता भारतीय समाज की शक्ति रही है। लेकिन बदलती जीवनशैली और बाजार-प्रेरित संस्कृति ने इस परंपरा को कमजोर किया है। आज 'जियो अभी' की मानसिकता, आसान कर्ज, ईएमआई संस्कृति, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन शॉपिंग और सोशल मीडिया पर दिखावे की प्रतिस्पर्धा ने खर्च को एक प्रकार की पहचान बना दिया है। उपभोग अब आवश्यकता से अधिक आकांक्षा से संचालित होने लगा है। अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूटती जा रही है। विशेषकर जेन-जी और युवा मिलेनियल पीढ़ी के लिए बचत एक बोझ या भविष्य की अस्पष्ट चिंता जैसी प्रतीत होने लगी है। यह स्थिति भारतीय दर्शन की मूल भावना के विपरीत है। भारतीय विचार परंपरा न अति भोग की पक्षधर है, न अति त्याग की। संयम, संतुलन और विवेक का मार्ग ही श्रेष्ठ माना गया है। यही सिद्धांत आर्थिक जीवन में भी लागू होता है। उपभोग आवश्यक है, क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था गतिशील रहती है, रोजगार सृजन होता है और नवाचार को प्रोत्साहन मिलता है। परंतु जब खर्च अनियंत्रित हो जाए और बचत उपेक्षित हो जाए, तब व्यक्ति ही नहीं, समाज और राष्ट्र भी असुरक्षित हो जाते हैं। अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूट रही है। भारतीय आर्थिक सोच में बचत को आर्थिक सुरक्षा और विकास का आधार माना जाता है, जहाँ घर-परिवार की आय का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 70 प्रतिशत) घरेलू बचत से आता है, जो सोने, स्थायी जमा और पीपीएफ जैसी योजनाओं में होता है, लेकिन नई पीढ़ी में 'खर्च करो' की सोच बढ़ी है, जिससे बचत की दरें घट रही हैं।

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर जिलाधिकारी सख्त, प्रशासन को बनाया संवेदनशील और जवाबदेह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार द्वारा जिले की प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। इसी क्रम में उन्होंने जिला मुख्यालय से लेकर अनुमंडल, प्रखंड एवं पंचायत स्तर तक के सभी कार्यालयों में पदस्थापित संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को निर्धारित कार्य दिवस पर कार्यालय में उपस्थित रहकर आम जनता की समस्याओं को सम्मानपूर्वक सुनें तथा नियमसंगत त्वरित निपटारा सुनिश्चित करें।

इसी कड़ी में शुक्रवार को जिलाधिकारी अंशुल कुमार ने अपने कार्यालय वेश्म में आम नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएँ सुनीं। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदनों पर संबंधित पदाधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए, वहीं कई मामलों में जिलाधिकारी महोदय द्वारा मौके पर ही समाधान कर आम लोगों को राहत प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता ही सुशासन की पहचान है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जनशिकायतों के निष्पादन में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रशासन की इस पहल से आम जनता में विश्वास बढ़ा है और यह संदेश स्पष्ट हुआ है कि जिला प्रशासन जनता के द्वार तक पहुँचकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

डीएम ने किया बियाडा क्षेत्र का निरीक्षण व उद्यमी संवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने बियाडा औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान औद्योगिक क्षेत्र की बेहतर कनेक्टिविटी एवं आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से अपर समाहर्ता डॉ. विनोद कुमार एवं कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग के साथ विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र में सड़कों की स्थिति, आवागमन में हो रही कठिनाइयों तथा आवश्यक सुधार कार्यों को लेकर चर्चा की गई तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। वहीं इस दौरान उद्यमी संवाद का भी आयोजन हुआ।

जिसमें जिले के विभिन्न उद्यमियों ने भाग लिया। संवाद के दौरान उद्यमियों द्वारा उठाई गई बिजली आपूर्ति से संबंधित समस्याओं का समाधान कार्यपालक अभियंता द्वारा किया गया। जबकि बैंक ऋण एवं वित्तीय सहायता की समस्याओं का निराकरण एलडीएम कटिहार द्वारा कर दिया गया। उद्यमी संवाद के माध्यम से प्रशासन एवं उद्यमियों के बीच सीधा संवाद से उद्योग संचालन में आ रही व्यावहारिक समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल की गई। जिला पदाधिकारी ने उद्यमियों को आश्वस्त किया कि औद्योगिक विकास को गति देने के लिए भविष्य में भी संवाद कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा।

माँ के सीने की गर्मी बनी जीवन संजीवनी

कंगारू मदर केयर से कमजोर नवजात को मिला नया जीवन, पूर्णिया की प्रीति कुमारी बनीं मिसाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। जब मेरे बच्चे का जन्म हुआ तो उसका वजन सिर्फ 2 किलो 210 ग्राम था। डर, चिंता और असमंजस—सब कुछ एक साथ था। लेकिन अस्पताल की नर्सों और आशा दीदी ने मुझे हौसला दिया और कंगारू मदर केयर का रास्ता दिखाया। आज मेरा बच्चा सुरक्षित है, स्वस्थ है और तेजी से बढ़ रहा है।

पूर्णिया पूर्व प्रखंड के आंगा टोला की रहने वाली प्रीति कुमारी की यह कहानी केवल एक माँ की उम्मीद नहीं, बल्कि उन हजारों परिवारों के लिए प्रेरणा है, जिनके नवजात शिशु कम वजन (एलबीबीडब्ल्यू) के कारण जीवन के शुरूआती संघर्ष से गुजरते हैं। 26 दिसंबर को प्रसव के बाद जब बच्चे का वजन सामान्य से कम पाया गया, तो रानीपतरा अस्पताल के कंगारू मदर केयर (केएमसी) वार्ड में तुरंत उसे विशेष देखरेख में रखा गया। एएनएम और आशा कार्यकताओं ने प्रीति को सिखाया कि कैसे माँ के सीने से सटकर मिलने वाली प्राकृतिक गर्मी बच्चे के विकास के लिए दवा से भी अधिक असरदार होती है। अस्पताल से छुट्टी के बाद भी यह देखभाल घर तक पहुँची—आशा दीदी के नियमित फॉलोअप के साथ।

माँ और परिवार के स्पर्श से बढ़ा वजन, लौटी मुस्कान

प्रीति कुमारी बताती हैं कि केएमसी सिर्फ एक तकनीक नहीं, बल्कि माँ और बच्चे के बीच एक भावनात्मक सेतु है। अस्पताल में आवश्यक जांच और दवाओं के साथ इस पद्धति का अभ्यास कराया गया। घर लौटने के बाद भी आशा कार्यकर्ता लगातार मार्गदर्शन देती रहीं। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी इस देखभाल में भाग लिया, जिसका असर यह हुआ कि बच्चे का वजन बढ़ने लगा, सक्रियता लौटी और सुरक्षा का भाव मजबूत हुआ।

केएमसी सिर्फ माँ तक सीमित नहीं अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रानीपतरा की एएनएम पूजा कुमारी के अनुसार, कंगारू मदर केयर कमजोर नवजातों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें केवल माँ ही नहीं, बल्कि पिता, दादी, चाची या परिवार का कोई भी जिम्मेदार सदस्य दिन में 4-5 बार बच्चे को सीने से सटाकर यह देखभाल दे सकता है। उन्होंने बताया कि 2500 ग्राम से कम वजन वाले बच्चों के लिए दिन में कम से कम 3-4 बार केएमसी आवश्यक है। इससे न सिर्फ वजन बढ़ता है, बल्कि स्तनपान बेहतर होता है और बच्चे की चिड़चिड़ाहट भी कम होती है। सरकारी अस्पतालों में मजबूत व्यवस्था, घर तक असर पूर्णिया पूर्व प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शरद कुमार ने बताया कि रानीपतरा और महेंद्रपुर अस्पतालों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS) प्रमाणन प्राप्त है। इन अस्पतालों में विशेष केएमसी कॉर्नर स्थापित हैं, जहाँ कमजोर नवजातों की पहचान कर माताओं को तत्काल प्रशिक्षण दिया जाता है।

उनका कहना है कि जब अस्पताल में दी गई यह सीख घर तक पहुँचती है, तो शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आती है और बच्चे का समग्र विकास सुनिश्चित होता है।

अस्पताल से घर तक, सतत निगरानी की मिसाल

पूर्णिया पूर्व के बीएचएम विभव कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य सिर्फ प्रसव कराना नहीं, बल्कि बच्चे के पूरी तरह स्वस्थ होने तक उसकी निगरानी करना है। इसके लिए एएनएम और आशा कार्यकताओं को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

अस्पताल से डिस्चार्ज के बाद भी घर-घर जाकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि केएमसी सही ढंग से अपनाई जा रही है। इसका सकारात्मक असर अब ग्रामीण इलाकों में साफ दिख रहा है, जहाँ लोग इस वैज्ञानिक और सरल पद्धति को अपनाकर अपने बच्चों को सुरक्षित भविष्य दे रहे हैं।

शौण्डिक समाज : जिन कंधों पर खड़ा है आज का स्वाभिमान

इतिहास से चेतना तक—समाज के उन महापुरुषों की विरासत, जिनके बिना पहचान अधूरी

शरद कुमार

पूर्णिया। बिहार की सामाजिक बनावट में शौण्डिक (सुढ़ी) समाज की पहचान केवल एक वैश्य उपजाति के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे समुदाय के रूप में रही है जिसने बिना सत्ता के शोर के समाज को दिशा दी। इस समाज का इतिहास उन व्यक्तित्वों से गढ़ा गया है, जिन्होंने अपने जीवन को व्यक्तिगत उन्नति तक सीमित नहीं रखा, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना को प्राथमिकता दी। यही कारण है कि शौण्डिंक समाज के महापुरुष आज भी समाज की स्मृति में जीवित हैं, भले ही इतिहास की मुख्यधारा ने उन्हें पर्याप्त स्थान न दिया हो।

बाबू गोपाल सुढ़ी को समाज संगठन और शिक्षा चेतना का अग्रदूत माना जाता है। उनका जीवन साधारण था, किंतु सोच स्पष्ट थी—समाज तभी आगे बढ़ेगा, जब उसकी नई पीढ़ी शिक्षित और संगठित होगी। उन्होंने सामाजिक बैठकों और आपसी संवाद के माध्यम से समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया। पंडित रामनाथ सुढ़ी समाज के उन व्यक्तित्वों में गिने जाते हैं, जिन्होंने सामाजिक अनुशासन और नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता दी। पंचायत और सामाजिक विवादों में उनकी भूमिका निर्णायक रही। उन्होंने यह स्थापित किया कि समाज की मजबूती केवल धन से नहीं, बल्कि संस्कार और सामूहिक जिम्मेदारी से आती है। लाला हरिनारायण सुढ़ी ने व्यापार को केवल लाभ का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का औजार बनाया। आर्थिक रूप से कमजोर समाजजनों की सहायता, विवाह-संस्कार और आपात स्थितियों में सहयोग उनके जीवन की पहचान रही। उनकी पृष्ठभूमि बताती है कि वैश्य परंपरा का मूल उद्देश्य समाज को संभालना रहा है, न कि केवल स्वयं को। इसके साथ ही स्वर्गीय रामशरण सुढ़ी का नाम समाज में विशेष सम्मान से लिया जाता है, जिन्होंने समाज के युवाओं को नशा, अव्यवस्था और दिशाहीनता से दूर रहने का संदेश दिया। उनका योगदान सामाजिक चेतना और अनुशासन के क्षेत्र में याद किया जाता है।स्वर्गीय जगदीश प्रसाद सुढ़ी समाज में सामूहिक सहयोग और आपसी भाईचारे के प्रतीक रहे। सामाजिक संकट के समय आगे आकर समाज को एकजुट करना उनकी सबसे बड़ी पहचान रही। उन्होंने यह सिद्ध किया कि नेतृत्व पद से नहीं, आचरण से पैदा होता है।इसी क्रम में केदारनाथ सुढ़ी को समाज की संगठनात्मक सोच को मजबूत करने वालों में गिना जाता है। समाज के भीतर संवाद, बैठक और सामूहिक निर्णय की परंपरा को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका स्मरणीय रही। स्थानीय स्तर पर गुलाबचंद्र साह जिन्होंने रानी पतरा एवं आसपास क्षेत्रों में शिक्षा का अलग जगाया। इसी क्रम में रानीगंज के कलावती देवी इन्होंने भी शिक्षा के क्षेत्र में नई जागृति लाने का कार्य किया और बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ का नारा दिया जिसे पदम श्री पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया।इन सभी महापुरुषों की एक समान विशेषता रही—इनका जीवन दिखावे से दूर, लेकिन प्रभाव से भरपूर रहा। इन्होंने न तो अपने नाम के लिए काम किया और न ही किसी राजनीतिक लाभ के लिए, बल्कि इसलिए कि समाज बिखरे नहीं, कमजोर न पड़े और अपनी पहचान न खोए। आज जब शौण्डिक (सुढ़ी) समाज की युवा पीढ़ी राजनीतिक अधिकार, प्रतिनिधित्व और हिस्सेदारी की बात कर रही है, तब इन महापुरुषों का स्मरण केवल श्रद्धा नहीं, बल्कि एक चेतावनी भी है कि बिना संगठन और सामाजिक चेतना के कोई भी समाज आगे नहीं बढ़ सकता। यही कारण है कि ये नाम आज भी प्रासंगिक हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बने हुए हैं। शौण्डिक समाज का भविष्य तभी सुरक्षित होगा, जब उसका वर्तमान अपने अतीत से सीखेगा। इन महापुरुषों की विरासत यही संदेश देती है कि समाज केवल संख्या से नहीं, बल्कि सोच, संगठन और साहस से मजबूत बनता है।

हत्या मामले में दो सगे भाई गिरफ्तार

कोढ़ा/कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कोढा पुलिस को अपराध नियंत्रण की दिशा में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। हत्या मामले में दो सगे भाई को गिरफ्तार किया है। कोढ़ा थाना क्षेत्र में हुई एक हत्या की घटना में शामिल दो मुख्य आरोपियों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई कोढ़ा थाना कांड संख्या 132/25 के तहत की गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपी हत्या के एक गंभीर मामले में वांछित थे। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दोनों को धर दबोचा। पकड़े गए दोनों आरोपी आपस में भाई बताए जा रहे हैं उदिश ऋषि (22) सुजीत ऋषि (20) दोनों आरोपी लक्ष्मण ऋषि के पुत्र हैं और कोढ़ा थाना क्षेत्र के बिशनपुर के निवासी बताए जा रहे हैं।

नाट्य-साहित्य के पुरोधा थे डॉ. चतुर्भुज, गीत-निर्झर थे विशुद्धानंद

डॉ. विजय शंकर मिश्र को दिया गया 'स्मृति-सम्मान', कवियों ने दोनों साहित्य मनीषियों को दी काव्यांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रेल में अधिकारी और आकाशवाणी में निदेशक रहे बिहार के महान रंगकर्मी डॉ. चतुर्भुज नाट्य-साहित्य के प्रणम्य पुरोधा थे। नाट्य-साहित्य को मंचन-योग्य शिल्प देकर उन्होंने न केवल रंग-मंच को समृद्ध किया, अपितु अपनी मोहक काव्य-कल्पनाओं से ऐतिहासिक नाटकों को विपुल समृद्धि प्रदान की। अपने नाटकों से उन्होंने यह भी सिद्ध किया कि वे एक लेखक ही नहीं एक महान दार्शनिक चिंतक भी हैं। वहीं दूसरी ओर कवि विशुद्धानन्द एक ऐसे कवि थे, जिन्होंने अपने मर्म-स्पर्शी गीतों से हिन्दी के काव्य-साहित्य को नूतन ऊर्जा दी।

हिमालय से गिरती निर्झरनियों की तरह बहती उनकी गीति-रचनाएँ और वैसा ही उनका जीवन और जीवन-दर्शन प्रेरणादायक है। संघर्षों और घटनाओं से भरा उनका जीवन उनके दर्द भरे गीतों में गूंजता है। यह बातें गुरुवार को, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती-सह-सम्मान समारोह एवं कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि विशुद्धा जी ने अपना संपूर्ण जीवन साहित्य और संस्कृति-कर्म को दिया। वे एक पूर्णकालिक कलमजीवी साहित्य-सेवी थे। उनका संबंध सिनेमा और आकाशवाणी से भी रहा। उन्होंने फिल्मों और धारावाहिकों के लिए भी पटकथा और गीत लिखे। पाटलिपुत्र की महान विरासत पर दूरदर्शन के लिए लिखी गई उनकी धारावाहिक 'पाटलिपुत्र में बदलती हवाएँ, सिहरती धूप', नाट्य-साहित्य और बिहार को एक बड़ी देन है। डॉ. सुलभ ने कहा कि डॉ. चतुर्भुज का जीवन बहु-आयामी था। वे रेलवे के अधिकारी रहे, अनेक विद्यालयों में शिक्षक रहे, आकाशवाणी की सेवा की, केंद्र-निदेशक के पद से अवकाश लिया, निजी कंपनियों में भी कार्य किए। अनेक कार्य पकड़े, अनेक छोड़े। किंतु एक कार्य से कभी पृथक नही हुए, वह था नाट्य-कर्म। सभी तरह की भूमिकाएँ की, नारी-पात्र की भी, नाटक लिखे, निर्देशन किया, प्रस्तुतियाँ की। नाट्य-कर्म से संबद्ध सबकुछ किया। उनका जीवन और नाटक पर्यायवाची शब्द की तरह अभिन्न थे। बालपन से मृत्य-पर्यन्त वे इससे कभी पृथक नहीं हो सके। डॉ. चतुर्भुज के पुत्र एवं सुप्रसिद्ध नाटककार डॉ. अशोक प्रियदर्शी ने कहा कि डॉ. चतुर्भुज मेरे पिता ही नहीं मेरे आचार्य भी थे। जो कुछ भी सीखा, उन्हीं से सीखा। उन्होंने ही मुझे गढ़ा और संस्कृति-कर्मी और नाटककार बनाया। नाटकों में उनका प्राण बसता था। वे रेल में बैठकर नाटक लिखा करते थे। बौद्ध-साहित्य के विद्वान जगदीश कश्यप की प्रेरणा से उन्होंने स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त की और पी एच डी भी । वे रात के दस बजे के बाद, नीचे चटाई पर बैठकर, पढ़ा लिखा करते थे। इस अवसर पर मुज़फ़्फ़रपुर के वरिष्ठ कवि डॉ. विजय शंकर मिश्र को 'कवि विशुद्धानंद स्मृति सम्मान' से अलंकृत किया गया। विशुद्धानंद जी द्वारा स्थापित सांस्कृतिक संस्था 'आनन्दाश्रम' के सौजन्य से डा मिश्र को पाँच हजार एक सौ रूपए की सम्मान-राशि के साथ, वंदन-वस्त्र और स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सम्मेलन की उपाध्यक्ष, डॉ. मधु वर्मा, साहित्य मंत्री भगवती प्रसाद द्विवेदी, डॉ. संजय पंकज, डा किशोर सिन्हा, डॉ. ओम प्रकाश जमुआर, डा चतुर्भुज के पुत्र कुमार शांत रक्षित, कवि विशुद्धानंद के कवि-पुत्र प्रवीर पाण्डेय, डा रमेश पाठक तथा विभारानी श्रीवास्तव ने भी अपने उद्गार व्यक्त किए। इस अवसर पर आयोजित कवि-सम्मेलन का आरंभ चंदा मिश्र की वाणी-वंदना से हुआ। वरिष्ठ कवि बच्चा ठाकुर, श्याम बिहारी प्रभाकर, मधुरेश नारायण, प्रो. सुनील कुमार उपाध्याय, अविनाश बंधु, सिद्धेश्वर, नीता सहाय, इन्दु भूषण सहाय आदि कवियों और कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं से दोनों साहित्यिक विभूतियों को काव्यांजलि अर्पित की। मंच का संचालन कुमार अनुपम ने तथा धन्यवाद ज्ञापन पुस्तकालय मंत्री अशोक कुमार ने किया।

प्राणपुर विधायक ने किया दही-चूड़ा भोज का आयोजन

कार्यकर्ताओं को शॉल व डायरी देकर किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। प्राणपुर विधायक सह मनसाही प्रखंड के चितौड़िया पंचायत के बड़ी बथना निवासी निशा सिंह अपने आवास पर मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर दही- चूड़ा भोज का आयोजन किया।

इस मौके पर प्राणपुर विधायक निशा सिंह ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने आवास पर दही-चूड़ा भोज का आयोजन किए साथ ही लिट्टी चोखा भी खिलाएं तथा कार्यकर्ता सम्मान समारोह का भी आयोजन किये। सभी कार्यकताओं को शॉल ओढ़ाकर एवं डायरी, कैलेंडर देकर सम्मानित किए। इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष मनोज राय, मनसाही प्रखंड अध्यक्ष बब्बन सिंह आदि मौजूद रहे।

अमौर प्रखंड में 'सबकी योजना, सबका विकास' अभियान के तहत विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन

पारदर्शी और सहभागी पंचायत शासन को मिली नई दिशा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमौर। अमौर प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में 'सबकी योजना, सबका विकास' जन योजना अभियान 2025-26 के तहत विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन उत्साह और व्यापक जनभागीदारी के साथ किया गया। दलमालपुर, धुरपैली, पोठिया गंगेली, बरबट्टा सहित अन्य पंचायतों में आयोजित इन ग्राम सभाओं की अध्यक्षता संबंधित पंचायतों के मुखिया नियाज अहमद, निशात, राजेश कुमार एवं गुलाम अजहर ने की।

ग्राम सभाओं में बड़ी संख्या में ग्रामीण, प्रबुद्ध नागरिक, पंचायत प्रतिनिधि एवं पंचायत कर्मियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। बैठक को संबोधित करते हुए पंचायत मुखियाओं ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए यह अभियान ग्राम सभा के माध्यम से इसलिए चलाया जा रहा है ताकि स्थानीय शासन को अधिक सहभागी, पारदर्शी और जनोन्मुखी बनाया जा सके। ग्राम सभाओं के दौरान पंचायत क्षेत्रों में संचालित विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना, नल-जल योजना, मनरेगा, वृद्धा एवं विधवा पेंशन, सड़क निर्माण, स्वच्छता अभियान सहित पूर्व में स्वीकृत योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि पंचायत क्षेत्रों में आवास सर्वे का कार्य जारी है, जिसमें लोगों को जागरूक करते हुए पारदर्शी ढंग से सर्वे किया जा रहा है। वहीं कई पंचायतों में योग्य लाभुकों के नाम सूची से कटने के मामलों को लेकर ग्रामीणों ने आपत्ति दर्ज कराई। इस पर पंचायत प्रतिनिधियों ने जांच कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं, जैसे जल जीवन मिशन सहित अन्य कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई। साथ ही वर्ष 2026-27 की ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) की रूपरेखा तैयार की गई, जिसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म ई-ग्राम स्वराज एवं अकटूल 'सभासार' का उपयोग कर योजनाओं को धरातल पर उतारने की रणनीति बनाई गई। ग्राम सभा में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं, आवश्यकताएं और सुझाव खुलकर रखे, जिस पर पंचायत प्रतिनिधियों ने समाधान का आश्वासन दिया। मुखियाओं ने ग्राम सभा को लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी बताते हुए कहा कि इसी माध्यम से पंचायत स्तर पर विकास कार्यों को वास्तविक गति मिलती है। उन्होंने ग्रामीणों से योजनाओं के क्रियान्वयन में सकारात्मक सहयोग करने की अपील की।

पूर्णिया में मेगा क्रेडिट कैंप : जीविका दीदियों के सशक्तिकरण की नई इबारत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। पूर्णिया के प्रेक्षा गृह सह आर्ट गैलरी में शुक्रवार को भारतीय स्टेट बैंक और जीविका के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मेगा क्रेडिट कैंप महिला आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, उत्तर बिहार नेटवर्क (पटना मंडल) के महाप्रबंधक श्री आर. नटराजन, जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक ओम प्रकाश मंडल, सूक्ष्म वित्त प्रबंधक मो. बहाउद्दीन, उप महाप्रबंधक मनीष कुमार मिश्रा, क्षेत्रीय प्रबंधक निताय कुमार झा एवं जीविका दीदियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। स्वागत गान के माध्यम से जीविका दीदियों ने अतिथियों का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर पूर्णिया जिले के 666 जीविका स्वयं सहायता समूहों को भारतीय स्टेट बैंक द्वारा 10 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया। वहीं इस अंचल के नौ से अधिक जिलों की जीविका स्वयं सहायता समूहों के लिए कुल 60 करोड़ रुपये का ऋण डेमो चेक के माध्यम से दीदियों को सौंपा गया, जो क्षेत्रीय स्तर पर महिला समूहों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। दीदियों को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक आर. नटराजन ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 10 हजार रुपये की सहायता राशि से दीदियों ने छोटे-छोटे उद्यम शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि जो दीदियाँ अपने व्यवसाय को और आगे बढ़ाना चाहती हैं, वे आधार और पैन कार्ड के साथ भारतीय स्टेट बैंक की नजदीकी शाखा में संपर्क कर व्यक्तिगत ऋण प्राप्त कर सकती हैं। यह ऋण स्वयं सिद्धा योजना के अंतर्गत 1 लाख से 4 लाख रुपये तक उपलब्ध होगा। जिला परियोजना प्रबंधक ओम प्रकाश मंडल ने अपने संबोधन में कहा कि यदि एसबीआई को 'सबको बढ़ाने का इरादा' कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। उन्होंने बैंक से आग्रह किया कि जीविका दीदियों के लिए व्यक्तिगत वित्त की सुविधा को और व्यापक बनाया जाए, क्योंकि इस क्षेत्र में अभी भी संभावनाएं अपार हैं। महाप्रबंधक ने इस मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए घोषणा की कि जीविका की 100 दीदियों को एक सप्ताह के भीतर व्यक्तिगत ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जो दीदियों के लिए एक बड़ा भरोसा और अवसर है। कार्यक्रम में जिले भर से 400 से अधिक जीविका दीदियों की सक्रिय भागीदारी रही। इस मौके पर जिले के सभी प्रखंड परियोजना प्रबंधक, एसबीआई क्रेडिट के मुख्य प्रबंधक सहित भारतीय स्टेट बैंक के सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। यह मेगा क्रेडिट कैंप न केवल वित्तीय सहायता का मंच बना, बल्कि आत्मनिर्भर महिला शक्ति के संकल्प को भी मजबूती से आगे बढ़ाता नजर आया।

कदाचारमुक्त परीक्षा आयोजन को लेकर डीएम ने की बैठक, दिये निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग की ओर आयोजित पुलिस अवर निरीक्षक के पदों नियुक्ति परीक्षा शांतिपूर्वक एवं कदारचारमुक्त वातावरण में संचालित करने को लेकर समाहरणालय सभागार में जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नोडल पदाधिकारी, जोनल सह गश्ती दंडाधिकारी, स्टैटिक दंडाधिकारी एवं केन्द्राधीक्षक के साथ पुलिस पदाधिकारी शामिल हुए।परीक्षा संचालन की तैयारियों की जानकारी देते हुए सहायक परीक्षा संचालक सह जिला शिक्षा पदाधिकारीने बताया कि प्रारंभिक लिखित प्रतियोगिता परीक्षा 18.01.2026 रविवार तथा 21.01.2026 बुधवार को दो पालियों में आयोजित की जाएगी। 10 केन्द्रों पर आयोजित होने वाली इस परीक्षा में लगभग 4,032 अभियार्थियों के शामिल होने की संभावना है। दोनों दिनों की परीक्षा को शांतिपूर्ण वातारण में कदाचार मुक्त आयोजित कराने को लेकर जिला समाहर्ता-सह-जिला दंडाधिकारी एवं पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय द्वारा संयुक्त रूप से केन्द्रों के लिए नामित नोडल पदाधिकारी, जोनल सह गश्ती दंडाधिकारी, स्टैटिक दंडाधिकारी एवं केन्द्राधीक्षक एवं पुलिस पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।जिला शिक्षा पदाधिकारी ने सभी केद्राधीक्षक एवं मजिस्ट्रेट को बताया कि किसी भी परीक्षा केन्द्र में मोबाईल फोन, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ, वाई-फाई गैजेट, इलेक्ट्रॉनिक डिवाईस, वाईटनर, ईरेजर एवं ब्लेड जैसी समाग्री के साथ प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा। परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थी जूता पहनकर जा सकेंगे। लेकिन केन्द्राधीक्षक के निर्देशानुसार जूते उतार कर पूरी जांच करवाना सुनिश्चित करेंगे।

2 करोड़ सालाना की कमाई

आईआईएम को मारी ठोकर, सिर्फ 5000 से शुरू किया काम

नई दिल्ली, एजेंसी। मेघा सरायन कोलकाता की रहने वाली हैं। उनका बैकग्राउंड इकोनॉमिक्स का रहा है। कलकत्ता विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान मेघा ने कभी नहीं सोचा था कि उनका भविष्य कॉर्पोरेट ऑफिस के बजाय ओवन और केक के बीच होगा। एक कुकिंग वर्कशॉप से शुरू हुआ उनका बेकिंग का शौक आज लैंड ऑफ केक्स जैसे मल्टी-करोड़ स्टार्टअप में बदल चुका है। सिर्फ 5,000 रुपये की पूंजी से उन्होंने इसकी शुरुआत की थी। मां की रसोई से सफर शुरू करने वाली मेघा ने न केवल उद्यमिता की मिसाल पेश की, बल्कि अपने जुनून के लिए आइआइएम कोझिकोड जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से एमबीए करने का ऑफर भी ठुकरा दिया। आज उनका ब्रांड कोलकाता में अपनी खास पहचान बना चुका है। आइए, यहां मेघा सरायन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। साल 2017 में मेघा सरायन अपनी पढ़ाई के साथ शौक के लिए केक बनाती थीं। दोस्तों के प्रोत्साहन पर उन्होंने जोमैटो पर अपना पहला उत्पाद चॉकलेट ट्रफल केक लिस्ट किया। बिना किसी बिजनेस अनुभव के उन्होंने अपनी मां की रसोई से काम शुरू किया। पहले महीने सिर्फ 3,000 रुपये कमाए। दिन में कॉलेज की पढ़ाई और रात में केक के ऑर्डर पूरे करने की उनकी मेहनत रंग लाने लगी। जल्द ही उन्होंने 5,000 रुपये के निवेश के साथ 100 वर्ग फीट की एक छोटी सी जगह किराए पर लेकर आधिकारिक तौर पर लैंड ऑफ केक्स की शुरुआत की। मेघा के बिजनेस के लिए असली बदलाव तब आया जब उन्होंने जोमैटो के साथ एक एक्सक्लूसिव पार्टनरशिप की। इसके बदले जोमैटो ने उनके ब्रांड को प्राथमिकता देना शुरू किया। इससे उनके डेली ऑर्डर 8 से बढ़कर 25 तक पहुंच गए। पहले साल के अंत तक उनका रेवेन्यूज 3 लाख रुपये तक पहुंच गया। उन्होंने 500 से ज्यादा ग्राहकों को सेवा दी। इस सफलता ने उन्हें अपना ऑपरेशंस ऑटोमेट करने और टीम बनाने का आत्मविश्वास दिया। इससे वह अपनी पढ़ाई और बिजनेस के बीच संतुलन बना सकीं।

एप्पल की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, लग सकता है 34.33 लाख करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। आईफोन बनाने वाली अमेरिकी दिग्गज कंपनी एप्पल की भारत में परेशानियां बढ़ सकती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने एंटी-ट्रस्ट मामले में एप्पल को आखिरी चेतावनी दी है। आरोप है कि कंपनी पिछले एक साल से ज्यादा समय से सरकारी अधिकारियों को जरूरी जवाब नहीं दे रही है और जांच प्रक्रिया में सहयोग नहीं कर रही। एप्पल को आशंका है कि अगर प्रतिस्पर्धा आयोग ने उसके ग्लोबल टर्नओवर के आधार पर जुर्माना तय किया, तो उस पर करीब 38 अरब डॉलर यानी लगभग 34,33,69,90,00,000 (34.33 लाख करोड़) का भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। जांच में यह बात सामने आई है कि एप्पल ने अपने ऐप स्टोर पर अपनी मजबूत स्थिति का दुरुपयोग किया। हालांकि कंपनी ने इन आरोपों से इनकार किया है। यह मामला फिलहाल दिल्ली हाई कोर्ट में विचाराधीन है। 31 दिसंबर के एक गोपनीय आदेश से खुलासा हुआ है कि एप्पल ने कोर्ट में चल रहे जुर्माने के नियमों के विवाद के दौरान पूरे एंटी-ट्रस्ट केस पर रोक लगाने की कोशिश की थी। हालांकि, सीसीआई ने कंपनी की इस मांग को खारिज कर दिया। सीसीआई के अनुसार, अक्टूबर 2024 में एप्पल से जांच के निष्कर्षों पर आपत्तियां दर्ज करने और जुर्माने के आकलन के लिए जरूरी वित्तीय जानकारी देने को कहा गया था। इसके बावजूद एप्पल को कई बार समय देने के बाद भी कंपनी ने आवश्यक विवरण उपलब्ध नहीं कराए। इस मामले पर एप्पल ने कोई जवाब नहीं दिया। गौरतलब है कि 2024 में जांच एजेंसियों ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें एप्पल पर आइओएस ऐप बाजार में प्रतिस्पर्धा-विरोधी और दुरुपयोगपूर्ण आचरण करने का आरोप लगाया गया था। एप्पल मार्केट कैप के लिहाज से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है, जिसका मौजूदा मार्केट कैप करीब 3.815 ट्रिलियन डॉलर है।

विदेशी ब्रांड उठा रहे पीएलआई जैसी योजनाओं का ज्यादा लाभ, स्वदेशी कंपनियां पीछे

भारत सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार, ताइवान, दक्षिण कोरिया और चीन का दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार ने भारत को सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार के साथ दुनिया की दूसरी बड़ी फैक्टरी भी बना दिया है। स्वदेशी जैसे लक्ष्य को पाने में मेक इन इंडिया और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) समेत अन्य योजनाओं ने भी बड़ी भूमिका निभाई है। लेकिन, इनका ज्यादा फायदा विदेशी ब्रांड उठा रहे हैं। स्वदेशी कंपनियां दौड़ में पीछे हो रही हैं। सरकार की कोशिशों का ही नतीजा है कि भारत उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और स्मार्टहोम अप्लायंसेज के लिए दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बन गया है। यह बाजार उपभोक्ता के साथ विक्रेता के रूप में भी स्थापित हो चुका है। 2014-15 में मोबाइल का घरेलू उत्पादन महज 18,000 करोड़ रुपये का था, जो 2024-25 में 28 गुना बढ़कर 5.45 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।इसमें सबसे बड़ी भूमिका पीएलआई की रही है।

आंकड़े यह भी बताते हैं कि इस योजना का सबसे ज्यादा लाभ विदेशी ब्रांडों को मिला है। स्वदेशी कंपनियां इन योजनाओं का उतना बेहतर तरीके से लाभ नहीं उठा पातीं। यह सब बौद्धिक संपदा और ब्रांडों के तहत हो रहा है, जिनका मालिकाना हक भारत के पास नहीं है। इसका मतलब है कि ये भविष्य सुरक्षित नहीं हैं, क्योंकि ये बहुराष्ट्रीय कंपनियां बेहतर लागत मिलने पर अन्य देशों की ओर अपनी विनिर्माण क्षमता मोड़ सकती हैं। भारत को दुनिया का विनिर्माण केंद्र बनाने का एकमात्र तरीका भारतीय ब्रांड को मजबूत करना है, जो न सिर्फ भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिस्पर्धा कर सकें। आईटेल इंडिया के सीईओ अरिजीत तलपात्रा ने कहा, आज कंज्यूमर ड्यूरेबल और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में ताइवान, दक्षिण कोरिया एवं चीन के ब्रांड सरकारी नीतियों का सबसे ज्यादा लाभ उठा रहे हैं। ऐसे में भारतीय विनिर्माता अपने ही बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते। सरकारी खरीदारी में प्राथमिकता मिलने से भारतीय कंपनियां नई क्षमता हासिल कर सकती हैं।

चीन के 5 फीसदी विकास लक्ष्य पर संकट, हाईटेक रणनीति से नहीं बन रही बात

रोजगार संकट और ऑटोमेशन का जोखिम, प्रॉपर्टी:अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की अर्थव्यवस्था को रियल एस्टेट संकट से बाहर निकालने के लिए एआई, रोबोटिक्स व इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे हाईटेक उद्योगों पर लगाया गया दांव नतीजे देने में सक्षम नहीं हो रहा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था रॉडियम ग्रुप के मुताबिक, चीन को 5 फीसदी जीडीपी वृद्धि बनाए रखनी है, तो नए उद्योगों को हर साल निवेश वृद्धि को 2 पॉइंट ऊपर ले जाना होगा। यह मामूली हिस्सा नहीं, बल्कि निवेश वृद्धि दर में बड़ी बढ़ोतरी है, जो मौजूदा हालात में हासिल करना कठिन नजर आता है। 2023 से 2025 के बीच एआई, रोबोटिक्स और इलेक्ट्रिक कारों जैसे नए उद्योगों ने आर्थिक उत्पादन वृद्धि की रफ्तार को मिलाकर सिर्फ 0.8 पॉइंट ऊपर किया। रियल एस्टेट और अन्य पारंपरिक क्षेत्रों की कमजोरी ने आर्थिक वृद्धि को 6 पॉइंट नीचे खींच लिया। यह अंतर दिखाता है कि हाई-टेक सेक्टर भले ही बढ़ रहे हों, लेकिन वे अभी इतने बड़े

और प्रभावशाली नहीं हैं कि प्रॉपर्टी और पारंपरिक उद्योगों में आई गिरावट से पैदा हुए दबाव की भरपाई कर सकें। हाल के वर्षों में बीजिंग ने लगातार करीब 5 फीसदी जीडीपी वृद्धि का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए इस साल ही 2.8 ट्रिलियन युआन के अतिरिक्त निवेश की जरूरत होगी। यह 2025 के मुकाबले 120 फीसदी अधिक है। एआई या रोबोटिक्स जैसे कुछ सेक्टरों में निवेश तेज हो सकता है, लेकिन उभरते उद्योगों के लिए इतनी तेज और टिकाऊ रफ्तार बनाए रखना मुश्किल होगा। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग सबसे तेज वृद्धि दर पहले ही देख चुका है व आने वाले वर्षों में रफ्तार धीमी पड़ सकती है। चीन के नए औद्योगिक सेक्टर कर्मचारियों को उच्च वेतन तो देते हैं, लेकिन वे पारंपरिक उद्योगों की तुलना में काफी कम रोजगार देते हैं। फैक्टरी ऑटोमेशन में वृद्धि और वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग में चीन के पहले से मौजूद 30 फीसदी हिस्से के चलते एक दशक में 10 करोड़ तक नौकरियां खत्म होने का खतरा है। पिछले साल चीन की शहरी बेरोजगारी दर अधिकांश समय 5 प्रतिशत से ऊपर रही। युवाओं में बेरोजगारी इससे लगभग तीन गुना अधिक दर्ज की गई। सरकार हाई-टेक विकास को प्राथमिकता दे रही है लेकिन रियल एस्टेट संकट से निपटने के लिए सीमित कदम उठाए हैं। एक समय यह सेक्टर चीन की जीडीपी के एक-चौथाई से अधिक योगदान देता था। पिछले साल नए घरों की बिक्री 2009 के बाद के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। कुल वृद्धि फिर भी दबाव में - निवेश फर्म केकेआर के अनुसार प्रॉपर्टी सेक्टर की कमजोरी इस साल चीन की जीडीपी वृद्धि से 1.2 पॉइंट घटा सकती है। डिजिटल तकनीकों से अनुमानित 2.6 पॉइंट के योगदान के बावजूद कुल वृद्धि दर 4.6 फीसदी के आसपास रह सकती है। भले ही 2026 के लिए 5 फीसदी का लक्ष्य रखा जाए, लेकिन रियल एस्टेट की सुस्ती और कमजोर रोजगार बाजार इस पर सवाल खड़े करते हैं।

विजय केडिया के दांव लगाते ही रॉकेट बना स्मॉलकैप शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज निवेशक विजय केडिया के दांव लगाते ही स्मॉलकैप कंपनी पटेल इंजीनियरिंग के शेयर रॉकेट बन गए हैं। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर शुक्रवार को बीएसइ में 12 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 30.89 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 5 दिन में स्मॉलकैप कंपनी के शेयरों में 16 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। विजय केडिया ने 5 तिमाहियों के बाद पटेल इंजीनियरिंग में फिर से वापसी की है। केडिया ने सिविल कंस्ट्रक्शन से जुड़ी कंपनी पटेल इंजीनियरिंग पर बड़ा दांव लगाया है। केडिया की हिस्सेदारी 1.01 पर्सेंट है। केडिया ने यह हिस्सेदारी अपनी इनवेस्टमेंट फर्म केडिया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड के जरिए खरीदी है। इससे पहले, केडिया की पटेल इंजीनियरिंग में 1.42 पर्सेंट हिस्सेदारी थी। विजय केडिया जून 2024 में पटेल इंजीनियरिंग से बाहर हो गए थे। सिविल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी पटेल इंजीनियरिंग के शेयर पिछले एक साल में 37 पर्सेंट टूट गए हैं। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 16 जनवरी 2025 को 48.91 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 16 जनवरी 2026 को 30.89 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 6 महीने में पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में 20 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, इस साल अब तक सिविल कंस्ट्रक्शन कंपनी के शेयर 8 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 51.86 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 26.16 रुपये है। अगर पिछले पांच साल की बात करें तो स्मॉलकैप कंपनी पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में 150 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 15 जनवरी 2021 को 12.25 रुपये पर थे।

अपर्चुनिटीज फंड्स से पांच साल में मिला 27 फीसदी लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉरपोरेट पुनर्गठन, सरकारी नीतियों या

नियमों में बदलाव, किसी सेक्टर में उथल-पुथल लेकिन अस्थायी चुनौतियों से गुजरने वाली स्थितियों पर आधारित अपर्चुनिटीज फंडों ने पांच साल में 27 फीसदी तक रिटर्न दिया है। ये योजनाएं नीचे से ऊपर की ओर चुनने की रणनीति अपनाती हैं। इसमें बाजार पूंजीकरण या सेक्टर की कोई पाबंदी नहीं होती। आंकड़ों के मुताबिक, फ्रैंकलिन इंडिया फंड ने पांच साल में 20.69 फीसदी रिटर्न दिया है। सुंदरम सर्विसेस ने 19.04 फीसदी फायदा दिया है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल की अपर्चुनिटीज स्कीम ने 27 फीसदी का लाभ दिया है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो विशेष स्थितियों की थीम पर काम करती है। इस स्कीम ने निवेशकों को बेहतर निवेश अनुभव देते हुए सात साल पूरे कर लिए हैं। स्कीम में सात साल पहले लगाए गए दस लाख अब 37.76 लाख हो गए हैं। सालाना 21 फीसदी का लाभ। यही रकम स्कीम के बेंचमार्क निफ्टी-500 टीआरआई में 28 लाख (15.97 फीसदी) हुई है। भविष्य में अच्छा फायदा मिलने की उम्मीद- आईप्रू के ईडी एस नरेन कहते हैं, समय-समय पर विशेष स्थितियों का सामना कंपनियों को करना पड़ता है। ये अचानक बाजार में उथल-पुथल व नियमों में बदलाव जैसी स्थितियां हो सकती हैं। ऐसी कंपनियों में निवेश करने का मकसद इन पलों को लंबे समय के निवेशकों के लिए मौके में बदलना होता है।

ई-कॉमर्स दिग्गजों पर सीसीपीए का डंडा

अमेजन, फ्लिपकार्ट और मेटा पर लगा जुर्माना, जानिए क्यों की गई कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय करने की दिशा में एक कड़ा रुख अपनाते हुए, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने नियमों के उल्लंघन पर बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने अनधिकृत वॉकी-टॉकी की लिस्टिंग और बिक्री के लिए अमेजन, फ्लिपकार्ट, मेटा (फेसबुक मार्केटप्लेस) और मीशो सहित आठ संस्थाओं पर कुल 44 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और मौजूदा दूरसंचार कानूनों के उल्लंघन के आधार पर की गई है। सीसीपीए ने पाया कि इन प्लेटफॉर्म्स पर 16,970 से अधिक गैर-अनुपालन वाले उत्पादों को सूचीबद्ध किया गया था।

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे के अनुसार, सीसीपीए ने उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापन और अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए दंड निर्धारित किया है- 10-10 लाख रुपये का जुर्माना- मीशो, मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक मार्केटप्लेस), फ्लिपकार्ट, और अमेजन पर। रिपोर्ट के अनुसार, मीशो, मेटा, चिमिया, जियोमार्ट और टॉक प्रो ने अपने जुर्माने का भुगतान कर दिया है, जबकि शेष प्लेटफॉर्म्स से भुगतान का इंतजार है। सीसीपीए की जांच में यह

सामने आया कि ये प्लेटफॉर्म्स ऐसे पर्सनल मोबाइल रेडियो की बिक्री की सुविधा दे रहे थे, जो लाइसेंस-मुक्त फ्रीक्वेंसी बैंड के बाहर काम कर रहे थे। नियमों के अनुसार, ऐसे उपकरणों की बिक्री या संचालन से पहले उपकरण प्रकार अनुमोदन सर्टिफिकेशन लेना अनिवार्य है। सीसीपीए ने चेतावनी दी है कि अनधिकृत रेडियो संचार उपकरण राष्ट्रीय संचार नेटवर्क में हस्तक्षेप कर सकते हैं। इससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों, आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों और आपातकालीन सेवाओं के संचालन में बाधा आ सकती है, जो सीधे तौर पर सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है। इस मामले में नई गाइडलाइंस क्या इस मामले की गंभीरता को देखते हुए, सीसीपीए ने रेडियो उपकरणों की अवैध लिस्टिंग और बिक्री की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश, 2025 अधिसूचित किए हैं। इनके तहत अब ई-कॉमर्स कंपनियों को- लिस्टिंग से पहले ईटीए प्रमाणन और फ्रीक्वेंसी अनुपालन का सत्यापन करना होगा। स्वचालित निगरानी और टेकडाउन तंत्र तैनात करना होगा।

कंपनी के किस तर्क को सीसीपीए ने किया खारिज

सुनवाई के दौरान कई ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने इंटरमीडियरी (मध्यस्थ) होने का तर्क देते हुए तीसरे पक्ष की लिस्टिंग के लिए जिम्मेदारी से बचने की कोशिश की। हालांकि, सीसीपीए ने इस बचाव को सिरे से खारिज कर दिया। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि जो प्लेटफॉर्म उत्पादों की लिस्टिंग, होस्टिंग और प्रमोशन की सुविधा देते हैं, उन्हें केवल पैसिव कंड्यूट (मूक माध्यम) नहीं माना जा सकता। सुरक्षित और कानूनी उत्पादों की बिक्री सुनिश्चित करना इन प्लेटफॉर्म्स की अनिवार्य जिम्मेदारी है।

अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सेल्फ-ऑडिट करना होगा और उसका प्रमाणपत्र ऑनलाइन प्रकाशित करना होगा। इंडिया मार्ट और ट्रेड इंडिया सहित पांच अन्य संस्थाओं के खिलाफ जांच अभी भी जारी है। यह कार्रवाई ई-कॉमर्स क्षेत्र में संदेश है कि डिजिटल बाजार में विकास के साथ-साथ कानूनी जवाबदेही और उपभोक्ता सुरक्षा सर्वोपरि है।

मिडिल ईस्ट तनाव कम होने से थमी तेल कीमतों की गिरावट

इसकी वजह अमेरिका की ओर से यह संकेत मिलना है कि फिलहाल ईरान पर सैन्य कार्रवाई टाली जा सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी। जून के बाद सबसे बड़ी गिरावट देखने के बाद कच्चे तेल की कीमतें स्थिर हो गई हैं। इसकी वजह अमेरिका की ओर से यह संकेत मिलना है कि फिलहाल ईरान पर सैन्य कार्रवाई टाली जा सकती है। ईरान पर अमेरिकी हमले की आशंका बढ़ने के बीच दो सत्रों में तेल की कीमतों में करीब 6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी।

गुरुवार को 4.6 फीसदी की बड़ी गिरावट के बाद वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 59 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार करता दिखा, जबकि ब्रेंट क्रूड 64 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू

ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ईरान पर हमले की योजना को फिलहाल टालने का आग्रह किया है। इस घटनाक्रम से यह संभावना कम हो गई है कि अमेरिका ईरान में जारी हिंसक प्रदर्शनों पर तुरंत सैन्य प्रतिक्रिया देगा। अगर ऐसा होता, तो शिपिंग रूट्स और तेल उत्पादन में बाधा आ सकती थी।

मिडिल ईस्ट में बढ़ रही है अमेरिकी सैन्य मौजूदगी

हालांकि, अमेरिका मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य मौजूदगी लगातार बढ़ा रहा है। आने वाले दिनों में अतिरिक्त सैन्य उपकरण क्षेत्र में भेजे जाने की उम्मीद है और कम से कम एक एयरक्राफ्ट कैरियर पहले ही रास्ते में है। इसी बीच, ट्रैफिगुरा ग्रुप लैटिन अमेरिकी देश से अपना पहला ऑयल कार्गो कुराकाओ स्थित स्टोरेज फैसिलिटी में उतारने की तैयारी में है। यह कदम अमेरिका सरकार की उस रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके तहत तेल बैरल्स की मार्केटिंग को नियंत्रित किया जा रहा है। कैरिबियन क्षेत्र में अमेरिका प्रतिबंधित जहाजों के इस्तेमाल को लेकर सख्ती बढ़ा रहा है। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के पास छठे ऑयल टैंकर को जब्त कर लिया है। विश्लेषकों के मुताबिक, 8 जनवरी से तेल की कीमतों में आई तेजी के बाद इस हफ्ते के अंत तक बाजार में ज्यादा हलचल की उम्मीद नहीं है। इसकी बड़ी वजह यह चिंता है कि अमेरिका ओपेक के चौथे सबसे बड़े तेल उत्पादक देश को निशाना बना सकता है, जिससे रोजाना 30 लाख बैरल से ज्यादा उत्पादन खतरे में पड़ सकता है। इसके अलावा, वेनेजुएला में जारी राजनीतिक अस्थिरता और ब्लैक सी क्षेत्र से कजाखस्तान के तेल निर्यात में रुकावट ने भी कीमतों को सहारा दिया है।

अडानी की 2 कंपनियों पर बदला मूडीज का मूड, अब फोकस में रहेंगे ग्रुप के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने अडानी ग्रुप की दो कंपनियों को गुड न्यूज दी है। दरअसल, मूडीज ने गुरुवार (15 जनवरी) को अडानी ट्रांसमिशन स्टेप-वन लिमिटेड और अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड के आउटलुक को नेगेटिव से स्टेबल कर दिया है। एजेंसी ने कहा कि उम्मीद है कि अगले 12-18 महीनों में दोनों कंपनियां लिक्विडिटी और क्रेडिट प्रोफाइल तक मजबूत पहुंच बनाए रखेंगी, जो उनकी इन्वेस्टमेंट-ग्रेड रेटिंग के मुताबिक होगी।

रेटिंग एजेंसी ने एटीएसओएल और एईएमएल की बीएए3 सीनियर सिक्योर्ड रेटिंग्स को बरकरार रखा और एईएमएल के (पी)बीएए3 सीनियर सिक्योर्ड मीडियम-टर्म नोट प्रोग्राम की भी पुष्टि की। इस पॉजिटिव खबर के बीच अब शुक्रवार को अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों पर निवेशकों की नजर रहेगी। बता दें कि गुरुवार को मकरसंक्रांति की वजह से शेयर बाजार बंद था।

रेटिंग एजेंसी ने ये भी कहा कि अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड से अगले 12-18 महीनों में लिक्विडिटी और क्रेडिट प्रोफाइल को अपनी रेटिंग के हिसाब से बनाए रखने की उम्मीद है। एजेंसी ने कहा कि ,क्वर्ध की मजबूत फाइनेंशियल प्रोफाइल को उसके प्लान किए गए ग्रोथ कैपिटल खर्च के विवेकाधीन नेचर और फंडिंग तक लगातार पहुंच से सपोर्ट मिलता है। मूडीज ने कहा कि वह अडानी ग्रुप की एक और कंपनी के सीनियर एग्जीक्यूटिव्स से जुड़े अमेरिका में चल रहे कानूनी मामलों पर नजर रखेगा। इसके साथ ही चेतावनी दी कि कोई भी बड़ा नेगेटिव डेवलपमेंट ग्रुप की कैपिटल तक पहुंच और ग्रोथ के लक्ष्यों को पूरा करने की क्षमता पर असर डाल सकता है। मूडीज ने कहा कि सॉवरेन रेटिंग में सुधार के बिना रेटिंग अपग्रेड की संभावना नहीं है, जबकि क्रेडिट मेट्रिक्स में लगातार कमजोरी या कानूनी मामलों के खराब नतीजों से लिक्विडिटी या ऑपरेशंस पर असर पड़ने पर रेटिंग डाउनग्रेड हो सकती है।

जेल से रिहा अपराधियों का नए सिरे से होगा सत्यापन

15 दिनों में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जिले में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को समाहरणालय स्थित पुलिस मुख्यालय सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने की। इस बैठक में ग्रामीण एसपी कपील चौधरी, सिटी एसपी रित्विक श्रीवास्तव के अलावा जिले के सभी डीएसपी, एसडीपीओ एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान पिछले पांच वर्षों में जेल से रिहा हुए अपराधियों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में जेल से कुल 3400 अपराधी रिहा हुए हैं, जिनमें से लगभग 1450 अभियुक्त आर्म्स एक्ट के मामलों में शामिल रहे हैं, जबकि करीब 1950 अभियुक्त विभिन्न संपत्तिमूलक अपराधों से जुड़े रहे हैं। एसएसपी ने इन आंकड़ों को गंभीर मानते हुए सभी अपराधियों का नए सिरे से पहचान एवं पते का सत्यापन कराने का सख्त निर्देश दिया।

एसएसपी ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में रिहा अपराधियों का भौतिक सत्यापन कर यह सुनिश्चित करें कि वे वर्तमान में कहां रह रहे हैं और उनकी गतिविधियां क्या हैं। इस कार्य को अगले 15 दिनों के भीतर हर हाल में पूरा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने बताया कि सत्यापन अभियान की दैनिक समीक्षा सिटी एसपी एवं ग्रामीण एसपी द्वारा की जाएगी, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो।

सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद जमानत पर रिहा अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखने तथा आवश्यकता नुसार प्रिवेंटिव कानूनी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए। एसएसपी ने कहा

कि यदि कोई अपराधी दोबारा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध त्वरित और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में जमानतदारों की भूमिका को लेकर मिल रही शिकायतों पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि हाल के दिनों में ऐसी सूचनाएं सामने आई हैं कि कुछ लोग पैसों के लालच में किसी भी मामले के अभियुक्त के जमानतदार बन रहे हैं, जो कानूनन गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे जमानतदारों के रिकॉर्ड की गहन जांच की जाए। जांच में यदि यह साबित होता है कि किसी ने धन लेकर अपराधी की जमानत कराई है, तो उसके विरुद्ध भी कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी ने आम नागरिकों को भी आगाह करते हुए कहा कि पैसों के लालच में आकर जमानतदार बनना न केवल जोखिमपूर्ण है, बल्कि भविष्य में उन्हें गंभीर कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने लोगों से कानून का सहयोग करने और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने की अपील की। इसके अलावा समीक्षा बैठक में जनवरी माह में अब तक घटित अपराधों, विशेषकर चोरी, लूट, डकैती जैसे संपत्तिमूलक अपराधों की विस्तार से समीक्षा की गई। लंबित कांडों की जांच प्रगति, आरोपियों की गिरफ्तारी और न्यायालय में चार्जशीट दायर करने की स्थिति पर भी गहन चर्चा हुई। एसएसपी ने सभी अधिकारियों को लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन और अपराध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

पांच करोड़ की फिरौती की मांग से सहमा परिवार

- परिजनों ने पुलिस से लगायी गुहार
- अपहृत की गाड़ी खायी से बरामद
- उद्योग जगत में खलबली, आक्रोश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में किडनैपिंग का एक बड़ा मामला सामने आया है। जमशेदपुर के प्रमुख उद्योगपति और आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के उपाध्यक्ष देवांग गांधी के 24 वर्षीय पुत्र कैरव गांधी का अपहरण कर लिया गया है। अपहरणकताओं ने विदेशी नंबर से इंटरनेट कॉलिंग के जरिए परिवार से 5 करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, घटना के समय देवांग गांधी आदित्यपुर ऑटो क्लस्टर में एक महत्वपूर्ण बैठक में शामिल थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर एक विदेशी नंबर (+62-831-94765544) से व्हाट्सएप के माध्यम से लगातार कॉल आए, लेकिन व्यस्तता के कारण वे कॉल रिसीव नहीं कर सके। दोपहर करीब दो बजे जब वे घर लौटे और बेटे कैरव से संपर्क करने की कोशिश की, तो उसका मोबाइल फोन बंद मिला।

परिवार ने जब जानकारी जुटाई तो पता चला कि कैरव न तो बैंक पहुंचा और न ही अपनी कंपनी गया। इसके बाद देवांग गांधी ने विदेशी नंबर से आए संदेश को देखा, जिसमें कैरव गांधी के अपहरण और 5 करोड़ रुपये की फिरौती की मांग का उल्लेख था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए बिष्टुपुर थाना पुलिस ने अज्ञात अपहरणकर्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। देवांग गांधी के बयान के आधार पर जांच शुरू की गई है। कैरव गांधी की सुरक्षित बरामदगी के लिए झारखंड पुलिस ने सात विशेष जांच टीमें गठित की हैं। ये टीमें झारखंड के साथ-साथ बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं।

पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और कॉल डिटेल रिकॉर्ड व सर्विलांस के जरिए संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है। साइबर सेल विदेशी नंबर के वास्तविक स्रोत का पता लगाने में जुटी है। वहीं, कैरव गांधी की कार सरायकेला जिले के कादरबेड़ा स्थित सिल्वर स्टैंड क्षेत्र के पास एक खाई में बरामद की गई है। कार के अंदर चाबी भी मिली है। वाहन की फॉरेंसिक जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि कैरव गांधी ने बैंक ऑफ इंडिया से 25 लाख रुपये का नकद लेनदेन किया था। इसके बाद परिजनों को अपहरण की आशंका हुई और थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

बुजुर्ग ने लगाई मूल सेवा पुस्तिका रिलीज करने की गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर आयोजित जनता दरबार में प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग नियाज अहमद ने आमजनों की समस्याएं सुनी। इसमें बलियापुर अंचल के सेवानिवृत्त राजस्व उप निरीक्षक ने बताया कि 14 महिने पहले वे सेवानिवृत्त हो गए हैं। उनके पेंशन स्वीकृति हेतु पेंशन प्रपत्र एवं मूल सेवा पुस्तिका अंचल के नाजिर ने चार महीनों से अपने पास रोक कर रखा है। इसके कारण पुरे परिवार को आर्थिक एवं मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सभी दस्तावेज? रिलीज करने की गुहार लगाई।

इसके अलावा जनता दरबार में घर आने-जाने वाले रास्ते के बंद कर देने, राजपूत बस्ती में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने, तोपचांची प्रखंड के कोरकोटा पंचायत के मुखिया व जल सहिया द्वारा पानी वितरण बंद कर देने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए।

जनता दरबार में डीएम ने सुनी 80 फरियादियों की शिकायत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। जिले में आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय स्थित परमान सभागार में जिला पदाधिकारी विनोद दूहन की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में कुल 80 परिवादियों ने अपनी-अपनी शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष रखीं।

जनता दरबार में प्राप्त अधिकांश शिकायतें राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित रहीं। इनमें म्यूटेशन, परिमार्जन, अतिक्रमण, दखल-कब्जा, सीमांकन सहित अन्य भूमि विवाद से जुड़े कई मामले शामिल थे। इसके अतिरिक्त शिक्षा, विद्युत, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड तथा स्वास्थ्य विभाग में मानदेय से संबंधित मामलों पर भी सुनवाई की गई।

जिलाधिकारी द्वारा भूमि विवाद जुड़े कई मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया गया। शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए।

जनता दरबार के दौरान परिवादी नीलम कुमारी द्वारा बुककीपर की नियुक्ति में अनियमितता हेतु, जगदीश शर्मा द्वारा रेलवे भमि अधिग्रहण के क्रम में उनकी निजी जमीन पर फसल बरबादी से संबंधित मुआवजा भुगतान हेतु, परिवादी बीबी सेहराना खातून द्वारा आंगनबाड़ी बहाली में अनियमितता के सबंध में, परिवादी कमलानंद पासवान द्वारा खतियानी जमीन से संबंधित। वहीं परिवादी चांदनी देवी द्वारा जमीन पर जबरन कब्जा, परिवादी गुलजार अंसारी द्वारा शिक्षा विभाग में रात्रि प्रहरी की नियुक्ति प्रक्रिया में अनियमितता से संबंधित शिकायतें रखी। इसी प्रकार बारी-बारी से अन्य परिवादी द्वारा अपनी

बात रखी गई।

जनता दरबार के उपरांत डीएम द्वारा शिकायतों के निष्पादन की समीक्षा को लेकर संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में अंचलाधिकारी, डीसीएलआर सहित अन्य संबंधित पदाधिकारियों को भूमि विवाद से जुड़े मामलों के त्वरित निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। वहीं विद्युत विभाग से संबंधित पोल शिफ्टिंग के उपस्थित राजस्व पदाधिकारी विद्युत को निर्देशित किया गया।

जनता दरबार में अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, जिला शिक्षा पदाधिकारी, डीसीएलआर अररिया एवं फारबिसगंज, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग, प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग, अंचल अधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मासूम को हुई अजीब बीमारी, एम्स के डॉक्टर भी हैरान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के बक्सर जिले में डेढ़ साल की बच्ची के साथ एक अजीब घटना हुई है, जिसके बाद चिकित्सकों से लेकर पुलिस भी हैरत में डूबी है। दरअसल, बच्ची के प्राइवेट पार्ट पर ऐसी बीमारी (यौन रोग) के निशान मिले हैं, जो अमूमन पुरुषों में होती है। इस बीमारी से ग्रसित पुरुष के संसर्ग में आने पर यह महिलाओं को होती है। यही वजह है कि इस पेचीदा मामले को लेकर पटना एम्स के डॉक्टर से लेकर पटना पुलिस तक सब हैरत में हैं। वहीं, एक खास बात यह भी सामने आई है कि बच्ची का पिता इसी बीमारी से ग्रसित है।मामले में पटना एम्स की रिपोर्ट के आधार पर महिला थाना में एफआईआर की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मामला कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र का है।

करीब डेढ़ साल की बच्ची का शौच साफ करने के क्रम में बच्ची की मां को उसके प्राइवेट पार्ट पर कुछ दाने दिखाई पड़े थे। इन्हें देखकर मां ने बच्ची के पिता को बताया। इसके बाद माता-पिता बच्ची को लेकर स्थानीय डॉक्टर के पास पहुंचे।

इतनी छोटी बच्ची की हालत देखकर डॉक्टर को कुछ समझ नहीं आया तो उसके पिता बच्ची को लेकर एम्स पहुंचे। बच्ची की जांच करने के बाद एम्स के डॉक्टर हैरान रह गए। क्योंकि जिस बीमारी के लक्षण उन्हें दिखाई दे रहे थे वह प्रायः महिलाओं में रोग से ग्रसित पुरुष संसर्ग में आने से होती है। ऐसे में अब यहां सवाल था कि डेढ़ साल की बच्ची को आखिर यह रोग कैसे हुआ?

ऐसे में एम्स के चिकित्सकों की जांच में बच्ची का पिता भी उसी बीमारी से ग्रसित पाया गया है, जिसकी शिकार डेढ़ साल की मासूम है। इस मामले की सूचना 7 जनवरी को चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1098 पर दी गई थी। चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से यह मामला बक्सर पुलिस तक पहुंचा।

एसपी शुभम आर्य ने महिला थाना में कांड दर्ज करने और अनुसंधान का निर्देश दिया। एसपी ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

गढ़वा सोलर विलेज बनने की ओर अग्रसर

हर गली, हर संस्थान सोलर एनर्जी से होगा रोशन

किसानों को मिलेगी राहत, चलेंगे सिंचाई पंप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिला ऊर्जा के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। जिले में सोलर विलेज विकसित करने की योजना पर अंतिम स्तर पर काम चल रहा है।योजना के तहत चयनित गांव में बिजली की पारंपरिक आपूर्ति व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त कर सोलर एनर्जी आधारित सिस्टम लागू किया जाएगा। इससे गांव को न केवल बिजली कटौती से स्थायी राहत मिलेगी, बल्कि वह ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर भी बनेगा।

जानकारी के अनुसार, सोलर विलेज में घरेलू, कृषि और सार्वजनिक सभी गतिविधियां सोलर ऊर्जा पर आधारित होंगी। गांव के प्रत्येक घर को सोलर आधारित विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे बल्ब, पंखा, कूलर, एसी, आयरन, मिक्सी सहित अन्य विद्युत उपकरण निर्बाध रूप से संचालित हो सकेंगे।

योजना के तहत चयनित गांव में इंडक्शन आधारित विद्युत चूल्हा का उपयोग हो सकेगा, जिससे रसोई गैस पर निर्भरता कम होगी। इससे घरेलू खर्च घटने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।

सोलर विलेज में गांव की सभी प्रमुख और आंतरिक सड़कों पर सोलर स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी। इसके अलावा पंचायत भवन, स्वास्थ्य उपकेंद्र, विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र सहित अन्य सरकारी व सार्वजनिक भवनों को भी सोलर सिस्टम से जोड़ा जाएगा। इससे रात में रोशनी की समस्या खत्म होगी और जन सेवाएं निर्बाध रूप से संचालित हो सकेंगी।

इस योजना का सबसे बड़ा लाभ किसानों को मिलने वाला है। खेतों में उपयोग होने वाले सिंचाई पंप पूरी तरह सोलर सिस्टम से संचालित किए जाएंगे।

इससे किसानों को बिजली कटौती, बिल और डीजल खर्च से राहत मिलेगी। समय पर सिंचाई होने से फसल उत्पादन और आय बढ़ने की उम्मीद है।

विद्युत विभाग गढ़वा के अधीक्षण अभियंता असगर अली ने बताया कि जिले के करीब पांच हजार की आबादी वाले 10 गांवों की सूची झारखंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (जेडा) को भेजी जा चुकी है। तकनीकी जांच और मानकों के आधार पर इनमें से एक गांव का चयन किया जाएगा, जिसे पूर्ण रूप से सोलर विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा।

सोलर विलेज परियोजना से जहां एक ओर कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, वहीं दूसरी ओर सोलर सिस्टम की स्थापना, रखरखाव और निगरानी के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इससे ग्रामीण युवाओं को अपने ही क्षेत्र में काम मिलने की संभावना बढ़ेगी।

अधिकारियों का मानना है कि यदि यह प्रयोग सफल रहा, तो गढ़वा जिले के अन्य गांवों को भी चरणबद्ध तरीके से सोलर मॉडल पर विकसित किया जाएगा। यह योजना जिले को हरित ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में नई पहचान दिला सकती है।

बंद को सफल बनाने को ले मशाल जुलूस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। 17 जनवरी को झारखंड प्रदेश स्तरीय सभी समाजिक संगठनों एवं परम्पारिक अगुवाओं समाजिक एक्टिविस्टों के द्वारा चर्चित पड़हा राजा सोमा मुंडा के हत्यारे एवं मुख्य साजिशकर्ता को खूंटी पुलिस प्रशासन द्वारा गिरफ्तार नहीं किए जाने के विरुद्ध आहूत संपूर्ण झारखंड बंद को लेकर आदिवासी समन्वय समिति खूंटी एवं जिले तमाम समाजिक संगठनों के साथ संयुक्त रूप से खूंटी तथा झारखंड के आम खास सभी प्रबुद्ध जनों तथा व्यापारियों भाईयों से शांति पूर्ण बंदी को सफल बनाने का आह्वान हेतू सहयोग की मांग किया गया। ताकि सरकार प्रशासन मुख्य साजिशकर्ता और वास्तविक मुजरिम को गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दे। बंद के माध्यम से सरकार को चेताया रहा है कि सरकार और प्रशासन नौ सूत्री मांगों पर अविलंब ठोस पहल करना सुनिश्चित करें। आज के इस मशाल जुलूस कार्यक्रम में संयोजक मर्शल बल्ला, सुरजू हस्सा, जोनसन होरों, चार्ल्स पाहन, सामुएल संगा, मगरों संगा,बहा लिंडा, प्रकाश टुटी,अमन टोपनो बिरतूस ओड़ेया,कुंवर मुंडरी ,राम संगा वगैरह दो सौ से ज्यादा लोग शामिल हुए।

महिलाओं हेतु रोजगार प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद । जय धरती मां फाउंडेशन की स्टार्टअप इंडिया भारत दिवस के शुभ अवसर पर बलियापुर प्रखंड के अन्तर्गत डोखरा ग्राम में 35 महिलाएं समुहो को 12 तरह रोजगार प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया, जिसमें फूल झाड़ू बनाने की कौशल,रुई बत्ती बनाना,पुराने कपड़े से धरेलू उत्पाद,जुट के व्यवसाय और ऐसे कई रोजगार उदाहरण के रूप

सिखाये गए। महिलाएं समुहो को लधु उधोग एवं स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यशाला में काफी हर्षोल्लास से सिखने के लिए सम्मानित रूप से भारत सरकार एमएसएमई डिपार्टमेंट के योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही सभी महिलाओं को एक एक पौधा देकर सम्मानित किया गया। स्टार्टअप इंडिया की बात कही जाए- स्टार्टअप इंडिया को 16 जनवरी 2016 को प्रधानमंत्री द्वारा एक बदलाव लाने वाले राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य भारत को नौकरी मांगने वालों के बजाय नौकरी देने वालों का देश बनाने के साथ, नवाचार को बढ़ावा देना, उद्यमिता को बढ़ावा देना और निवेश से होने वाले विकास को सक्षम बनाना था। पिछले एक दशक में, स्टार्टअप इंडिया भारत के आर्थिक और नवाचार ढांचे का एक अहम हिस्सा बन गया है। इसने संस्थागत व्यवस्था को मजबूत किया है, पूंजी और मेंटरशिप तक पहुंच बढ़ाई है, और स्टार्टअप्स को सभी क्षेत्रों और जगहों पर बढ़ने और विस्तार करने के लिए एक अच्छा माहौल बनाया है। इस दौरान भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है, जिसमें देश भर में 2,00,000 से ज्यादा स्टार्टअप्स को मान्यता मिली है। ये उद्यम रोजगार पैदा करने, नवाचार से होने वाले आर्थिक विकास और अलग-अलग क्षेत्रों में घरेलू वैल्यू चेन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

परीक्षा को ले उपायुक्त ने किया विद्यालयों का भ्रमण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा से पहले चल रही प्री बोर्ड परीक्षा को लेकर आज गोविंदपुर के गोसाईंडीह स्थित उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय सहित अन्य विद्यालयों का भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने छात्रों के साथ इससे पहले आयोजित प्री बोर्ड परीक्षा के संबंध में जानकारी हासिल की। तत्पश्चात उन्होंने वर्तमान प्री बोर्ड परीक्षा की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। परीक्षा में बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने के लिए उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया। घर जाकर भी परीक्षा की तैयारियों में जुटे रहने का आह्वान किया। हाउस गतिविधियों को और बेहतर करने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। शिक्षकों को छात्रों से संवाद कर मार्गदर्शन देने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री की सोच है कि सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्रा बोर्ड परीक्षा और प्रतियोगिता परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करें। इसकी परिकल्पना को साकार करने, बोर्ड परीक्षाओं में धनबाद जिले के छात्रों का बेहतरीन प्रदर्शन सुनिश्चित करने तथा छात्रों को बोर्ड परीक्षा के माहौल से परिचित कराने के उद्देश्य प्री बोर्ड परीक्षा का आयोजन किया गया है। भ्रमण के दौरान उपयुक्त ने छात्रों की उपस्थिति पंजी, प्रश्न पत्र की जांच की।

जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण

अररिया। मकर संक्रांति के अवसर पर गुरुवार को स्कॉटिश परिवार की ओर से हर वर्ष की भांति जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ठंड के इस मौसम में जरूरतमंदों को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से यह सामाजिक सेवा कार्यक्रम जूनियर स्कॉटिश स्कूल, शास्त्री नगर परिसर में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रिंसिपल, शिक्षकगण एवं प्रबंधक अनुप कुमार स्वयं उपस्थित रहे। कंबल वितरण के दौरान प्रबंधक अनुप कुमार ने कहा कि स्कॉटिश परिवार समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझता है और इसी भावना के साथ हर वर्ष जरूरतमंदों की सहायता करता आ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जहाँ भी और जब भी जरूरत होगी, स्कॉटिश परिवार आगे बढ़कर मदद करता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों के चेहरे पर खुशी और संतोष देखने को मिला। इस सेवा कार्य की स्थानीय लोगों द्वारा सराहना की गई और इसे समाज के लिए एक प्रेरणादायक पहल बताया गया।

खानकाह मस्जिद रोड में देसी बम नहीं, फटा था मोर्टार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। बड़ा बाजार ओपी थाना क्षेत्र के हबीबी नगर स्थित खानकाह मस्जिद रोड में बुधवार शाम हुए भीषण विस्फोट में देसी बम नहीं बल्कि मोर्टार फटा था। गुरुवार को पहुंची रांची की एफएसएल टीम ने सद्दाम के जांघ में फंसी मोर्टार बम का नीचे का हिस्सा टेल यूनिट बरामद की है।बरामद टेल यूनिट को एफएसएल की टीम अपने साथ ले गई है। बरामद टेल यूनिट से इस बात की पुष्टि हो पाएगी मोर्टार कहां से आया है। दूसरे दिन बरामदगी के पुलिस की जांच का नजरिया बदल गया है।

इसके बाद इस मामले में अब राष्ट्रीय एजेंसी की एंट्री मानी जा रही है। गुरुवार दोपहर करीब 22 घंटे बाद करीब साढ़े तीन बजे पूरी तरह से जांच होने के बाद घटनास्थल से शव उठाए गए।

इसके बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कालेज अस्पताल भेजा गया, जबकि तीसरा शव पहले से पोस्टमार्टम हाउस में सुरक्षित रखा गया था। एफएसएल विशेषज्ञ चिकित्सकों ने पोस्टमार्टम किया है।

इसके बाद शव को उनके स्वजनों को संध्या करीब पांच बजे सौंप दिया गया। इससे पूर्व दोपहर करीब 12 बजे बम एक्सपर्ट और रांची से एफएसएल जांच की टीम पहुंची। शव उठाने के बाद पुन : साक्ष्य एकत्रित किए गए और घटनास्थल की दोबारा गहन जांच की।जहां शव पड़े थे, वहां से कणों के सैंपल एकत्र किए गए। जांच के लिए रांची से जगुआर का बम निरोधक दस्ता (बीटी - 02) और राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम पहुंची थी।

बुधवार संध्या से शव गुरुवार दोपहर तक शव घटनास्थल पर पड़ा रहा। सुरक्षा कारणों से रातभर वरीय पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल घटनास्थल पर डटे रहे। ठंड को देखते हुए शामियाना व अलाव की व्यवस्था की गई।गुरुवार सुबह बम निरोधक दस्ता और एफएसएल टीम ने जांच शुरू की। सीसीआर डीएसपी मनोज कुमार कर रहे है। बातचीत करते हुए बताया कि रांची से बीडीएस और एफएसएल की टीम जांच के लिए पहुंची है।

सभी साक्ष्य एकत्र कर जांच के लिए भेजे जाएंगे। वहीं सदर एसडीपीओ अमित आनंद ने कहा कि प्रारंभिक सूचना गैस सिलेंडर ब्लास्ट की थी, लेकिन जांच में विस्फोट की पुष्टि हुई है। हर बिंदु पर जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

जानकारी के अनुसार मोर्टार बम के टेल युनिट मिलने के बाद जांच का दायरा बढ़ गया है। यह माना जा रहा है कि अब इस मामले में एनआइए की जांच भी हो सकती है।

इससे पूर्व तक देशी बम समझकर मामले की जांच की जा रही थी। परंतु बरादमगी ने जांच की दिशा बदल दी है। मोर्टार के टेल युनिट मिलने की पुष्टि एसडीपीओ हजारीबाग सदर अमित आनंद ने की है।

मेला देखकर लौट रही किशोरियों पर चाकू से हमला

एक की मौत, दो जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। रामगढ़ थाना के पथरिया के पास गुरुवार की रात करीब दस बजे मेला देखकर बाइक से लौट रही किशोरी और उसके दो साथियों पर तीन बाइक सवार तीन लोगों ने चाकू से हमला कर दिया।

हमले में 16 साल के लखींद्र सोरेन की मौत हो गई, वहीं डेविड हांसदा और किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गए, दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम जामा थाना के तातलोई मेला से बाइक से दो किशोर डेविड और लखींद्र जामा एक किशोरी के साथ लौट रहे थे। इसी दौरान रामगढ़ थाना के पथरिया के पास बाइक सवार तीन लोगों ने ओवरटेक कर उन्हें रोका।

आरोपी जब किशोरी को बाइक से उतारने लगे तो इसका विरोध लखींद्र और डेविड ने किया। इसके बाद तीनों पर चाकू से वार किया गया। इस घटना में किशोरी और दोनों किशोर घायल हो गए।

देर रात तीनों को दुमका के फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने लखींद्र को मृत घोषित कर दिया, जबकि किशोरी और डेविड का इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि घायल किशोर और किशोरी मित्र हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ विजय कुमार महतो फूलों जानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचकर घायलों से घटना की जानकारी ली। फिलहाल पुलिस कुछ भी बोलने से परहेज कर रही है।

वंदे भारत स्लीपर

भविष्य की ओर भारतीय रेल का एक निर्णायक कदम

भारतीय रेल अपने इतिहास के एक ऐसे पड़ाव पर पहुँच चुकी है, जहाँ परिवर्तन केवल आवश्यक नहीं, बल्कि अनिवार्य हो गया है। बदलती जीवनशैली, बढ़ती गतिशीलता और समय के बढ़ते मूल्यों ने यात्रा की परिभाषा को ही बदल दिया है। अब यात्री केवल गंतव्य तक पहुँचना नहीं चाहते, वे चाहते हैं तेज, सुरक्षित और सम्मानजनक सफर। इसी सोच का परिणाम है वंदे भारत एक्सप्रेस का स्लीपर संस्करण, जो भारतीय रेल में एक नए युग की शुरुआत का संकेत देता है।

लंबी दूरी की यात्रा का बदला हुआ स्वरूप

अब तक वंदे भारत एक्सप्रेस को कम दूरी की तेज और प्रीमियम ट्रेन के रूप में देखा जाता था। लेकिन स्लीपर संस्करण के साथ भारतीय रेल ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य केवल दिन की यात्रा तक सीमित नहीं, बल्कि रात की लंबी यात्राओं में भी आधुनिक अनुभव उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन पारंपरिक मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की सीमाओं को तोड़ते हुए यह साबित करती है कि लंबी दूरी की रेल यात्रा भी समयबद्ध, आरामदायक और विश्वस्तरीय हो सकती है।

नेक्स्ट-जेन स्लीपर: तकनीक और सुविधा का संगम

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को विशेष रूप से लंबी दूरी के यात्रियों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। 16 आधुनिक कोचों में 823 यात्रियों की क्षमता, उन्नत एयरोडायनामिक डिज़ाइन और 180 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार- ये सभी विशेषताएँ इसे भारतीय रेल की तकनीकी प्रगति का प्रतीक बनाती हैं।

तेज़ गति के बावजूद बेहतर संतुलन, कम कंपन और शांत वातावरण यात्रियों को एक प्रीमियम अनुभव प्रदान करते हैं। यह ट्रेन यह संदेश देती है कि रफ्तार अब आराम की कीमत पर नहीं होगी।

हावड़ा–गुवाहाटी: पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा

हावड़ा–गुवाहाटी (कामाख्या) रेल मार्ग पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत की सबसे महत्वपूर्ण जीवनरेखाओं में से एक है। हावड़ा देश के सबसे बड़े रेलवे जंक्शनों में से एक है, वहीं गुवाहाटी पूर्वोत्तर भारत का प्रवेशद्वार माना जाता है। इस मार्ग पर रोज़ाना छात्र, नौकरीपेशा लोग, व्यापारी, प्रवासी श्रमिक और श्रद्धालु यात्रा करते हैं। इन दो वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की शुरुआत इस रूट को केवल तेज ही नहीं बनाएगी, बल्कि भरोसेमंद और सम्मानजनक भी बनाएगी। यह सेवा पश्चिम बंगाल और असम के बीच संपर्क को नई मजबूती देगी और क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने में सहायक होगी।

यह रूट धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कामाख्या देवी मंदिर और कालीघाट मंदिर जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों तक यात्रा अब अधिक सहज और सुरक्षित होगी। इसके साथ ही कूचबिहार, जलपाईगुड़ी, मालदा, मुर्शिदाबाद, पूर्व बर्धमान, हुगली, कामरूप महानगर और बंगाईगाँव जैसे जिलों को सीधा लाभ मिलेगा। बेहतर कनेक्टिविटी से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय व्यापार को गति मिलेगी और रोज़गार के नए अवसर सृजित होंगे।

स्वदेशी तकनीक का भरोसा

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सुरक्षा के मामले में भी नए मानक स्थापित करती है। स्वदेशी कवच सुरक्षा प्रणाली, इमरजेंसी टॉक-बैक सिस्टम और अत्याधुनिक ड्राइवर कैब यह सुनिश्चित करते हैं कि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया संभव हो।

यह केवल तकनीकी उन्नयन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की उस सोच का विस्तार है, जहाँ देश अपनी सुरक्षा प्रणालियाँ स्वयं विकसित करता है।

आराम और स्वच्छता: यात्री केंद्रित सोच

लंबी दूरी की यात्रा में आराम और स्वच्छता सबसे अहम पहलू होते हैं। एर्गोनॉमिक सीटें, उन्नत सस्पेंशन सिस्टम, कोचों के बीच वेस्टिब्यूल के साथ ऑटोमैटिक दरवाज़े- ये सभी व्यवस्थाएँ यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देती हैं।

इसके साथ ही आधुनिक डिसइन्फेक्टेंट तकनीक से युक्त स्वच्छता व्यवस्था यह भरोसा दिलाती है कि ट्रेन का वातावरण स्वास्थ्य-अनुकूल और सुरक्षित रहेगा। यह बदलाव दर्शाता है कि भारतीय रेल अब यात्री अनुभव को केंद्र में रखकर योजनाएँ बना रही है।

यात्रा के साथ संस्कृति का स्वाद

ऑनबोर्ड भोजन सेवा में क्षेत्रीय व्यंजनों को शामिल करना इस ट्रेन को और विशेष बनाता है। अलग-अलग राज्यों से गुजरते हुए यात्रियों को स्थानीय स्वाद का अनुभव मिलेगा, जिससे यात्रा केवल भौतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक भी बन जाएगी।

"पूरी तरह से नए सस्पेंशन वाली एक नई बोगी विकसित की गई है। डिजाइन के मानकों को नए स्तर पर ले जाया गया है। इसके आंतरिक भाग और सीढ़ियां एर्गोनॉमिक डिजाइन पर आधारित हैं, और सुरक्षा के लिए विशेष मापदंड लागू किए गए हैं।"

अश्विनी वैष्णव
रेल मंत्री

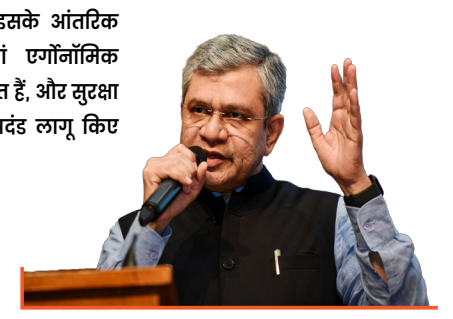

किफायती प्रीमियम: हवाई यात्रा का विकल्प

इस ट्रेन की एक बड़ी खासियत इसका किफायती किराया है। प्रस्तावित किराया–3 एसी लगभग ₹2300, 2 एसी ₹3000 और फर्स्ट एसी ₹3600–हवाई यात्रा की तुलना में कहीं अधिक सुलभ है।

यह उन यात्रियों के लिए आदर्श विकल्प है जो आराम और सुविधा चाहते हैं, लेकिन अत्यधिक खर्च नहीं कर सकते। इस दृष्टि से वंदे भारत स्लीपर ट्रेन रेल और विमान यात्रा के बीच की दूरी को पाटती है।

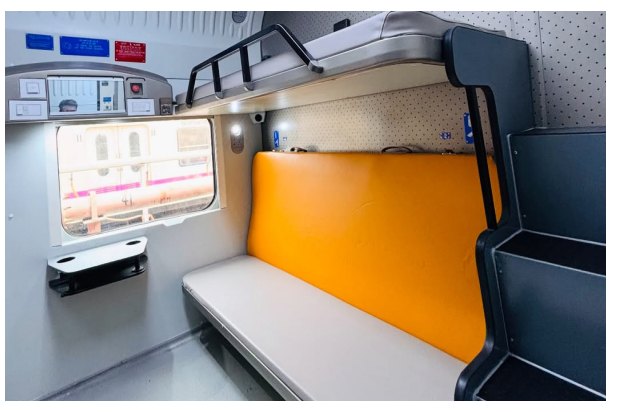

भविष्य की रेल यात्रा

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन केवल एक नई सेवा नहीं, बल्कि भारतीय रेल के भविष्य का संकेत है। रफ्तार, आराम और सुरक्षा के संतुलन के साथ यह साबित करती है कि रेल यात्रा भी वैश्विक मानकों के अनुरूप हो सकती है।

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के लाखों यात्रियों के लिए यह ट्रेन एक नई उम्मीद है- ऐसी उम्मीद, जहाँ सफर केवल दूरी तय करना नहीं, बल्कि सम्मान, सुविधा और विश्वास के साथ आगे बढ़ना है।

संक्षिप्त समाचार

एयर इंडिया के विमान के इंजन ने कैसे निगल लिया कार्गो कंटेनर? डीजीसीए ने बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार सुबह एक असामान्य हादसा हुआ। एयरपोर्ट घने कोहरे से ढका हुआ था। विजिबिलिटी इतनी कम थी कि सब कुछ धुंधला लग रहा था। इसी बीच एयर इंडिया की फ्लाइट एआई101 (दिल्ली-न्यूयॉर्क) ईरान के अचानक बंद एयरस्पेस की वजह से वापस लौट आई। रनवे 28 पर सुरक्षित लैंडिंग हुई, लेकिन असली मुसीबत तब शुरू हुई जब प्लेन टैक्सीवे की तरफ बढ़ा। उसके एक इंजन में एक कार्गो कंटेनर घुस गया, जिससे इंजन को गंभीर नुकसान पहुंचा। डीजीसीए ने इस मामले में रिपोर्ट जारी की है और बताया है कि आखिर ये हादसा कैसे हुआ। डीजीसीए ने तुरंत घटना की गहन जांच शुरू कर दी है। जांच में यह देखा जा रहा है कि ग्राउंड हैंडलिंग के नियमों का पालन हुआ या नहीं, कोहरे में ऑपरेशंस में कहां कमी रही और भविष्य में ऐसी घटना कैसे रोकी जा सकती है। गमीनत रही कि प्लेन में सवार सभी पैसेंजर्स और क्रू सदस्य सुरक्षित रहे। मेटल के टुकड़े साफ करने के बाद प्लेन को स्टैंड 244 पर पार्क कर दिया गया। यह 350 अभी ग्राउंडेड है और जांच व मरम्मत पूरी होने तक उड़ान नहीं भरेगा। बता दें कि एयर इंडिया के पास कुल 6,350 विमान हैं, जो न्यूयॉर्क, लंदन, दुबई जैसे बड़े रूट्स पर चलते हैं। इस वजह से कुछ उड़ानों में देरी या बदलाव हो सकता है। एयरलाइन प्रभावित पैसेंजर्स को वैकल्पिक उड़ानें या रिफंड दे रही है।

दिल्ली में बेलगाम हुए चोर! हत्या के आंकड़े स्थिर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 2024 में चोरी और हत्या के प्रयास की घटनाओं में भी भारी बढ़ोतरी हुई। इस साल आठ जनवरी को सार्वजनिक की गई पुस्तिका के अनुसार, हत्या के मामलों में 2024 के दौरान मोटे तौर पर स्थिरता देखी गई। आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में 2024 के दौरान चोरी के 8,965 मामले दर्ज किए गए, जो 2023 में दर्ज किए गए 6,916 मामलों की तुलना में लगभग 29.6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। ये आंकड़े चोरी के अपराधों में लगातार वृद्धि को दर्शाते हैं क्योंकि 2022 में ऐसे मामलों की संख्या 6,189 थी जबकि 2021 में केवल 2,637 चोरी के मामले दर्ज किये गए थे। वर्षवार तुलना करने पर पता चलता है कि 2021 और 2022 के बीच ऐसे मामलों में लगभग 135 प्रतिशत की चिंताजनक वृद्धि हुई, जिसके बाद 2022 से 2023 तक 11.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में इस बार यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन मुख्य अतिथि होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर ये शीर्ष पदाधिकारी 25 से 27 जनवरी 2026 तक भारत की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। यह यात्रा भारत और यूरोपीय संघ के बीच बढ़ते रणनीतिक संबंधों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन डेर लेयेन 25 से 27 जनवरी तक 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर भारत के राजकीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरे के दौरान, ये नेता 27 जनवरी को 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता भी करेंगे, जहाँ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की घोषणा की जाएगी। उम्मीद है कि एफटीए भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच आर्थिक संबंधों को मज़बूत करेगा, जिसमें व्यापार, निवेश और बाज़ार पहुँच जैसे क्षेत्र शामिल होंगे।

दिल्ली का नाथू कॉलोनी फ्लाईओवर होगा ध्वस्त?

11 साल में ही हो गया कमजोर

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के शाहदरा इलाके में नाथू कॉलोनी फ्लाईओवर अब गंभीर संकट में है। महज 11 साल पुराना यह फ्लाईओवर भारी वाहनों का बोझ सहन करने में कमजोर पाया गया है। दिल्ली विधानसभा की हालिया विंटर सेशन में दी गई जानकारी के अनुसार, इसकी तोड़-फोड़ या बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण की संभावना है।

यह फ्लाईओवर 2015 में दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (छ्ङ्मञ्जञ्जष्ट) ने बनवाया था। इसका मकसद गाजीपुर बॉर्डर के पास ट्रैफिक जाम कम करना था। 2016 में इसे लोक निर्माण विभाग को रखरखाव के लिए सौंप दिया गया। लेकिन 2018 में ही संरचना में दरारें दिखने लगीं। जांच के बाद 2019 से भारी वाहनों पर रोक लगा दी गई, जो आज तक जारी है। पिछले साल हुई लोड टेस्ट और विजिलेंस जांच से साफ हुआ कि निर्माण में इस्तेमाल सामग्री की गुणवत्ता बहुत खराब थी। फ्लाईओवर पर दरारें और गड्ढे पड़ गए हैं। नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (हृस्ञ्ज) ने मई 2025 में लोड टेस्ट किया। रिपोर्ट सितंबर 2025 में आई, जिसके बाद प्राइवेट कंसल्टेंट ने अक्टूबर में अपनी सिफारिशें दीं। जांच में डेक स्लैब में ज्यादा झुकाव पाया गया। दिसंबर 2025 तक पुनर्निर्माण के लिए डिजाइन और ड्रॉइंग भी प्राप्त हो चुकी हैं।

एक स्थानीय विधायक की जनहित याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने तुरंत मरम्मत शुरू करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद विजिलेंस जांच शुरू हुई और सीएम स्तर पर विशेष जांच का आदेश हुआ। पीडब्ल्यूडी अब रिपोर्ट सीएम के सामने रखने वाली है। फैसला होगा तो मरम्मत, पुनर्निर्माण या पूरी तरह तोड़ने का विकल्प सामने आएगा। 20 खंभों और 28 स्लैब्स वाला यह फ्लाईओवर पूर्वी दिल्ली को गाजियाबाद से जोड़ने और भारी माल ढुलाई को आसान बनाने के लिए बनाया गया था।

दोस्त का पता नहीं बताया तो नाबालिगों ने 16 बार चाकू से गोदा, दिल्ली के बवाना में खौफनाक वारदात

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के बवाना इलाके में एक 22 साल के युवक की छह नाबालिगों ने क्रूरता से हत्या कर दी। कारण सिर्फ इतना था कि युवक ने अपने एक दोस्त की जानकारी देने से इनकार कर दिया। पुलिस ने इस मामले में तीन नाबालिगों को गिरफ्तार कर लिया है।

बवाना की जेजे कॉलोनी का रहने वाला रंजन उर्फ गोप्पा बुधवार शाम करीब 6:30 बजे अपने इलाके में था। पुलिस के अनुसार, छह नाबालिग लड़के किसी पुरानी रंजिश के कारण एक अन्य नाबालिग की तलाश में थे। उन्हें पता चला कि रंजन उस लड़के का दोस्त है। इसलिए उन्होंने रंजन से उसकी ठिकाने के बारे में पूछा। रंजन ने जानकारी देने से मना कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में झड़प हुई। गुस्से में आए नाबालिगों ने चाकू निकाल लिया और रंजन पर बेरहमी से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, उनमें से कम से कम 16 बार चाकू मारा गया। रंजन गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। उनके दोस्तों ने उन्हें तुरंत महर्षि वाल्मीकि अस्पताल, पूथ खुर्द ले जाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि जमीन पर खून के धब्बे बिखरे हुए थे। क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी

की टीम बुलाई गई। जांच में खून से सना चाकू बरामद हुआ। मौके की फोटोग्राफी की गई और अन्य सबूत इकट्ठा किए गए। मृतक के भाई राजा की शिकायत पर नरेला इंडस्ट्रियल एरिया थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। आउटर नॉर्थ के डीसीपी हरेश्वर स्वामी ने बताया कि तकनीकी निगरानी और स्थानीय सूत्रों की मदद से पुलिस ने तीन नाबालिगों (15 से 17 वर्ष के बीच) को बावना की एक झुग्गी बस्ती से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में इन तीनों ने अपना जुर्म कबूल किया।

दिल्ली में 137 और मोहल्ला क्लीनिक किए जाएंगे बंद, रेखा गुप्ता सरकार ने दिए आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में और 137 मोहल्ला क्लीनिक भी जल्द स्थायी तौर पर बंद कर दिए जाएंगे। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के मोहल्ला क्लीनिक सेल ने इस संबंध में गुरुवार को सभी जिलों के मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

इन मोहल्ला क्लीनिकों के स्थायी तौर पर तौर पर बंद होने के बाद दिल्ली में अब गिनती के ही मोहल्ला क्लीनिक बचेंगे। दिल्ली में 540 से अधिक मोहल्ला क्लीनिक थे। राजधानी में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के विकसित होने के साथ ही मोहल्ला क्लीनिक बंद होते जा रहे हैं।

गौरतलब है कि इससे पहले पिछले महीने भी दिल्ली सरकार की ओर से 95 मोहल्ला क्लीनिक बंद करने के आदेश दिए गए थे। बंद किए जा रहे सभी मोहल्ला क्लीनिक पूर्व की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार में बने थे।

बता दें कि 'आप' के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इन मोहल्ला क्लीनिकों को दिल्ली में अपनी सरकार के बड़े गुड वर्क के रूप में पेश करते थे। वहीं दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केजरीवाल सरकार पर आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक की आड़ में 10 साल तक घोटाला करने का आरोप लगाती रही है।

राजधानी में आरोग्य मंदिरों को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच सियासत गरमा गई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व की आप सरकार ने दिल्ली को विकास से वंचित रखा। उन्होंने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्र सरकार की योजना है। इसे विभिन्न राज्य सरकारों के साथ ही सभी नगर

निगम, पंचायत तक लागू कर रहे हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मकर संक्रांति के दिन राजधानी में 81 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के उद्घाटन के बाद कहा कि राजधानी के लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधायें मुहैया कराना सरकार का लक्ष्य है। रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी में अब आरोग्य मंदिरों की संख्या बढ़कर 319 हो गई है, जनता को समर्पित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि लगातार इन आरोग्य मंदिरों के माध्यम से हम दिल्ली के प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एक सुविधाजनक प्लैटफॉर्म दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन आरोग्य मंदिरों में जितनी सुविधाएं हैं उससे यह एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में काम करते हैं।

यमुना प्रदूषण पर रहेगी पैनी नजर

● दिल्ली में लगेंगे 41 रीयल-टाइम मॉनिटरिंग स्टेशन

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की यमुना नदी सालों से सीवेज और इंडस्ट्रियल कचरे की वजह से जिंदगी की सांसें लेने को तरस रही है। लेकिन अब बड़ा कदम उठाया जा रहा है। मार्च 2026 तक यमुना और उसमें गिरने वाली प्रमुख नालियों पर 41 रीयल-टाइम ऑनलाइन मॉनिटरिंग स्टेशन (हस्र्स्) लगाए जाएंगे। अधिकारी बताते हैं कि इससे पहली बार प्रदूषण के स्तर में अचानक बढ़ोतरी (स्पाइक) को तुरंत ट्रैक किया जा सकेगा, ठीक वैसे ही जैसे हवा की क्वालिटी का ट्ठ दिखता है।

फिलहाल दिल्ली में यमुना की पानी की क्वालिटी को रीयल-टाइम में मॉनिटर करने की कोई व्यवस्था नहीं है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति हर महीने सिर्फ 8 जगहों से सैंपल लेती है, लैब में जांच कराती है और रिपोर्ट वेबसाइट पर डालती है। इस प्रक्रिया में कई हफ्ते लग जाते हैं, जिससे प्रदूषण बढ़ने पर तुरंत कार्रवाई मुश्किल हो जाती है।

यह प्रोजेक्ट पिछले साल मई में घोषित हुआ था। शुरू में 32 स्टेशन लगाने की बात थी, लेकिन बोली नहीं मिलने पर अगस्त में टेंडर बढ़ाकर 41 कर दिया गया। इसमें 5 साल का ऑपरेशन और मेंटेनेंस भी शामिल है। डीपीसीसी बोर्ड मीटिंग में हाल ही में इसे मंजूरी मिली। अधिकारी के अनुसार, महीने के अंत तक कॉन्ट्रैक्ट अवॉर्ड हो जाएगा और इंस्टॉलेशन के बाद दो महीने में यानी मार्च तक सभी स्टेशन चालू हो जाएंगे।

यह प्रोजेक्ट पिछले साल मई में घोषित हुआ था। शुरू में 32 स्टेशन लगाने की बात थी, लेकिन बोली नहीं मिलने पर अगस्त में टेंडर बढ़ाकर 41 कर दिया गया। इसमें 5 साल का

ऑपरेशन और मेंटेनेंस भी शामिल है। डीपीसीसी बोर्ड मीटिंग में हाल ही में इसे मंजूरी मिली। अधिकारी के अनुसार, महीने के अंत तक कॉन्ट्रैक्ट अवॉर्ड हो जाएगा और इंस्टॉलेशन के बाद दो महीने में यानी मार्च तक सभी स्टेशन चालू हो जाएंगे। 6 स्टेशन यमुना नदी के मुख्य पॉइंट्स पर लगेंगे। वहीं 35 स्टेशन दिल्ली और एनसीआर की प्रमुख नालियों पर हैं, जो सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से यमुना में गंदगी डालती हैं। ये स्टेशन फ्लो, पीएच, बीओडी, सीओडी, जेएसएस, टोटल नाइट्रोजन, टोटल फॉस्फोरस, अमोनियम, डिसॉल्वड ऑक्सीजन, तापमान और कंडक्टिविटी जैसे महत्वपूर्ण पैरामीटर्स को लगातार मापेंगे। डेटा सीधे डीपीसीसी सर्वर पर जाएगा। 2018 में एनजीटी की यमुना मॉनिटरिंग कमिटी ने बताया था कि दिल्ली में यमुना का सिर्फ 22 किमी लंबा हिस्सा (कुल लंबाई का 2 प्रतिशत) ही कुल प्रदूषण लोड का 76 प्रतिशत जिम्मेदार है। सबसे ज्यादा गंदगी नजफगढ़ नाले से (करीब 70 प्रतिशत) और शाहदरा नाले से (16 प्रतिशत) आती है। हाल ही में अक्टूबर से डीपीसीसी ने यमुना और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स का डेटा अपलोड नहीं किया था। एनजीटी के आदेश के बाद नवंबर-दिसंबर का डेटा जनवरी में जारी हुआ।

भारतीय मूल की डॉक्टर निशा वर्मा कौन हैं? जिनसे पूछा गया- क्या पुरुष प्रेग्नेंट हो सकते हैं

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की सीनेट में गर्भपात की दवा को लेकर हुई सुनवाई के दौरान एक सवाल ने बहस छेड़ दी। इस बहस के केंद्र में रहीं भारतीय मूल की डॉक्टर निशा वर्मा, जिनसे पूछा गया कि क्या पुरुष गर्भवती हो सकते हैं? इस सवाल पर नका जवाब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और राजनीतिक बहस का विषय बन गया है।

यह मामला अमेरिकी सीनेट की हेल्थ, एजुकेशन, लेबर एंड पेंशन्स कमेटी की सुनवाई का है, जहां गर्भपात की दवा मिफेप्रिस्टोन की सुरक्षा और इसके दुरुपयोग पर चर्चा हो रही थी। इसी दौरान रिपब्लिकन सांसदों ने डॉक्टर वर्मा से यह सवाल किया।

पहले सीनेटर एश्ले मूडी और फिर सीनेटर जोश हॉले ने उनसे सीधे तौर पर पूछा कि क्या पुरुष गर्भवती हो सकते हैं। डॉक्टर वर्मा ने इसका सीधा हां या नहीं में जवाब नहीं दिया। डॉक्टर निशा वर्मा ने कहा कि उन्होंने इसलिए सीधा जवाब देने से परहेज किया क्योंकि बातचीतकी दिशा और उद्देश्य उन्हें स्पष्ट नहीं लग रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि वे अलग-अलग पहचान वाले मरीजों का इलाज करती हैं। सीनेटर जोश हॉले ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि सवाल राजनीति का नहीं बल्कि जीवविज्ञान और विज्ञान का है। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉक्टर वर्मा यह मानने से बच रही हैं कि जैविक रूप से पुरुष गर्भवती नहीं होते। इसके जवाब में डॉक्टर वर्मा ने कहा, चिकित्सा में विज्ञान और प्रमाणों का मार्गदर्शन

होना चाहिए, लेकिन ऐसे हां-ना वाले सवालों का इस्तेमाल अक्सर राजनीतिक हथियार के तौर पर किया जाता है। कौन हैं डॉक्टर निशा वर्मा?

निशा वर्मा का जन्म अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना के ग्रीन्सबोरो शहर में हुआ। उनके माता-पिता भारतीय मूल के हैं। उन्होंने जीवविज्ञान और मानवशास्त्र में स्नातक की पढ़ाई की और इसके बाद यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना से मेडिकल डिग्री हासिल की। उन्होंने बेथ इजरायल डीकॉनेस मेडिकल सेंटर से ऑब्स्टेट्रिक्स और गायनेकोलॉजी में रेजिडेंसी पूरी की। वे फिजिशियंस फॉर रिप्रोडक्टिव हेल्थ की फेलो भी हैं। एकेडमी हेल्थ के अनुसार, निशा वर्मा अमेरिकन कॉलेज ऑफ ऑब्स्टेट्रिशियंस एंड गायनेकोलॉजिस्ट्स में रिप्रोडक्टिव हेल्थ पॉलिसी और एडवोकेसी की सीनियर एडवाइजर हैं। इसके अलावा, वे एमोरी यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में एडजंक्ट असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में भी काम कर रही हैं।

आसमान में फैला खौफ! विमान में बम की खबर से मचा हड़कंप, इमरजेंसी लैंडिंग

बार्सिलोना, एजेंसी। टर्किश एयरलाइंस के एक विमान में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब उड़ान के दौरान अचानक विमान में बम होने की सूचना मिली। इस धमकी के बाद पायलट ने तुरंत सतर्कता बरतते हुए स्पेन के बार्सिलोना एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई। राहत की बात यह रही कि गहन तलाशी के बाद विमान में कोई भी विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला। विमान जब अपनी निर्धारित ऊंचाई पर उड़ान भर रहा था तभी बम की खबर ने यात्रियों और क्रू मेंबर्स के होश उड़ा दिए। धमकी मिलते ही पायलट ने किसी भी तरह का जोखिम न लेते हुए एटीसी से नजदीकी एयरपोर्ट पर उतरने की इजाजत मांगी। बार्सिलोना एयरपोर्ट पर विमान को एक अलग रनवे पर सुरक्षित उतारा गया जहां पहले से ही सुरक्षा एजेंसियां और फायर टेंडर तैनात थे। विमान के लैंड होते ही सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। सभी यात्रियों को विमान से बाहर निकालकर एक सुरक्षित क्षेत्र में ले जाया गया। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड ने विमान के कोने-कोने, सीटों और यात्रियों के सामान की बारीकी से जांच की। घंटों चले इस सर्च ऑपरेशन के बाद सुरक्षा अधिकारियों ने पुष्टि की कि विमान के अंदर से कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला है। यह महज एक अफवाह साबित हुई। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को इस तरह की फर्जी धमकियां मिलने के मामले बढ़े हैं। इस घटना के कारण यात्रियों को घंटों तक एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा और विमान की अगली उड़ान में भी काफी देरी हुई। पुलिस और साइबर टीमें अब उस स्रोत का पता लगाने में जुटी हैं जहां से यह धमकी भेजी गई थी। अधिकारियों का कहना है कि फर्जी धमकी देने वालों के खिलाफ सख्त अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिका का चीन पर बड़ा प्रहार: ताइवान से की 250 अरब डॉलर की व्यापार डील

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ताइवान ने बृहस्पतिवार को एक बड़े व्यापार समझौते पर सहमति जताई, जिसके तहत ताइवान की वस्तुओं पर शुल्क में कटौती की जाएगी और बदले में ताइवान अमेरिका में 250 अरब अमेरिकी डॉलर के नए निवेश करेगा। यह समझौता उन हालिया व्यापार सौदों में शामिल है जो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किए हैं। इससे पहले उन्होंने यूरोपीय संघ और जापान के साथ भी ऐसे समझौते किए थे। ये सभी समझौते ट्रंप द्वारा पिछले साल अप्रैल में व्यापार असंतुलन दूर करने के लिए पेश की गई व्यापक शुल्क योजना के बाद किए गए हैं। ट्रंप ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन के साथ रिश्तों को स्थिर करने के उद्देश्य से एक साल के व्यापारिक संघर्ष-विराम (ट्रेड ट्रूस) पर भी सहमति जताई। शुरुआत में ट्रंप ने ताइवान से आने वाले सामान पर 32 प्रतिशत शुल्क तय किया था, जिसे बाद में घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया। नए समझौते के तहत अब शुल्क दर को और कम करके 15 प्रतिशत कर दिया गया है जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के अन्य व्यापारिक साझेदारों जैसे जापान और दक्षिण कोरिया पर लगाए गए शुल्क के बराबर है। अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ताइवान के साथ यह समझौता एक आर्थिक साझेदारी स्थापित करेगा, जिसके तहत घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका में कई विश्व स्तरीय औद्योगिक पार्क बनाए जाएंगे।

हमास समर्थक खलील पर अमेरिकी नकेल?, ट्रंप प्रशासन बोला- अदालत का फैसला जीत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की थर्ड सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स के फैसले ने फलस्तीनी समर्थक कार्यकर्ता महमूद खलील के मामले को एक बार फिर सियासी और कानूनी बहस के केंद्र में लाकर खड़ा किया है। अपीलीय अदालत ने महमूद की रिहाई के आदेश को रद्द करते हुए ट्रंप प्रशासन को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने दो के मुकाबले एक के बहुमत से निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया है। इस फैसले को एक तरफ जहां ट्रंप प्रशासन ने अपनी जीत बताया है। वहीं दूसरी ओर नागरिक अधिकार संगठनों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर आघात करार दिया है।

अपीलीय अदालत ने कहा कि जिस फेडरल कोर्ट ने खलील की

रिहाई का आदेश दिया था, उसके पास इस मामले की सुनवाई का अधिकार ही नहीं था। अदालत के अनुसार, इमिग्रेशन और डिपोर्टेशन से जुड़े मामलों में अधिकार क्षेत्र केवल इमिग्रेशन कोर्ट के पास होता है, जैसा कि इमिग्रेशन एंड नेशनलिटी एक्ट में स्पष्ट किया गया है।

इस फैसले के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी करते हुए कहा कि यह ट्रंप प्रशासन की एक बड़ी जीत है और अमेरिका अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि वह आतंकवादी संगठनों के समर्थकों को देश के भीतर किसी भी तरह की गतिविधियों की अनुमति नहीं देगी।

अपील कोर्ट के फैसले से अब यह रास्ता खुल गया है कि इमिग्रेशन अधिकारी महमूद खलील को दोबारा हिरासत में ले सकते हैं, हालांकि यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू नहीं होगा। खलील ने स्पष्ट किया है कि वे इस फैसले को अंतिम नहीं मानते और आगे कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय निराशाजनक है, लेकिन इससे उनका संघर्ष कमजोर नहीं पड़ेगा और वे न्याय और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए हर संभव कानूनी रास्ता अपनाएंगे। इस मामले में एक जज ने बहुमत के फैसले से असहमति जताई। असहमति जताने वाली जज ने कहा कि इमिग्रेशन कोर्ट के पास संवैधानिक अधिकारों से जुड़े मामलों की पूरी तरह सुनवाई करने की क्षमता नहीं है। उन्होंने यह भी माना कि खलील ने अपनी हिरासत के दौरान गंभीर और अपूरणीय नुकसान झेला है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने भी कोर्ट के इस फैसले पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि महमूद खलील की गिरफ्तारी राजनीतिक दमन का उदाहरण है और उन्हें स्वतंत्र रहना चाहिए। नागरिक स्वतंत्रता संगठनों का कहना है कि यह फैसला फेडरल अदालतों की भूमिका को कमजोर करता है और सरकार को असहमति की आवाजों को दबाने का अधिक अधिकार देता है। दूसरी ओर कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि खलील की कानूनी टीम अब पूरे थर्ड सर्किट कोर्ट में पुनर्विचार की मांग कर सकती है और इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंच सकता है। गौरतलब है कि महमूद खलील का जन्म सीरिया में हुआ था और वे अल्जीरिया के नागरिक हैं। वे अमेरिका के कानूनी स्थायी निवासी हैं और एक अमेरिकी नागरिक से विवाह कर चुके हैं। न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में स्नातकोत्तर की पढ़ाई के दौरान उन्हें इमिग्रेशन अधिकारियों ने हिरासत में लिया था।

बेटियां केवल विवाह के लिए नहीं बनीं, देश के लिए बेटियां सबसे महत्वपूर्ण संसाधनः उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेटियां केवल विवाह के लिए नहीं बनी हैं, बल्कि वे देश का सबसे महत्वपूर्ण संसाधन हैं। उनके जन्म को बोझ नहीं बल्कि उत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए। जिस घर में बेटी का जन्म हो, वहां अवश्य जाएं, उपहार दें और गर्व के साथ कहें - बधाई हो, बेटी हुई है। यह बातें शुक्रवार को उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने सुरक्षित एवं सशक्त झारखंड के लिए आयोजित अनुमंडल स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा। यह कार्यशाला सेक्टर-05 स्थित बोकारो स्टील सिटी के पुस्तकालय मैदान में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं एवं आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ एकजुट होने का किया आह्वान

उपायुक्त ने कहा कि बाल विवाह और डायन जैसी कुरीतियां समाज के विकास में सबसे बड़ी बाधा हैं। इन्हें जड़ से समाप्त करने के लिए समाज के हर वर्ग को जागरूक और सक्रिय होना होगा। उन्होंने कहा कि बेटियों के प्रति सोच में बदलाव लाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। अपने वक्तव्य में राजा राम मोहन राय, सावित्री बाई फुले - फातिमा शेख द्वारा उठाए गए कदम और कुप्रथा को इतिहास में शामिल होने की जानकारी दी। कहा कि बाल विवाह - डायन जैसी कुरीतियों को भी इतिहास बनाना है।

स्त्रियों को अपने अधिकार और अभिव्यक्ति का अधिकार

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि महिला का श्रृंगार, पहनावा और जीवनशैली उसकी अपनी अभिव्यक्ति है। इसे तय करने का अधिकार न पति को है, न बेटे को। पति के निधन के बाद भी कोई दूसरा यह निर्धारित नहीं कर सकता कि उसकी पत्नी कैसे रहे या कैसे दिखे। यह महिला की स्वतंत्रता और आत्मसम्मान से जुड़ा विषय है।

आत्मनिर्भर बनने का दिया संदेश,पुरुषों पर निर्भरता छोड़ें

उन्होंने महिलाओं से अपनी चेतना में परिवर्तन लाने का आह्वान करते हुए कहा कि आप मजबूत हैं, स्वयं को अबला नहीं समझें। पुरुषों पर निर्भरता छोड़कर आत्मनिर्भर बनें और अपने निर्णय स्वयं लेने की क्षमता विकसित करें।

गोमिया बना बाल विवाह मुक्त प्रखंड, अब जिले की बारी

कार्यक्रम में बताया गया कि जिले का गोमिया प्रखंड बाल विवाह मुक्त प्रखंड बन चुका है। उपायुक्त ने संकल्प दिलाते हुए कहा कि अब लक्ष्य पूरे बोकारो जिले को बाल विवाह मुक्त बनाना है। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने बाल विवाह के खिलाफ समाज में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ ली। डीसी ने सभी को बाल विवाह मुक्त समाज निर्माण का संकल्प दिलाया।

बाल विवाह से बेटियों को हो रहा नुकसान : जिला परिषद अध्यक्ष

मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता देवी ने कहा कि बाल विवाह समाज की एक गंभीर समस्या है, जिसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव बेटियों के जीवन पर पड़ता है। बाल विवाह के कारण बेटियां शिक्षा से वंचित हो जाती हैं, उनके स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है और उनका भविष्य असुरक्षित हो जाता है। इसे रोकने के लिए पंचायत स्तर पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना जरूरी है। उन्होंने सभी पंचायत प्रतिनिधि, सहिया, आंगनबाड़ी सेविका, स्वयं सहायता समूह और ग्रामीण महिलाओं से आह्वान किया कि वह मिलकर लोगों को जागरूक करें, तो बाल विवाह जैसी कुप्रथा को प्रभावी रूप से रोका जा सकता है।

बेटा-बेटी में कोई अंतर नहीं, कुप्रथा को समाप्त करना जरूरी : डीडीसी

मौके पर अपने संबोधन में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने कहा कि बेटा और बेटी में कोई फर्क नहीं है। हमें प्रो-एक्टिव होक अपने आसपास होने वाले बाल विवाह को रोकना होगा। यह केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि समाज की नैतिक जिम्मेदारी है कि इस कुप्रथा को समाप्त किया जाए। उन्होंने बताया कि अभी हर 05 विवाह में एक बाल विवाह हो रहा है, पूरे विश्व में भारत ऐसे मामलों में टॉपर है, इसे बॉटम से टॉपर श्रेणी में लाना है। इस कुप्रथा को समाप्त करने के लिए इच्छाशक्ति को जागृत करें, इस तरह के किसी भी मामले की सूचना तुरंत आंगनबाड़ी सेविका - सहायिका, बाल विवाह निषेध पदाधिकारी, थाना प्रभारी, किसी भी सरकारी कर्मी को दें।

सूचना तंत्र का उपयोग करने का किया अपील

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी (डीएसडब्ल्यूओ) सुमन गुप्ता ने बाल विवाह एवं डायन कुप्रथा से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने आमजनों से अपील की कि ऐसी किसी भी घटना की सूचना तुरंत डायल 112/100 अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर दें, ताकि समय रहते प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि प्रमंडल - जिला - प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर बाल विवाह निषेध पदाधिकारी घोषित है। उन्होंने बेटियों के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पीएमएमवीवाई - सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना - मुख्यमंत्री कन्यादान योजना आदि की जानकारी दी।

जागरूकता से ही होगा सुरक्षित एवं सशक्त झारखंड का निर्माण

कार्यशाला के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सामाजिक बदलाव केवल कानून से नहीं, बल्कि जनभागीदारी और जागरूकता से संभव है। बेटियों को सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देकर ही एक सुरक्षित एवं सशक्त झारखंड का निर्माण किया जा सकता है। मौके पर प्रतिभागियों को सहायक निदेशक श्रीमती सुमन सिंह ने महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित कानूनों, सरकारी योजनाओं, सुरक्षा उपायों तथा शिकायत निवारण तंत्र की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध दृढ़ संकल्पित होकर आवाज उठाने का आह्वान किया। जिम्मेवार नागरिक होने का परिचय देते हुए सशक्त समाज निर्माण में अपना योगदान देने को कहा।

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर उपायुक्त ने की सुनवाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त अजय नाथ झा ने आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 46 से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं/शिकायतों पर सुनवाई किया। साथ ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आपूर्ति विभाग, राजस्व संबंधित विवाद, चास नगर निगम, सामाजिक सुरक्षा आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे।

नीचले तल्ले पर दिव्यांगजनों की भी सुनी समस्या

उपायुक्त ने समाहरणालय के नीचले तल्ले पर जाकर जनता दरबार में अपनी समस्या लेकर पहुंचें दिव्यांगजनों की भी समस्या सुनी। उन्होंने समस्याओं के निराकरण को लेकर जरूरी दिशा ज्ञ निर्देश दिया।

सभी प्रखंडों में भी आयोजित हुआ जनता दरबार

उपायुक्त के निदेर्शानुसार जनता दरबार का आयोजन सभी प्रखंड सह अंचल कार्यालयों में भी किया गया, जहां प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी द्वारा स्थानीय स्तर पर प्राप्त आवेदनों की सुनवाई की गई। स्थानीय स्तर पर निष्पादित किए जा सकने वाले मामलों का समाधान मौके पर किया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सुचिता किरण भगत, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

बोकारो स्टील सिटी कॉलेज हो सकता बंद, बीएसएल ने लीज की रद्द

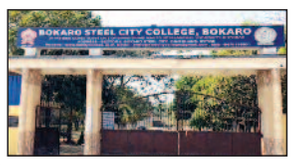

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड की शैक्षणिक राजधानी कहे जाने वाले बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-6 स्थित बीएस सिटी कॉलेज पर बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन की ओर से लीज रिन्युअल नहीं कराने व शुल्क जमा नहीं करने पर कॉलेज का लीज को रद्द कर दिया गया है। कॉलेज का संचालन बीएसएल प्रबंधन के रहमो-करम पर हो रहा है। वहीं बीएस सिटी कॉलेज का 10 करोड़ रुपए बकाया है, जिस कारण इसका लीज कैंसिल कर दिया गया है। बीएस सिटी कॉलेज 20 एकड़ जमीन पर स्थापित है।बोकारो स्टील सिटी कॉलेज बोकारो जिला का सबसे पुराना कॉलेज है। इसकी स्थापना 1970 में हुई थी। पहले यह सेक्टर-1 में संचालित होता था, बाद में बीएसएल ने इसकी स्थापना के लिए लीज पर भूमि का आवंटन किया। इसके बाद सेक्टर-6 में इसकी स्थापना की गई। इसमें सभी संकाय आदि को मिलाकर लगभग 2500 से अधिक विद्यार्थी हैं। यहां कला, विज्ञान, वाणिज्य, प्रबंधन, स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता है। अगर कॉलेज बंद होता है तो बोकारो में गरीब हरिजन आदिवासी अल्पसंख्यक के साथ गरीब लोगों को सरकारी कॉलेज में पढ़ने से वंचित रहना पड़ेगा। कॉलेज सरकारी होने के कारण कम फीस में बच्चों को शिक्षा दी जाती है यहां छात्रों के लिए हॉस्टल भी उपलब्ध है। यहां पढ़ने वाली आदिवासी छात्र का कहना है कि यह कॉलेज हम लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। मैं खुद भी सेल एम्पलाई की पुत्री हूँ ,मेरे साथ बहुत सारे ग्रामीण छात्र पढ़ने आते हैं।बोकारो स्टील को इस पर विचार करना चाहिए ताकि हम लोगों का शिक्षा निरंतर मिल सके। कॉलेज के कर्मियों का कहना है कि हम लोग को पत्र मिलने के बाद इसकी जानकारी मुख्यमंत्री राज्यपाल से अध्यक्ष विश्वविद्यालय प्रबंधन को दी गई है कॉलेज के द्वारा एक कमेटी भी गठित की गई थी लेकिन बार-बार पत्र मिल रहा है हम लोगों की मांग है कि जिस प्रकार अन्य सरकारी विभाग को जमीन उपलब्ध कराया गया है इस तरह सरकारी कॉलेज को भी फ्री जमीन उपलब्ध कराया जाए।

दुर्घटना पर अंकुश को सड़क सुरक्षा संकेत लूप, गति सीमा बोर्ड और अन्य अल्पकालिक उपायों को किया स्थापित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पुलिस और परिवहन विभाग के द्वारा सेक्टर 5 स्थित पुस्तकालय मैदान में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया, जिसमें लगभग 1250 लोगों को यातायात नियमों, हेलमेट/सीट बेल्ट के उपयोग और सुरक्षित ड्राइविंग के बारे में जानकारी दिया गया। इसका मुख्य उद्देश्य बोकारो को अधिक सुरक्षित बनाने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति अधिक संवेदनशील और जागरूक करना है। साथ ही बताया गया कि वाहनों की उपयुक्तता, प्रदूषण और हेलमेट/सीटबेल्ट के अनुपालन की विशेष जांच की जाएगी, और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जाएगी। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से सड़क सुरक्षा माह के तहत आयोजित की गई। वहीं, राष्ट्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग-23 पर सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सड़क सुरक्षा संकेतों, गति सीमा बोर्डों और अन्य अल्पकालिक उपायों को स्थापित की गई। इन उपायों का उद्देश्य वाहन चालकों को सतर्क करना और दुर्घटनाओं को कम करना है।

सड़क सुरक्षा संकेत और बोर्ड

1. चेतावनी संकेत : दुर्घटना संभावित क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट) पर चेतावनी संकेत लगाए गए हैं, जिनमें तीव्र मोड़, संकीर्ण पुल, और पैदल यात्री क्रॉसिंग जैसी जानकारी शामिल है।
2. गति सीमा बोर्ड : वाहनों की गति को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर गति सीमा निर्धारित करने वाले बोर्ड लगाए गए हैं। राष्ट्रीय और एक्सप्रेसवे के लिए केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित गति सीमा का पालन किया जाता है।
3. दूरी और गंतव्य संकेत : चालकों को गंतव्य की दिशा और दूरी बताने वाले सूचनात्मक बोर्ड भी स्थापित किए गए हैं।

अन्य अल्पकालिक उपाय के तहत सड़क के दोनों ओर :-

1. रिफ्लेक्टिव टेप और कैट्स आई : रात में और खराब मौसम में दृश्यता (५३,३८) बढ़ाने के लिए बैरिकेड्स, सड़क सुरक्षा उपकरणों और खतरनाक मोड़ों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए हैं। लेन मार्कर के साथ छोटे रिफ्लेक्टिव रोड स्टड (कैट्स आई) भी लगाए गए हैं।
2. बैरिकेड्स : यातायात प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यस्त मार्गों और चौराहों पर बैरिकेड्स का उपयोग किया गया है।
3. रंबल स्ट्रिप्सः ब्लैक स्पॉट या संवेदनशील स्थानों के पास चालकों को सतर्क करने के लिए रंबल स्ट्रिप्स (सड़क पर कंपन पैदा करने वाली पट्टियाँ) लगाई जा है।।
4. सोलर ब्लिंकरः दृश्यता को अधिकतम करने के लिए डिवाइडर के खुले स्थानों पर सोलर लाल ब्लिंकिंग सिग्नल लगाए गए हैं। मौके पर जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य एवं जिला परिवहन कार्यालय के कर्मी उपस्थित थे।

जल सेवा आकलन को लेकर ग्राम सभाओं का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में शुक्रवार को जल सेवा आकलन कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों के ग्रामों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इन ग्राम सभाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सेवाओं की नियमितता, गुणवत्ता, संचालन एवं रखरखाव की स्थिति का आकलन करना तथा ग्रामीणों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करना रहा। कार्यक्रम में जिला एवं प्रखंड स्तर के प्रशासनिक पदाधिकारियों, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अभियंताओं, यूनिसेफ सहयोगी आइडीएफ टीम, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। प्रखंड बेरमो के भेदकारो पूर्वी पंचायत अंतर्गत भेदकारो पूर्वी ग्राम में आयोजित ग्राम सभा में डीएसओ, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता, बीपीआरओ, प्रखंड वास कोऑर्डिनेटर, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य, पंचायत सचिव एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। प्रखंड चंदनकियारी के बाटविनोर पंचायत अंतर्गत ग्राम बाटविनोर एवं अलवारा में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया, जहां पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सहायक एवं कनीय अभियंता, प्रखंड वास कोऑर्डिनेटर, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, जलसहिया एवं ग्रामीणों ने जल सेवा से जुड़ी समस्याओं एवं सुझावों को साझा किया। इसी क्रम में प्रखंड चास के गोरावाली उत्तरी एवं गोरावाली दक्षिणी ग्राम पंचायतों में आयोजित ग्राम सभा में कनीय अभियंता, प्रखंड वास कोऑर्डिनेटर, मुखिया, पंचायत सचिव, जलसहिया एवं ग्रामीणों ने भाग लिया। प्रखंड पेटरवार के पंचायत तेनुघाट में आयोजित ग्राम सभा में प्रखंड विकास पदाधिकारी, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता एवं कनीय अभियंता सहित मुखिया, पंचायत सचिव, जलसहिया एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। वहीं प्रखंड गोमिया के पंचायत झिड़के में आयोजित ग्राम सभा का आयोजन हुआ। इन ग्राम सभाओं के दौरान ग्रामीणों ने जलापूर्ति से संबंधित अपनी समस्याओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं को खुलकर रखा। अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन देते हुए जल सेवा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास पर बल दिया।

जिले के ज्वेलर्स सीसीटीवी सिक्युरिटी अलार्म लगाएं : बोकारो पुलिस

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो एसपी हरविंदर सिंह की अध्यक्षता में बोकारो के शिबू सोरेन स्मृति भवन टाउन हॉल में बोकारो जिले के सभी ज्वेलर्स दुकान मालिक और उसके प्रतिनिधियों के साथ सुरक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएसपी इंस्पेक्टर थाना प्रभारी भी मौजूद रहे। बैठक में ज्वेलर्स दुकानदारों को सुरक्षा के मध्य नजर सीसीटीवी सिक्योरिटी अलार्म के साथ-साथ हेलमेट मास्क को बैन करने की बात कही गई। बैग लेकर दुकान आने वालों के बैग की पहले सुरक्षा जांच करने कई निर्देश दिया गया है। दुकानदारों ने भी अपने-अपने समस्या को एसपी के समक्ष रखने का काम किया। अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष देवदास ने दुकानों में बुर्का लगाकर आने पर प्रतिबंध की मांग की है। उन्होंने कहा कि आज जो बैठक हुई है वह काफी उत्साहवर्धन और सराहनीय है। हम लोग चाहते हैं कि प्रशासन ने जिस प्रकार आगे बढ़कर हम लोगों के सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है हम उनके साथ दें ।उन्होंने कहा कि वैसे दुकानदार जो हथियार का लाइसेंस सुरक्षा की दृष्टि से लेना चाहते हैं उनको हथियार का लाइसेंस भी उपलब्ध कराने का काम प्रशासन करें।

तालगड़िया इलेक्ट्रो स्टील रोड पर हो रही दुर्घटनाओं पर प्रशासन दे ध्यान : जनप्रतिनिधि

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तालगाड़िया इलेक्ट्रो स्टील रोड पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन का ध्यान आकृष्ट किया है। धनबाद लोकसभा के सांसद प्रतिनिधि (यातायात) संजय रजक ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए नो एंट्री में धड़ल्ले से चल रहे भारी वाहनों पर अविलंब रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि नियमों की अनदेखी के कारण इस मार्ग पर आए दिन एक्सीडेंट हो रहे हैं, जिससे आम लोगों की जान जोखिम में पड़ गई है। संजय रजक ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रशासन ने शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए और नो एंट्री का सख्ती से पालन सुनिश्चित नहीं किया गया, तो वे आंदोलन और धरना देने के लिए बाध्य होंगे।

डीवीसी मुख्यालय में डिजाइन फेस्टिवल आयोजित

चंद्रपुरा (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) कोलकाता मुख्यालय में आयोजित डिजाइन फस्टिवल कार्यक्रम में चंद्रपुरा में हाथ से बने सामग्रियों का प्रदर्शन यहां के नैगम सामाजिक दायित्व से जड़ी महिला वह कर्मी कर रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों ने आज यहां बताया कि डीवीसी चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के नौगम समाजिक दायित्व के समर्थित चंद्रपुरा के एस एच जी ग्रुप द्वारा बनाए गए कृषि, खाद्य सामग्री, बांस से बनी वस्तुएं , हस्तशिल्प जैसी विभिन्न चीजों को प्रदर्शित और बेची रही हैं। दामोदर वैली कॉर्पोरेशन का पहला कला, शिल्प और डिजाइन-आधारित फेस्टिवल, डिजाइन फेस्ट 2026, का उद्घाटन डी वी सी के चेयरमैन श्री एस. सुरेश कुमार, आई ए एस ने किया। इस मौके पर जाने-माने आर्किटेक्ट और गेस्ट ऑफ ऑनर श्री अबिन चौधरी भी मौजूद थे। उद्घाटन समारोह में सदस्य (टेक्निकल) श्री स्वप्नेंदु कुमार पांडा, सी वी ओ श्री सुदीप्त आचार्य, अतिरिक्त सचिव राकेश रंजन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। रचनात्मकता, पारंपरिक कौशल और कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सी एस आर) पहलों को बढ़ावा देने के लिए एक अनोखे मंच के रूप में शुरू किया गया, डिजाइन फेस्ट 2026 भारत की समृद्ध शिल्प और डिजाइन विरासत का जश्न मनाते हुए कारीगरों को व्यापक दर्शकों से जोड़ने का प्रयास करता है। इस फेस्टिवल में पश्चिम बंगाल और झारखंड के अलग-अलग हिस्सों के कारीगरों द्वारा लगाए गए स्टॉलों की एक शानदार श्रृंखला है।

बीएसएल द्वारा बोकारो पुस्तकालय में साहित्यिक संध्या-कवि गोष्ठी का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के तत्वावधान में बोकारो पुस्तकालय, सेक्टर-5 में कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। साहित्य, संवेदना और रचनात्मक अभिव्यक्ति से परिपूर्ण इस आयोजन में कवियों एवं साहित्य प्रेमियों ने सहभागिता की. कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएल के सामग्री प्रबंधन डिवीजन के महाप्रबंधक (क्रय) श्री उदय कुमार सिंह ने कवियों को संबोधित करते हुए कहा कि कविता कम शब्दों में गहन भावों को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है. उन्होंने कहा कि कविता गागर में सागर भरती है और शायरी अंधकार के क्षणों में ईश्वर से प्रार्थना बन जाती है. विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) श्री चौधरी रत्नेश कुमार सुधांशु ने बोकारो में साहित्यिक वातावरण के निरंतर सुदृढ़ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की गोष्ठियाँ साहित्यकारों को एक सशक्त मंच प्रदान कर रही हैं. आमंत्रित अतिथि एवं कवि, उप महाप्रबंधक (वित्त) श्री बी. बी. तिवारी ने अपने काव्यात्मक संबोधन में साम्राज्यवादी प्रवृत्तियों पर व्यंग्य प्रस्तुत किया, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा. गोष्ठी के आरंभ में डॉ. नरेंद्र कुमार राय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा साहित्यकारों को जो मंच प्रदान किया गया है, वह भविष्य में एक मील का पत्थर सिद्ध हो सकता है, जिसके लिए सभी रचनाकारों को मिल-जुलकर निरंतर प्रयास करने होंगे. कवि गोष्ठी के दौरान उपस्थित कवियों ने अपनी सशक्त एवं भावपूर्ण रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. बोकारो स्टील प्लांट के आरएमपी विभाग के कनीय प्रबंधक अतुल कुमार ने 'आजाद कलम', मनोज कुमार निशांत ने 'कविता नहीं है केवल कुछ शब्दों का मेल', डॉ. योगेंद्र प्रसाद मुसहर ने 'देखा धरती सुखी', कनक लता राय ने 'मृत्यु की तैयारी', अंकित कुमार उपाध्याय ने 'लिखती कलम', पद्मावती कोमल ने 'यह देश जमीन का टुकड़ा नहीं', रीना यादव ने 'लोग नाराज हैं', माला कुमारी ने 'महकते ख़्वाब हैं बेटियाँ', क्रांति श्रीवास्तव ने 'माँ की गोद', अमृता शर्मा ने 'तिलखत', कस्तूरी सिन्हा ने 'कोई याद आता है मुझे', नीलम झा ने 'आगे बढ़ना होगा', आर. पी. वर्मा ने 'पपीहा बोले', प्रिय रंजन कुमार ने 'अब के बरस' तथा डॉ. नरेंद्र कुमार राय ने 'आपस में प्रेम से रह' शीर्षक रचनाओं का पाठ कर साहित्यिक वातावरण को समृद्ध किया. वहीं, भोजपुरी गायक श्रीकांत सिंह ने भोजपुरी सोहर 'ए राजा जी एकरे त रहल ह जरूरत' प्रस्तुत कर पुरे वातावरण को संगीतमय बना दिया. कवि गोष्ठी की अध्यक्षता कस्तूरी सिन्हा ने की, मंच संचालन लव कुमार द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन अमृता शर्मा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के आयोजन में सहायक प्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) श्री मानस चन्द्र रजवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी एवं श्रोता उपस्थित थे.

बीएसएल में सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत सड़क सुरक्षा एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य के प्रति अपनी सतत प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करते हुए विविध जागरूकता एवं निवारक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. इन कार्यक्रमों का आयोजन समन्वित रूप से बीएसएल सुरक्षा विभाग द्वारा संबंधित विभागों के सहयोग से किया जा रहा है. इसी क्रम में डीएवी इस्पात विद्यालय, सेक्टरझ8/बी एवं सेक्टरझ2/सी के विद्यार्थियों के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता सत्र आयोजित किए गए. इन सत्रों में सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ विभाग के महाप्रबंधक-प्रभारी श्री आनंद रौतेला, उप महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) श्री कुमार रजनीश सहित अन्य अधिकारी, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे. जागरूकता सत्रों के दौरान विद्यार्थियों को यातायात नियमों, सुरक्षित सड़क व्यवहार, पैदल यात्रियों की सुरक्षा तथा अनुशासित आवागमन के महत्व के प्रति विस्तार से अवगत कराया गया. सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत संयंत्र स्थित व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवाएँ (ओएचएस) विभाग में संयंत्र के भारी वाहन चालकों हेतु नेत्र परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया. इस शिविर का उद्देश्य चालकों की दृष्टिक्षमता का आकलन कर भारी वाहनों के सुरक्षित एवं दक्ष संचालन को सुनिश्चित करना था. इसके अतिरिक्त, भारी वाहनों की सुरक्षा जाँच एवं जागरूकता अभियान के माध्यम से वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन, सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार तथा दुर्घटना रोकथाम के प्रति संवेदनशील बनाया गया. साथ ही, साइकिल चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए साइकिलों पर रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए, जिससे कम रोशनी एवं रात्रि में उनकी दृश्यता बढ़ाकर सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक :
मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com